हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 16 नवंबर 2025

जांच रिपोर्ट के बाद डॉक्टर व कर्मियों पर होगी कार्रवाई, 9 मरीजों के आंखों में इन्फेक्शन की 5 बिंदुओं पर की गई जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/बीजापुर

बीजापुर जिला मुख्यालय के अस्पताल में 24 अक्टूबर को 14 मरीजों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया, जिसमें से 9 मरीजों के आंखों में इन्फेक्शन से आंखों की रोशनी अंधकार में होने की कगार पर है। इससे 9 मरीजों को रायपुर रेफर किया गया, जिसकी सूचना पर स्वास्थ्य विभाग ने इस ऑपरेशन की जांच के लिए राज्य स्तर पर तीन सदस्य टीम का गठन किया, जिसमें राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधी अत्रिवाल, बस्तर के संयुक्त संचालक डॉ. महेश सांडिया एवं जिला अस्पताल जगदलपुर के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सरिता थॉमस शामिल है। यह टीम 13 नवंबर को बीजापुर पहुंच कर दो दिन तक 5 बिंदुओं पर जांच की। इसमें टीम ने आंख ड्रॉप, अन्य दवाइयां एवं ऑपरेशन के उपकरण का टेस्ट की रिपोर्ट एम्स रायपुर भेजा है, इसकी रिपोर्ट एम्स की ओर से स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय रायपुर को भेजा जाएगा। रिपोर्ट मिलने से डॉक्टर और कर्मचारी पर कार्रवाई की जाएगी।

तीन सदस्यीय टीम ने अस्पताल के दवाइयों, उपकरण का टेस्ट एम्स रायपुर भेजा

संक्रमण की वजह ऑपरेशन थियेटर या दवाएं जांच करने पहुंची टीम

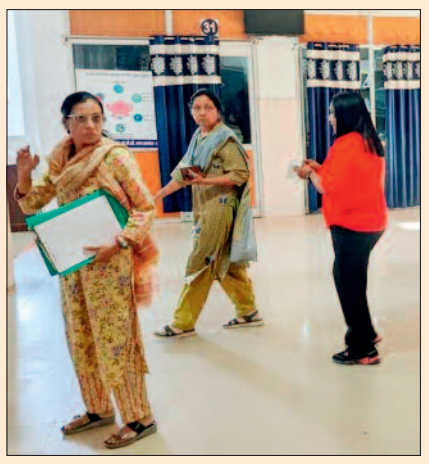

बड़ी वजह लेंस भी हो सकता है

बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल के आई ओटी का कभी नहीं हुआ फ्यूमीगेशन। इन्फेक्शन की सबसे बड़ी वजह लेंस भी हो सकता है, जिससे एंडोपथालमिटिस नामक इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है, क्योंकि ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर को भी नहीं मालूम मरीजों की आंखों में किस क्वालिटी का लेंस लगा है। अभी भी लापरवाही पूर्वक मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का ऑपरेशन जारी है। मोतियाबिंद के ऑपरेशन के पहले आईओटी (ऑपरेशन थिएटर) को पूरी तरह फ्यूमीगेशन किया जाता है, जहां ऑपरेशन के दौरान इस्तेमाल होने वाली कैंची, ब्लेड, टेबल, कुर्सी और जिस बेंच पर मरीज को लेटाकर ऑपरेशन किया जाता है, इन वस्तुओं की एक विशेष केमिकल से जांच के लिए माइक्रोबायोलॉजी लैब भेजा जाता है। जिसका कल्चर रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद ही ऑपरेशन करना होता है, अन्यथा रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर इसका असर ऑपरेशन कराने वाले मरीजों की आंखों में 100 प्रतिशत इन्फेक्शन होने का डर रहता है।

किस क्वालिटी का लेंस लगाया गया है, इसकी जानकारी नहीं

एक डॉक्टर और तीन नेत्र सहायक और स्टाफ नर्स की टीम द्वारा ऑपरेशन किया जाता है, मरीजों के आंखों में लेंस लगा है वह नेत्र रोग विशेषज्ञ की डिमांड पर ही मंगाया जाता है। वर्तमान में जो लेंस लगे है वह पुराने सिविल सर्जन द्वारा मंगाया हुआ है, इनकी एक्सपायरी चार से पांच सालों तक रहता है। मरीज को किस क्वालिटी का लेंस लगाया गया है, इसकी जानकारी नहीं है। दवाइयों के बारे में अधिक जानकारी दवाई स्टोर इंचार्ज दे पाएगा।

-डॉ. रत्ना रामटेके
सिविल सर्जन, जिला अस्पताल बीजापुर

तेलगांना स्टेट कमेटी के प्रमुख दामोदर से मनमुटाव बना समर्पण का कारण

कुख्यात नक्सली लीडर आजाद समेत आठ ने वारगंल में किया समर्पण

समर्पण करने वाले नक्सलियों पर 50 लाख से अधिक का था ईनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

तेलगांना स्टेट कमेटी में दशकों से सक्रिय दो कुख्यात नक्सली लीडर समेत 8 ने तेलगांना के वारगंल में समर्पण कर दिया है। समर्पण करने वाले नक्सलियों पर 50 लाख रुपए से अधिक का ईनाम घोषित था। बड़े नक्सली लीडरों के सपर्मण को एक ओर जहां नक्सल संगठन को बड़ा झटका बताया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर समर्पण की वजह तेलगांना स्टेट कमेटी में चल रहे नक्सलियों के बीच मनमुटाव व आपसी टकराव को बताया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक समर्पण करने वाले शीर्ष नक्सलियों में कोय्यादी संबय्या उर्फ आजाद व अब्बास नारायण उर्फ रमेश समेत आठ नक्सली शामिल है। वारगंल पुलिस के सामने समर्पण से तेलंगाना में माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। हालांकि इस समर्पण को तेलगांना पुलिस की ओर से अभी आधिकारिक पुष्टि बाकी है।

जानकारी के अनुसार सभी 8 नक्सलियों ने दो दिन पहले गुपचुप तरीके से सरेंडर कर चुके हैं और सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है। आत्मसमर्पण करने वालों में सबसे बड़ा नाम कोय्यादी संबय्या उर्फ आजाद का नाम है जो बीकेएसआर डिवीजन कमेटी का सचिव है। आजाद कई दशकों से माओवादी संगठन में प्रमुख रणनीतिक भूमिका निभा रहे थे। इसके अलावा अब्बास नारायण उर्फ रमेश सगंठन में बतौर तकनीकी टीम का प्रभारी था, जिसने सरेंडर किया है। रमेश तेलगांना के रामागुंडम इलाके में लंबे समय से सक्रिय था।

आपसी टकराव व संगठन में मतभेद बनी समर्पण की वजह

तेलगांना स्टेट के शीर्ष नक्सलियों के समर्पण की वजह सगंठन में आपसी टकराव और अंदरूनी मतभेद को बताया जा रहा है। पिछले कुछ समय से आजाद और तेलंगाना स्टेट कमेटी के प्रमुख नक्सल नेता दामोदर की बीच टकराव और अंदरूनी मतभेद भी इस सरेंडर का बड़ा कारण माना जा रहा है। आजाद मुलुगु जिले के मोहुलागुडेम गांव के रहने वाले हैं और तेलगांना स्टेट कमेटी में उनकी पकड़ काफी मजबूत थी जो मुलुगु जिले के मोहुलागुडेम गांव के निवासी है और दशकों से नक्सल सगंठन में सक्रिय थे। सोमवार को आधिकारिक पुष्टि होती है तो यह सरेंडर तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा क्षेत्र में सक्रिय माओवादी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका माना जाएगा।

सरेंडर से पहले आरोपी को गिरफ्तार किया बिलासपुर पुलिस पर हाईकोर्ट नाराज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक मामले के हत्या के आरोपी को कोर्ट में सरेंडर करने के लिए एक महीने का समय दिया था। इसके बाद भी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में दायर याचिका पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने पुलिस की गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए इसे मौलिक अधिकारों का हनन माना है। डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि याचिकाकर्ता को दो हफ्ते के अंदर 10 हजार रुपए मुआवजा भी दिया जाए।

■ दशरथ हत्याकांड, आरोपी को 10 हजार मुआवजा देने का आदेश

दरअसल, हाईकोर्ट ने 8 अक्टूबर 2025 को शहर के चर्चित दशरथ हत्याकांड के आरोपी विजय चौधरी और अन्य को एक महीने के भीतर ट्रायल कोर्ट में आत्मसमर्पण करने का समय दिया था। आत्मसमर्पण की अवधि 8 नवंबर तक वैध थी लेकिन सिविल लाइन थाने के टीआई ने 29 अक्टूबर को ही विजय चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। विजय चौधरी ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए हाईकोर्ट में चुनौती दी। इसमें बताया गया कि याचिकाकर्ता को कोर्ट ने आत्मसमर्पण करने के लिए समय दिया था। कोर्ट के इस आदेश को नजरअंदाज करते हुए पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी की है।

बाथरूम गई महिला और हो गया प्रसव, एक घंटे तक सेप्टिक सीट में फंसा रहा नवजात

सरगुजा में प्रसव का अनोखा मामला, बच्चे की हालत गंभीर, सेप्टिक सीट तोड़कर निकाला गया बच्चे को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

शनिवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एमसीएच में प्रसव का एक अनोखा मामला सामने आया है। प्रसव पीड़ा के बाद अस्पताल में भर्ती की गई प्रसूता बाथरूम गई और प्रसव हो गया। बड़ी बात यह है कि प्रसूता को इस बात की जानकारी भी नहीं हुई। महिला बाथरूम से आकर बेड में लेट गई। आधे घंटे बाद उसे एहसास हुआ कि उसका पेट खाली है जिसके बाद उसने शोर मचाना शुरू किया। इस घटना के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। आनन फानन में सफाई कर्मियों ने सेप्टिक सीट को तोड़कर उसमें फंसे बच्चे को बाहर निकाला। फिलहाल बच्चे को वेंटीलेटर पर रखा गया है और चिकित्सकों की टीम बच्चे की निगरानी कर रही है।

बताया जा रहा है कि सूरजपुर जिले के प्रतापपुर निवासी रामपति बाई पति सूरज 6-7 महीने की गर्भवती थी। 13 नवम्बर को महिला को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन द्वारा प्रतापपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया था। महिला की स्थिति गंभीर होने के कारण उसे उपचार के लिए राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रिफर कर दिया गया था जिसके बाद महिला को मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीन संचालित एमसीएच अस्पताल के एएमसी-2 वार्ड में भर्ती किया गया था। शनिवार की सुबह 10.30 बजे प्रसूता को बाथरूम लगी तो वह प्रसूति वार्ड के शौचालय में गई थी जिसके बाद वह आराम से अपने बिस्तर पर आकर लेट गई। लगभग आधे घंटे बाद महिला को एहसास हुआ कि कुछ गड़बड़ है और उसका पेट खाली है जिसके बाद महिला ने शोर मचाना शुरू कर दिया। हंगामा होने पर वार्ड के नर्सिंग स्टाफ व चिकित्सक मौके पर पहुंचे तो पता चला की महिला का प्रसव हो गया है।

भरोसा, इलाज से पहले

ITSA HOSPITALS | HEALTHCARE. HOSPITALITY. HARMONY.

1. **हर फैसला मिलकर लिया जाता है –** इट्सा हॉस्पिटल्स में किसी पर इलाज थोपे नहीं जाते। डॉक्टर और मरीज के परिवार मिलकर तय करते हैं कि क्या सही है।
2. **"भरोसा इलाज से पहले" –** यहाँ इलाज की शुरुआत भरोसे और समझ से होती है, न कि डर से।
3. **इट्सा के 100 केसों का ताजा आंकड़ा बताता है सच्चाई –**
   - सिर्फ 25% मरीजों को एंजियोप्लास्टी की जरूरत पड़ी।
   - 15% से भी कम को बायपास सर्जरी करनी पड़ी।
   - करीब 60% मरीजों का इलाज सिर्फ दवाओं से ही सफल हुआ।
4. **तकनीक के साथ ईमानदारी और संवेदना –** इट्सा में अत्याधुनिक मशीनें हैं, Advanced Philips Cath Lab, HD-IVUS, ROTA, FFR
5. **एक ज़रूरी बात याद रखें –** डॉक्टर अगर एंजियोग्राफी की सलाह दें, तो समझें – यह जांच है, फैसला नहीं।

डॉ. अक्षत जैन का मानना है –
"सबसे अच्छा इलाज हमेशा सबसे महंगा नहीं होता, बल्कि वह होता है जो मरीज के लिए सबसे उपयुक्त हो।"

सवाल पूछें, जानकारी लें और भरोसे से आगे बढ़ें।
क्योंकि इट्सा में इलाज सिर्फ मशीनों से नहीं, दिल और भरोसे से होता है।

अब इट्सा हॉस्पिटल में अत्याधुनिक Boston Scientific Rota Pro System की मदद से हृदय की धमनियों में जमे हुए कठोर कैल्शियम ब्लॉक्स को आसानी से हटाया जा सकता है, जो एंजियोप्लास्टी के बेहतरीन परिणामों के लिए महत्वपूर्ण एकमात्र मशीन है।

T & C Apply

अम्बुजा सिटी सेंटर मॉल के पास, सड्डू, रायपुर (छ.ग.)-492014 0771 4800000, 7880 110000 www.itsahospitals.com

आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹91457/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹111700/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹121931/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 16 नवंबर 2025

शहर में गरीब व मध्य वर्ग के करदाताओं से पानी, सफाई और प्रापर्टी टैक्स का पाई-पाई वसूलने वाला नगर निगम राजधानी के अलग-अलग जोन क्षेत्रों में स्थित सरकारी बंगलों में रहने वाले मंत्री, एमएलए, मेयर से लेकर अफसर तक से बंगले का सामान्य जल शुल्क, समेकित कर और कचरा उठाने के एवज में यूजर चार्ज नहीं वसूल पाया है।

सरकारी बंगलों पर प्रापर्टी टैक्स नहीं लगता, पानी और कूड़ा उठाने का टैक्स वसूलता है निगम

बंगला फ्री था, पर पानी-सफाई का पैसा भी पचा गए 'साहब'

मेयर बंगला, मंत्री- विधायक अफसरों ने टैक्स नहीं दिया

प्रदीप शर्मा ▶▶| रायपुर

खास खबर

10 साल में 1100 सरकारी बिल्डिंग पर 10 करोड़ का टैक्स बकाया है। इसे वसूलने जोन 4 कमिश्नरी ने मुख्यालय को पत्र लिखकर मार्गदर्शन मांगा है। इसी तरह जोन 3 और जोन 2 क्षेत्र के सरकारी बंगलों में टैक्स वसूली की कमोबेश इसी तरह की स्थिति है। रायपुर नगर निगम जोन 4 कमिश्नरी क्षेत्र में सबसे ज्यादा 1100 सरकारी भवन मंत्री, विधायक, अफसर के हैं। सरकारी बंगले की वजह से नगर निगम इन बंगलों में रहने वालों से प्रापर्टी टैक्स नहीं ले सकता, पर यूजर चार्ज और सामान्य जलकर शुल्क की राशि नगर निगम में जमा ▶▶|शेष पेज 5 पर

■ नगर निगम जोन 4 कमिश्नरी में 1100 सरकारी बिल्डिंग 10 करोड़ टैक्स का बकाया, जोन 3 और जोन 2 में सरकारी बिल्डिंग

जोन 4 के प्रमुख सरकारी आवासीय परिसर

- शांतिनगर स्थित फारेस्ट कालोनी
- इंद्रावती नगर की सिंचाई कालोनी
- पुलिस लाइन क्षेत्र स्थित पुलिस क्वार्टर
- सेल टैक्स कालोनी
- बैरनबाजार के नलघर चौक का मेयर बंगला
- सीएम, डिप्टी सीएम सहित अन्य मंत्रियों के बंगले

मंत्री, विधायक और महापौर को खुद करना है भुगतान

सरकारी आवास आवंटन जिनके नाम से आवंटित है उस अधिकारी, जन प्रतिनिधि या कर्मचारी ही संबंधित अवधि का सामान्य जल कर, समेकित व यूजर चार्ज का भुगतान करना होगा। सरकारी आवास होने की वजह से उस बंगले पर नगर निगम का प्रापर्टी टैक्स नहीं लगेगा। इस हिसाब से नगर निगम द्वारा कराए गए जीआईएस सर्वे के बाद डिमांड नोट तैयार कर निगम मुख्यालय से मार्गदर्शन मांगा गया है। ताकि संबंधित व्यक्ति से बकाया टैक्स की वसूली की जा सके। ▶▶|शेष पेज 5 पर

मैं भी करूंगी भुगतान

कोई भी जनप्रतिनिधि हो सरकारी बंगलों का उपयोग करने पर संबंधित समय अवधि का यूजर चार्ज, सामान्य जल कर और समेकित कर नगर निगम को भुगतान करना चाहिए। ये हम सबकी जिम्मेदारी है, मैं खुद भी महापौर बंगले का निगम से संबंधित जो भी कर देय होगा उसका भुगतान करूंगी। हम सब जिम्मेदार नागरिक हैं इसलिए किसी भी सरकारी अधिकारी व कर्मचारी व जन प्रतिनिधि को इसमें किसी तरह की आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

- मीनल चौबे, महापौर, नगर निगम रायपुर

सीएम के नेतृत्व में धान खरीदी

पहले दिन प्रदेश के 188 केंद्रों में खरीदे गए 18639 क्विंटल धान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ साय बोले- यह किसान भाइयों की मेहनत का उत्सव

छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का महाअभियान शनिवार से औपचारिक रूप से शुरू हो गया है। यह अभियान राज्य के सभी जिलों में 31 जनवरी तक चलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धान खरीदी के लिए सम्पूर्ण चाक-चौबंद और पारदर्शी व्यवस्था की गई है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए इस साल राज्य में 2739 धान खरीदी केंद्र बनाए गए हैं, जहां किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। वहीं, भुगतान की सुविधा सुगम बनाने हेतु माइक्रो एटीएम भी स्थापित किए गए हैं। खरीदी के पहले दिन प्रदेश में 18639 क्विंटल धान की खरीदी की गई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के सभी किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसानों की मेहनत से ही प्रदेश में समृद्धि और खुशहाली का वातावरण निर्मित हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेती-किसानी को बढ़ावा देने के लिए निष्ठा, संवेदनशीलता और सजगता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धान खरीदी को पूरी तरह व्यवस्थित, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संचालित किया जाएगा। किसानों की किसी भी प्रकार की असुविधा को रोकने के लिए सभी जिलों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इस वर्ष धान खरीदी को तकनीक-सक्षम बनाते हुए तुंहर टोकन ऐप, जीपीएस आधारित परिवहन, ▶▶|शेष पेज 5 पर

खरीदी केंद्रों में किसानों का स्वागत

धान खरीदी के पहले दिन राज्यभर के खरीदी केंद्रों में किसानों का स्वागत फूल-मालाओं के साथ किया गया। विभिन्न जिलों में मंत्रिगणों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि सरकार का ध्येय केवल धान खरीदना नहीं, बल्कि किसान के श्रम का सम्मान सुनिश्चित करना है और यही भावना इस पूरे अभियान की सबसे बड़ी शक्ति है।

धान खरीदी का पहला दिन... हड़ताल के बाद सरकार की वैकल्पिक व्यवस्था

सोसाइटियों में पूजा-पाठ, कहीं बोहनी-कहीं किसानों का इंतजार

पहले दिन कई जगह बोहनी हुई कुछ जगह साफ-सफाई की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर
राजनांदगांव / भिलाई-दुर्ग
नारायणपुर/ गरियाबंद/ अंबिकापुर
जांजगीर-चांपा की विशेष रिपोर्ट

प्रदेशभर में धान उपार्जन समितियों के प्रबंधक एवं ऑपरेटर हड़ताल पर हैं, लेकिन शासन के निर्देश पर सभी जिलों में वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए शनिवार से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू की। हरिभूमि की टीम पहले दिन सोसायटियों में लाइव पड़ताल करने पहुंची। कई जगह धान खरीदी की बोहनी हो गई। किसानों ने पहले दिन धान बेचा, तो ▶▶|शेष पेज 5 पर

रायपुर के यह हाल

विभागीय अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार जिले में कुल 139 उपार्जन केंद्र हैं। पहले दिन 61 उपार्जन केंद्रों में धान बेचने के लिए लगभग 175 किसानों का टोकन काटा गया है। 30 उपार्जन केंद्रों में 1234 क्विंटल धान ही खरीदा जा सका। इस दिन पहले दिन मात्र 15 प्रतिशत धान खरीदा जा सका। जिले के ग्राम पचेड़ा उपार्जन केंद्र में धान खरीदी की पूरी तैयारी की गई थी। इसके लिए उपार्जन केंद्र भवन की रंगाई से लेकर तौल ▶▶|शेष पेज 5 पर

राजनांदगांव में बोहनी

प्रदेश सरकार के निर्देश पर 15 नवंबर से राजनांदगांव जिले में धान खरीदी शुरू हो गई है। सहकारी समिति प्रबंधकों और कम्प्यूटर ऑपरेटरों की हड़ताल को देखते हुए । जिला प्रशासन ने जिले की 96 धान खरीदी केंद्र में खरीदी को लेकर पहले ही वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए नोडल अधिकारी ▶▶|शेष पेज 5 पर

दुर्ग जिले के 35 समितियों में धान खरीदी

दुर्ग। दुर्ग जिले में पहले दिन शनिवार को धान खरीदी की औपचारिक शुरुआत हुई। जिले के 87 समितियों के माध्यम से इस साल धान खरीदी होनी थी लेकिन समिति प्रबंधकों और कर्मचारियों के अनिश्चतकालीन हड़ताल का ऐसा असर पड़ा। सरकार ▶▶|शेष पेज 5 पर

पतंजलि®

देश की एकमात्र लिस्टेड कम्पनी जिसका 100% प्रॉफिट देशवासियों की सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान एवं राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित है।

सर्दियों में ठण्ड से अपने आप को बचाएं, इम्यूनिटी बढ़ाएं, रोगों से लड़ने की शक्ति व आन्तरिक ऊर्जा पाएं।

पतंजलि का श्रेष्ठतम च्यवनप्राश, हनी व गाय का शुद्ध देशी घी खाएं।

ऑनलाइन ख़रीदें– www.patanjaliayurved.net | कस्टमर केयर– 18001804108
OrderMe ऐप के माध्यम से भी ऑनलाइन पतंजलि उत्पाद ऑर्डर करें।

आपकी भक्ति जितनी शुद्ध
असली चंदन लेप से बनी

SANTOOR Agarbatti

चंदन लेप | चंदन+केसर | चंदन+मोगरा

बिहार के इतिहास में पहली बार चुने गए केवल 11 मुस्लिम उम्मीदवार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा व नीतीश कुमार की आंधी में महागठबंधन का सारा सियासी किला ध्वस्त हो गया है। एनडीए की सियासी लहर में मुस्लिम सियासत भी धराशयी हो गई।

एनडीए की सियासी लहर में मुस्लिम सियासत भी हो गई धराशयी

इस बार बिहार चुनाव में मुस्लिम विधायक महज 11 जीतकर आए हैं जबकि 2019 में 19 मुस्लिम विधायक जीते थे। इस तरह पिछले विधानसभा चुनाव से 8 मुस्लिम विधायक कम जीतकर आए हैं। बिहार के सियासी इतिहास 1951 से लेकर अभी तक के जितने चुनाव हुए हैं, उसमें सबसे ज्यादा मुस्लिम विधायक 1985 के चुनाव में 34 जीतकर आए थे जबकि सबसे कम संख्या में 11 मुस्लिम विधायक इस बार के चुनाव में चुने गए हैं। बिहार में करीब 18 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके लिहाज से कम से कम 44 विधायक होने चाहिए। 1951 से लेकर अभी तक इतनी संख्या में कभी भी मुस्लिम विधायक जीतकर नहीं आ सके हैं।

1985 में चुनकर आए थे सर्वाधिक 34, जबकि पिछले चुनाव में बने थे 19 विधायक

कौन-कौन मुस्लिम विधायक जीते?

बिहार में इस बार कुल 11 मुस्लिम विधायक चुने गए हैं। कांग्रेस के टिकट पर किशनगंज से मोहम्मद कमरुल होदा और अररिया से अब्दुर रहमान जीते हैं। आरजेडी के टिकट पर रघुनाथपुर सीट से ओसामा शहाब, बिस्फी सीट से आरिफ अहमद और ढाका से फैजल रहमान जीते हैं। वहीं, असदुद्दीन ओवैसी के एआईएमआईएम के टिकट पर जोकीहाट सीट से मोहम्मद खुर्शीद आलम, बहाबुरगंज सीट से मो. तौसीफ आलम, कोचाधामन से मो. सरवर आलम, अमौर से अख्तारुल ईमान और बायसी सीट से गुलाम सरवर विधायक चुने गए हैं। दूसरी तरफ जेडीयू के टिकट पर चैनपुर सीट से मोहम्मद जमा खान से जीते, वे 2020 में बसपा के टिकट पर इसी सीट से जीते थे और बाद में जेडीयू में शामिल हो गए थे।

ओवैसी के सर्वाधिक 5 विधायक

2025 के विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा संख्या में मुस्लिम विधायक एआईएमआईएम से पांच जीते हैं, आरजेडी से 3 मुस्लिम विधायक चुने गए हैं तो कांग्रेस से दो मुस्लिम और जेडीयू से एक मुस्लिम विधायक चुनकर आए हैं। सीपीआई माले और चिराग पासवान की पार्टी से कोई भी मुस्लिम विधानसभा चुनाव नहीं जीत सका।

किसने उतारे कितने उम्मीदवार

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन दोनों ने मुस्लिम प्रत्याशियों पर दांव लगाया था। तेजस्वी यादव के अगुवाई वाले महागठबंधन से 30 मुस्लिम उम्मीदवार तो नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले एनडीए से पांच मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में थे। महागठबंधन में आरजेडी से 18 मुस्लिम प्रत्याशी में सिर्फ तीन जीते, कांग्रेस से 10 में से सिर्फ दो ही जीते। सीपीआई माले से दो मुस्लिम मैदान में थे और दोनों ही हार गए। वहीं, एनडीए की तरफ जेडीयू ने चार और एलजेपी ने एक मुस्लिम को उम्मीदवार बनाया। एलजेपी प्रत्याशी को जीत नहीं मिली, लेकिन जेडीयू के चार में सिर्फ एक ही जीत सके हैं। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम (एआईएमआईएम) से 23 मुस्लिम प्रत्याशी उतारे थे, जिनमें से पांच जीते हैं। इस तरह कुल 11 मुस्लिम विधायक बने हैं।

चीन से नोट छपवा रहे भारत के 5 पड़ोसी देश

नई दिल्ली। भारत के अधिकांश पड़ोसी देश, श्रीलंका, मलेशिया, बांग्लादेश, थाईलैंड अपनी करेंसी चीन में छपवाते हैं। अब नेपाल भी अपनी करेंसी प्रिंटिंग के लिए चीन का रुख कर रहा है। नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) ने 7-8 नवंबर को 1000 रुपए के 43 करोड़ नोटों की प्रिंटिंग के लिए एक टेंडर जारी किया था। इस टेंडर को चीन की एक कंपनी ने जीत लिया है। इसके बाद नेपाली बैंक ने चाइना सीबीपीएमसी को टेंडर दे दिया। 1945 से 1955 तक नेपाल के सभी नोट भारत की नासिक स्थित सिक्योरिटी प्रेस में छपे और उसके बाद भी भारत ही मुख्य साझेदार बना रहा। हालांकि, 2015 में नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) ने वैश्विक टेंडर के जरिए चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन (सीबीपीएमसी) को कॉन्ट्रैक्ट दे दिया, जिसके बाद नेपाल के ज्यादातर नोट चीन में ही छपने लगे। पिछले कुछ सालों में चीन एशियाई देशों की करेंसी का बड़ा केंद्र बन चुका है। इससे अमेरिका-ब्रिटेन के मुद्रा छापने वाले बाजार पर नेगेटिव असर पड़ रहा है।

सीएम को लेकर बिहार में रार

जदयू बोली, नीतीश ही बनेंगे मुख्यमंत्री भाजपा ने कहा- विधायक तय करेंगे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली-पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में प्रचंड जीत के बाद नई सरकार के गठन पर कवायद शुरू हो गई है। सियासी गलियारों में सवाल तैर रहा है कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? इस पर जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने स्पष्ट कर दिया है कि नीतीश कुमार ही बिहार के सीएम रहेंगे। वहीं, एनडीए में सबसे ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज करने वाली बीजेपी ने सीएम पद पर थोड़ा सस्पेंस बना दिया है। भाजपा का कहना है कि एनडीए के विधायक मिलकर अपना नेता तय करेंगे।

ललन, रजक का दावा

बिहार चुनाव के नतीजे आने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके निवास पर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के अलावा पार्टी के वरीय नेता विजय चौधरी एवं श्याम रजक ने जाकर मुलाकात की। इसके बाद ललन सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार में सीएम पद की कोई वैकेंसी नहीं है, नीतीश ही सीएम होंगे। वहीं, श्याम रजक ने भी स्पष्ट किया कि नीतीश ही फिर से मुख्यमंत्री होंगे।

हालिया चुनाव में भाजपा है एनडीए का सबसे बड़ा दल

भाजपा को सर्वाधिक 89 जबकि जदयू को मिली हैं 85 सीटें

एनडीए ने जीती हैं 202 सीटें

बता दें कि शुक्रवार को आए बिहार चुनाव के नतीजों में एनडीए ने 243 में से 202 सीटों जीत दर्ज की। बराबर सीटों पर लड़ी भाजपा और जदयू में ज्यादा सीटें बीजेपी के खाते में आई है। भाजपा ने 89, जदयू ने उससे थोड़ा कम 85, लोजपा-आर ने 19, हम ने 5 और रालोमो ने 4 सीटों पर जीत दर्ज की।

प्रधान, जायसवाल का अलग राग

इधर, दूसरी ओर, भाजपा खुलकर नीतीश का नाम बोलने से बच रही है। बिहार चुनाव में भाजपा के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने भी एक चैनल से बातचीत में सीएम के सवाल पर नीतीश का नाम लेने से बचे। उन्होंने इतना कहा कि अगला मुख्यमंत्री एनडीए का ही होगा यह तय है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अभी एक-दो दिन पार्टी बिहार की जनता को धन्यवाद देने के लिए कार्यक्रम करेगी। इसके बाद सभी पार्टियों के विधायक अपना-अपना नेता चुनेंगे। फिर एनडीए के विधायक मिलकर अपना नेता चुनेंगे। जायसवाल ने कहा कि सरकार के गठन की संवैधानिक प्रक्रिया यही है। नीतीश के फिर से सीएम बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा।

क्या जदयू के बिना अन्य पार्टनर के साथ भाजपा बना सकती है सरकार?

इन नतीजों से यह सुगबुगाहट भी होने लगी क्या भाजपा जदयू को छोड़ अन्य साझीदार दलों के साथ मिलकर बिहार में सरकार बनाने पर विचार कर सकती है? भाजपा को 89, लोजपा को 19, हम को 5, रालोम को 4 सीटो पर जीत मिली है। इन चार दलों की कुल सीटें 117 होती हैं। 243 विधान सभा सीटों वाली बिहार विधान सभा में बहुमत के लिए 122 विधायकों का समर्थन चाहिए। बिहार चुनाव में बहुजन समाज पार्टी और इंडियन एक्सक्लुसिव पार्टी के भी एक-एक उम्मीदवार चुनाव जीते हैं। पिछले चुनाव में बसपा के टिकट पर जीतने वाले जमा खान चुनाव बाद जदयू में चले गये थे। ऐसे में इस बार भी वैसा कुछ होने की संभावना नकारी नहीं जा सकती।

'बिहार चुनाव में गड़बड़ी हुई है, 2 हफ्तों में सबूत देंगे'

कांग्रेस ने किया दावा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

बिहार चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस ने शनिवार को दिल्ली में पहली समीक्षा बैठक बुलाई। यह बैठक पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई, जिसमें राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और अजय माकन मौजूद रहे।

बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर चुनाव में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी गड़बडियों के सबूत इकट्ठा कर रही है। 2 हफ्तों में देश के सामने रखेंगे। बता दें, कांग्रेस ने इस चुनाव में 60 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, लेकिन सिर्फ 6 सीटें जीत पाई। पार्टी का वोट शेयर 8.71% रह गया, जबकि 2020 में 70 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए 19 सीटें जीती थीं और 9.6% वोट मिले थे।

राहुल की मौजूदगी में खड़गे के यहां हुई बैठक

'कुछ तो गड़बड़ है'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने बिहार चुनाव नतीजों पर गंभीर सवाल उठाए। अजय माकन ने भी कहा, चुनाव प्रक्रिया पर शुरू से ही सवाल हैं, इसलिए ऐसे नतीजे चौंकाने वाले हैं। कांग्रेस को 1984 में भी ऐसा स्ट्राइक रेट नहीं मिला था, जैसा इस बार बीजेपी को मिला है। कुछ तो गड़बड़ है। हमारे कार्यकर्ता लगातार बता रहे हैं कि कई जगह गड़बड़ियां हुई हैं। माकन ने बताया कि गठबंधन के सभी दल इस नतीजे को 'अप्रत्याशित' मानते हैं और इसकी जांच की मांग कर रहे हैं। पार्टी समझने की कोशिश कर रही है कि बिहार में इतनी बड़ी हार क्यों हुई।

यूजीसी की शिकायत पर 'अल फलाह' के खिलाफ एफआईआर

लाल किला ब्लास्ट के बाद क्राइम ब्रांच ने कसा शिकंजा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली ब्लास्ट केस में फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी भी आरोपों के घेरे में हैं। ब्लास्ट के मास्टरमाइंड माने जा रहे डॉ. मुजम्मिल की गिरफ्तारी के बाद एजेंसियां साजिश की परतें खोल रही हैं। इस बीच दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने यूनिवर्सिटी पर शिकंजा कसा है। क्राइम ब्रांच ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के खिलाफ दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस ने ये कार्रवाई यूजीसी की शिकायत पर की है। इसमें क्राइम ब्रांच ने यूनिवर्सिटी के खिलाफ एक एफआईआर चीटिंग की दर्ज की है। जबकि दूसरी एफआईआर फॉर्जरी की धाराओं में दर्ज की है। पुलिस ने अल फलाह यूनिवर्सिटी को एक नोटिस भेजा है। साथ ही यूनिवर्सिटी से कुछ डाक्यूमेंट्स भी मांगे गए हैं।

यूनिवर्सिटी के 15 डॉक्टर अंडरग्राउंड

अल-फलाह यूनिवर्सिटी से डॉ. मुजम्मिल, लेडी डॉक्टर शाहीन सईद, यूनिवर्सिटी की मस्जिद के मौलवी इश्तियाक और एचआर विभाग में कार्यरत जमील को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई के बाद, लगभग 15 डॉक्टर अंडरग्राउंड हैं। इनके फोन भी बंद हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी डॉ. मुजम्मिल के संपर्क में थे।

राम मंदिर ध्वजारोहण : अमिताभ, अंबानी को न्योता

अयोध्या। अयोध्या में 25 नवंबर को होने वाले राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि व रामलला की दिव्य प्रतिमा बनाने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज विशेष अतिथि होंगे। इस कार्यक्रम में उद्योगपति मुकेश अंबानी, अमिताभ बच्चन और सोनू निगम जैसी जानी-मानी हस्तियों को भी न्योता भेजा गया है। प्रधानमंत्री मोदी इस बार भी मंदिर निर्माण में लगे श्रमिकों और कारीगरों से मुलाकात करेंगे।

मथुरा में दिखा का जोश, शिल्पा-राजपाल भी शामिल

हिंदू एकता यात्रा में शामिल हुईं जया किशोरी, पुंडरीक गोस्वामी

एजेंसी ▸▸ मथुरा

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की धर्मनगरी मथुरा में चल रही ' सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' के नौवें दिन का आगाज अभूतपूर्व ऊर्जा और आध्यात्मिक उत्साह के साथ हुआ।

इसमें प्रसिद्ध कथावाचक जया किशोरी मथुरा से शामिल हुई हैं। यात्रा बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी, फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर और एक्टर राजपाल यादव भी शामिल हुए। इनके अलावा, मृदुलकांत शास्त्री, देवकीनंदन ठाकुर, स्वामी चिदानंद सरस्वती ने भी पदयात्रा में शिरकत की।

हुआ संत समागम

पदयात्रा प्रारंभ होने से पूर्व मंच पर देश और विदेश में सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करने वाले कई पूज्य संत-महापुरुषों का समागम हुआ, जिसने इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। सभी संतों ने अपने ओजपूर्ण और प्रेरणादायक आशीर्वचनों से हजारों पदयात्रियों में नया जोश भरा। संतों ने सनातन संस्कृति की एकता और राष्ट्र प्रेम के महत्व को रेखांकित किया। मथुरा के संस्कृत विश्वविद्यालय में बने विराम मंच पर शिल्पा शेट्टी ने कहा- एक कॉल दूर हूं, महाराज जी... जब जरूरत हो तब याद कर लेना। आज इतनी संख्या में आप लोगों को देख कर मेरा मन बहुत ही खुश हो रहा है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
24x7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

ओपीडी के मरीजों की आईपीडी, कागजों में मिले कई सुविधाओं के दावे

स्वास्थ्य योजना में बीमारियों के कम पैकेज का रोना रोने वाले अस्पताल इसकी आड़ में ज्यादा लाभ कमाने के चक्कर में गोलमाल से भी पीछे नहीं हट रहे हैं। आयुष्मान मरीजों के इलाज के लिए एमबीबीएस डाक्टर का होना जरूरी है, मगर खर्च बचाने के लिए अस्पताल बीएएमएस यानी आयुर्वेद डाक्टरों से काम चला रहे हैं। आयुष्मान की सुविधा आईपीडी के बाद मिलती है, इसलिए उन मरीजों को भर्ती कर इलाज किया गया है, जिन्हें ओपीडी में सामान्य दवा से ठीक किया सकता था।

पैसा बचाने के लिए एमबीबीएस की जगह झोला छाप बीएएमएस डॉक्टर से इलाज करा रहे प्राइवेट हास्पिटल

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

आयुष्मान योजना के मरीजों के इलाज में गड़बड़ी की सूची के आधार पर विभागीय टीम फिर एक्शन के मोड में आ चुकी है। रायपुर सहित चार जिलों के 15 निजी अस्पतालों को योजना से अलग-अलग अवधि के लिए बाहर किया गया है। ज्यादातर अस्पताल आयुष्मान योजना के मरीजों के इलाज के लिए बनाए गए नियमों को पूरा नहीं कर रहे हैं। इनमें सबसे बड़ी समस्या एमबीबीएस डाक्टरों की कमी का है। ▶▶|शेष पेज 5 पर

कार्रवाई और भी

आयुष्मान योजना के पंजीकृत अस्पताल निर्धारित मानकों को पूरा करते हैं अथवा नहीं, इसकी जांच की जा रही है। कमियों और गड़बड़ियों पर उनसे जवाब मांगा जा रहा है और आवश्यकता अनुसार कार्रवाई की अनुशंसा भी की जा रही है।

- डॉ. मिथिलेश चौधरी, सीएमएचओ

निजी अस्पतालों का फर्जीवाड़ा, जारी है निलंबन जैसी कार्रवाई का दौर

इस तरह की शिकायत

- रायपुर के बांसटाल स्थित श्री गोविंद हास्पिटल में पेट दर्द की समस्या को हार्निया बताकर इलाज, गलत पैकेज ब्लाक करने की ढेरों शिकायत।
- महासमुंद के तीनों निजी अस्पतालों ने आयुष्मान इंपैनल्ड सूची में शामिल होने के बाद भी हितग्राहियों के इलाज से किया इंकार।
- धमतरी के निजी हास्पिटल जांच, दूसरी बीमारी और सर्जरी के नाम पर मरीज से 32 हजार रुपए वसूले, शिकायत पर कार्रवाई।
- कुशालपुर, शंकरनगर और रायपुरा के अस्पताल में एमबीबीएस वाले डाक्टर कम मिले, यहां बीएएमएस चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति।
- भाठागांव और खमतराई के निजी हास्पिटल के दस्तावेजों और वार्डों में मौजूद मरीजों की संख्या में अंतर मिला। अन्य कमियां भी पाई गईं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

डंपर और टाटा सुमो में टक्कर, 9 की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में रिंग रोड पर शनिवार रात करीब 10:20 बजे एक डंपर और टाटा सूमो के बीच टक्कर हो गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। सभी पीड़ित महवारा के रहने वाले हैं। स्थानीय लोगों ने घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया। पुलिस भी मौके पर पहुंची है।

आग से परिवार के पांच सदस्यों की मौत

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक मकान में आग लग जाने से एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। मृतकों में ललन शाह, उनकी मां, पत्नी और दो बच्चे शामिल हैं। यह घटना मोतीपुर इलाके के वार्ड संख्या 13 में मध्यरात्रि के आसपास हुई।

मुख्यमंत्री ने किया भगवान बिरसा मुंडा का स्मरण

छत्तीसगढ़ शासन जनजातीय समुदाय के समग्र विकास के लिए संकल्पित : साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सिटी ग्राउंड में विभिन्न जनजातीय समाज के प्रमुखों ने आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री का पारंपरिक सिहाड़ी माला, पगड़ी (साफा) और गजमाला भेंट कर सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री ने बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी और भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र सहित जनजातीय देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन जनजातीय समुदाय के समग्र विकास के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

जनजातीय उत्थान और सम्मान के लिए उठाए गए ऐतिहासिक राष्ट्रीय कदमों का स्मरण करते हुए कहा कि जनजातीय कल्याण की दिशा में तीन बड़े मील के पत्थर रखे गए हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दूरदर्शी नेतृत्व को याद किया जिनके कार्यकाल में आदिवासी बहुल छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्यों का गठन किया गया। मुख्यमंत्री ने इसे जनजातीय पहचान को सम्मान देने और उनके त्वरित विकास की दिशा में युगांतरकारी निर्णय बताया। इसके अतिरिक्त वाजपेयी जी ने ही जनजातीय हितों की रक्षा और विकास हेतु एक अलग जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती ▶▶|शेष पेज 5 पर

पारम्परिक लोक नृत्यों की प्रस्तुति: जनजातीय गौरव समाज के संभागीय अध्यक्ष तुलूराम कश्यप ने भी संबोधित किया। इस मौके पर जनजातीय लोक नर्तक दलों ने बस्तर की पारम्परिक लोक नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुति दी। साथ ही स्कूली छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सांसद महेश कश्यप, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, महापौर संजय पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन उपस्थित थे।

स्वतंत्रता संग्राम में अभूतपूर्व योगदान

वन मंत्री केदार कश्यप ने जनजातीय समुदाय के पूर्वजों के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और सामाजिक सुधारों से प्रेरणा लेने का आह्वान युवाओं एवं भावी पीढ़ी से किया। उन्होंने कहा कि इन महापुरुषों के आदर्शों पर चलकर जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और सतत संवर्धन को आगे बढ़ाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

आजादी की लड़ाई और जल-जंगल-जमीन की रक्षा

विधायक किरण देव ने बस्तर के क्रांतिकारी जननायक शहीद गुंडाधुर, डेबरीधुर, गेंदसिंह के संघर्षों एवं योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि इन महापुरुषों ने आजादी की लड़ाई और बस्तर के जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए अद्भुत त्याग किया। बस्तर क्षेत्र में जनजातीय समुदाय की एकजुटता और उत्थान के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहे।

मोदी ने कहा- कांग्रेस ने सालों तक आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ा

सूरत में गरजे प्रधानमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डेडियापाड़ा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आदिवासियों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान दिया है, लेकिन कांग्रेस ने कभी उनके योगदान को मान्यता नहीं दी और स्वतंत्रता के बाद पार्टी के 60 साल के शासन के दौरान उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया गया। आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के मौके पर गुजरात में नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं ▶▶|शेष पेज 5 पर

छत्तीसगढ़ समेत कई आदिवासी सीएम का किया जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए ने हमेशा आदिवासी समाज के लोगों ने शीर्ष पदों पर बिठाया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राज्य का कायाकल्प कर रहे हैं। हमारे जनजातीय समाज के ओडिशा के मुख्यमंत्री राज्य का विकास कर रहे हैं। हमने कई राज्यों में आदिवासी मुख्यमंत्री दिए। भाजपा ने कई राज्यों में आदिवासियों को जगह दी। मंगूभाई पटेल एमपी के राज्यपाल हैं। सोनोवाल जहाजरानी मंत्रालय संभाल रहे हैं।

करणी सेना अध्यक्ष के खिलाफ टीआई ने कराई एफआईआर

राज शेखावत ने तोमर के समर्थन में पुलिस को दी थी धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र तोमर के समर्थन में पुलिस को धमकी देने वाले क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष

डॉ. राज शेखावत के खिलाफ मौदहापारा थाने की पुलिस ने शनिवार को एफआईआर दर्ज की है। शेखावत के खिलाफ पुरानी बस्ती थाना के तत्कालीन टीआई योगेश कश्यप ने शिकायत दर्ज कराई है। शेखावत ने सोशल मीडिया में लाइव आकर वीरेंद्र तोमर के खिलाफ कार्रवाई तथा जुलूस निकालने वाले पुलिसकर्मियों के घर में घुसकर बदला लेने की धमकी दी थी। दर्ज एफआईआर में आपराधिक धमकी, लोक सेवक को धमकाने और सम्मान को ठेस पहुंचाने का जिक्र किया गया है। मौदहापारा ▶▶|शेष पेज 5 पर

कोर्ट परिसर में नारेबाजी, कार्रवाई की तैयारी

वीरेंद्र तोमर को पुलिस शुक्रवार को कोर्ट में पेश करने ले जा रही थी, इस दौरान डेढ़ दर्जन के करीब उत्पाती युवक वीरेंद्र तोमर के समर्थन में नारा लगाते हुए कोर्ट रूम तक पहुंच गए। कोर्ट परिसर में पूरे समय निषेधाज्ञा धारा 144 जो वर्तमान में बीएनएस की धारा 163 लागू रहती है। उस जगह नारेबाजी करने वाले लड़कों की पुलिस वीडियो फूटेज के माध्यम से पहचान कर कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

गड़बड़ी करने वालों को नहीं छोड़ेंगे : गृहमंत्री

करणी सेना के सात दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम, प्रदर्शन को लेकर राज्य के डिप्टी सीएम तथा गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा है, कोई भी सामाजिक संस्था अच्छे काम के लिए होती है। किसी अपराधी के पीछे खड़े होने के लिए नहीं। अपराधी, अपराधी है, हर एक अपराधी किसी न किसी संस्था, समाज से होता है। हर अपराधी के पीछे समाज आकर खड़ा हो जाएगा, तो कैसे काम होगा। छत्तीसगढ़ में गड़बड़ी करने वाले को नहीं छोड़ा जाएगा। कठोरता के साथ कार्रवाई की जाएगी।

एफआईआर दर्ज होने के बाद पुनः धमकी

एफआईआर दर्ज होने के बाद राज शेखावत ने अपने सोशल मीडिया एक्स अकाउंट में पुलिस को पुनः धमकी देते हुए लिखा है कि छत्तीसगढ़ पुलिस कान खोलकर सुन ले, अब हमारे एक भी पदाधिकारी या करणी सैनिक पर झूठी एफआईआर की जाती है, तो अंजाम ऐतिहासिक होगा। जबरन वसूली, सूदखोरी तथा आर्म्स एक्ट के आरोप में वीरेंद्र तोमर 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर शुक्रवार को जेल दाखिल किया गया है।

जब्त विस्फोटकों के नमूने लेते समय धमाका

नौगाम थाने में विस्फोट अब तक नौ की गई जान

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर/नई दिल्ली

श्रीनगर के नौगाम पुलिस थाने में आकस्मिक विस्फोट होने से नौ लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य लोग घायल हो गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यह आतंकवादी हमला नहीं था। विस्फोट उस वक्त हुआ, जब टीम 'सफेदपोश' आतंकवादी मॉड्यूल के संबंध में जांच के सिलसिले में हरियाणा के फरीदाबाद से जब्त किए गए विस्फोटकों के एक बड़े और 'अस्थिर' जखीरे से नमूने ले रही थी।

लिए जा रहे थे नमूने

जिन सामग्रियों से नमूना लिया जा रहा था वे पहले बरामद किए गए लगभग 360 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थों, अमोनियम नाइट्रेट, पोटेशियम नाइट्रेट और सल्फर समेत रासायनिक पदार्थों का हिस्सा थीं। शीर्ष अधिकारी ने बताया कि विस्फोटकों को हरियाणा के फरीदाबाद से टाटा 407 पिकअप ट्रक में छोटे-छोटे बैगों में भरकर लाया गया था।

थाने के साथ कई इमारत क्षतिग्रस्त

इस भीषण विस्फोट से पुलिस थाने की इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और आस-पास की इमारतें भी प्रभावित हुईं। शुरुआत में लगातार छोटे-छोटे विस्फोट होने से बचाव अभियान में बाधा आई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नौगाम थाने में हुए विस्फोट की जांच के आदेश दिए। सिन्हा ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा, मैंने आकस्मिक विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए हैं।

राजद की हार के बाद रोहिणी ने छोड़ी राजनीति

लालू की बेटी रोहिणी ने परिवार से तोड़ा नाता

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को मिली करारी हार के एक दिन बाद, पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने की शनिवार को घोषणा की। एमबीबीएस की पढ़ाई कर चुकीं रोहिणी लंबे समय से सिंगापुर में अपने पति के साथ रह रही हैं। उन्होंने राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने की घोषणा 'एक्स' पर एक पोस्ट में की। उन्होंने कहा, मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूं। संजय यादव और रमीज़ ने मुझसे यही करने को कहा था और मैं पूरा दोष अपने ऊपर ले रही हूं। संजय यादव, राजद के राज्यसभा सदस्य हैं और तेजस्वी यादव के सबसे भरोसेमंद ▶▶|शेष पेज 5 पर

हार के बाद बढ़ी जिम्मेदारी और दबाव की लड़ाई

रोहिणी आचार्य ने अपने पोस्ट में राज्यसभा सांसद संजय यादव और रमीज का नाम लेते हुए कहा है कि वो सारा दोष खुद पर ले रही हैं। उनके इस बयान से साफ होता है कि चुनावी हार के बाद पार्टी के भीतर जिम्मेदारी तय करने और आंतरिक दबाव का माहौल है। ये कदम संकेत देता है कि राजद के भीतर नेतृत्व और हार के बाद की रणनीति को लेकर बड़ा टकराव चल रहा है, जिसका नतीजा अब परिवार की फूट के रूप में सामने आया है। ये वही संजय यादव जिन्हें अक्सर तेज प्रताप यादव बिना नाम लिए 'जयचंद' बताते रहते हैं। तेजस्वी के सबसे करीबी मित्रों और सहयोगियों में राज्यसभा सांसद संजय यादव का नाम शुमार है।

विस चुनाव राजद को करारा झटका

बिहार विस चुनाव में कांग्रेस और उसकी सहयोगी राजद को करारा झटका लगा। राजग की प्रचंड जीत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसके दोनों प्रमुख घटक भाजपा और जनता दल यूनाइटेड ने अपनी-अपनी 101 सीटों पर लगभग 85 प्रतिशत का सफलता दर हासिल किया। गठबंधन ने 243 सदस्यीय विधानसभा में "200 पार" करते हुए तीन-चौथाई बहुमत का आंकड़ा हासिल किया, जिसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

बिहार की राजनीतिक यात्रा विशेषकर चुनाव में परिणाम का इतिहास जितना भी उठापटक वाला रहा हो, किंतु जब से जदयू ने भाजपा एवं लोजपा के साथ केंद्रीय राजग के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर पर भी शासन चलाने का गठबंधन साधा है, तब से बिहार में सुशासन के वास्तविक कार्यों का अनुभव आम जनता को अवश्य हुआ है। दो-तीन दशकों से भयंकर एवं अकल्पनीय अराजकता से घिरे संपूर्ण भारत व साथ ही बिहार में लोकतंत्र बुरी तरह ढह गया था। पीछे जाकर अनुभव करें तो बिहार के संदर्भ में लोकतंत्र केवल एक हवाई किला था, जो गत पांच-सात वर्ष से राजग के नेतृत्व में जनसरोकारों की वास्तविकता एवं सुशासन आधारित कार्यों में स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। संभवतः यही कारण रहा है, जो बिहार की चौवालीस प्रतिशत जनता ने कुछ कमियों, दोषों, विवशताओं एवं समस्याओं के बाद भी राजग गठबंधन को शासन चलाने का निर्वाचनीय आदेश दिया है। इसके अलावा भी अनेक कारण रहे जिन्होंने मतदाताओं को राजग के पक्ष में खड़ा किया। इन्हीं कारणों का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

विशाल जनादेश के साथ सत्तारूढ़ राजग

विश्लेषण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

बिहार विधानसभा के लिए हुए सत्रहवें चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में विजयी ध्वजा फहरा कर आगामी पांच वर्षीय कार्यकाल के लिए पुनः सत्तारूढ़ होने जा रहा है। कुल 243 निर्वाचन क्षेत्रों के घोषित परिणामों में भाजपा ने अपने हिस्से के पूरे 89, जदयू ने पूरे 85 और लोजपा ने पूरे 19 क्षेत्रों में विजय प्राप्त कर ली है। राजग के इन तीन प्रमुख घटक राजनीतिक दलों ने कुल 193 क्षेत्रों में जीत प्राप्त कर ली है।

शेष 50 क्षेत्रों में विपक्षी राजनीतिक दल के प्रमुख घटक राजद ने 25, कांग्रेस ने 6, एआईएमआईएम ने 5, एचएएमएस ने 5, रालोमो ने 4, सीपीआई (एमएल, एल) ने 2, आईआईपी, सीपीआई (एम) और बसपा ने एक-एक क्षेत्र पर विजय प्राप्त की है। यदि दलों को प्राप्त मत प्रतिशत पर दृष्टिपात करें तो पहले से सत्तारूढ़ और पुनः विजय प्राप्त कर सत्तारूढ़ होने वाले राजग के प्रमुख दल भाजपा को 20.07, जदयू को 19.26, लोजपा को 4.98 प्रतिशत मत मिले हैं। राजग के इन तीन प्रमुख घटक दलों का कुल मत प्रतिशत 44.31 प्रतिशत है। प्रमुख विपक्षी दल राजद को 23, कांग्रेस को 8.71, एआईएमआईएम को 1.85, सीपीआई (एमएल, एल) को 2.84, बसपा को 1.62 प्रतिशत मत मिले हैं। कुल 1.81 प्रतिशत लोगों ने नोटा का विकल्प चुना था। शेष प्रतिभागी अन्य राजनीतिक दलों को कुल 14 प्रतिशत मत मिले हैं। इस प्रकार विपक्ष को कुल 38 प्रतिशत मत मिले। यदि दलवार ध्यान दें तो सर्वाधिक मत प्रतिशत 23 राजद का रहा। इसके बाद भाजपा 20.07 और फिर जदयू 19.26 क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर हैं।

बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पुनः सत्तारूढ़ होने पर अब इसके प्रमुख घटक दलों भाजपा, जदयू और लोजपा के सामने प्रदेश की जनता के हित में अपने चुनावी संकल्पों, घोषणाओं एवं योजनाओं के अनुसार अनथक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। बिहार की जनता ने भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड तथा लोक जनशक्ति पार्टी की जनसेवा पर केंद्रित राजनीतिक दिशादृष्टि को विशाल जनादेश देकर उस पर विश्वास स्थापित किया है। अब इस विश्वास पर शत-प्रतिशत खरा उतरकर बिहार की विकास यात्रा को क्रांतिकारी ढंग से बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।

राजद का मत प्रतिशत अधिक

यदि राजद का मत प्रतिशत सर्वाधिक है, तो यह इस शंका को बढ़ाता है कि बिहार में अभी भी मतदाता पुनरीक्षण अभियान शत-प्रतिशत संपन्न नहीं हुआ है। अभी भी राज्य में अवैध मतों की राजनीतिक कुक्रीड़ा पूरी तरह बंद नहीं हुई है। केंद्रीय एवं प्रांतीय चुनाव आयोगों को इस ओर ध्यान देना होगा कि जो दल कुल 243 में से केवल 25 निर्वाचन-क्षेत्रों में जीता है, उसका मत प्रतिशत प्रमुख विजयी दल भाजपा एवं जदयू से अधिक कैसे हो गया है। चिंता का विषय यह भी है कि जो मरणासन्न दल एक-दो क्षेत्रों में ही किसी प्रकार चुनाव जीते हैं, उनका मत प्रतिशत पांच या छह क्षेत्रों में चुनाव जीतने वाले दलों से अधिक है। इस चुनावी, निर्वाचनीय एवं लोकतांत्रिक दोष की ओर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

सुशासन आधारित कार्य

बिहार की राजनीतिक यात्रा विशेषकर चुनाव में परिणाम का इतिहास जितना भी उठापटक वाला रहा हो, किंतु जब से जदयू ने भाजपा एवं लोजपा के साथ केंद्रीय राजग के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर पर भी शासन चलाने का गठबंधन साधा है, तब से बिहार में सुशासन के वास्तविक कार्यों का अनुभव आम जनता को अवश्य हुआ है। दो-तीन दशकों से भयंकर एवं अकल्पनीय अराजकता से घिरे संपूर्ण भारत व साथ ही बिहार में लोकतंत्र बुरी तरह ढह गया था। पीछे जाकर अनुभव करें तो बिहार के संदर्भ में लोकतंत्र केवल एक हवाई किला था, जो गत पांच-सात वर्ष से राजग के नेतृत्व में जनसरोकारों की वास्तविकता एवं सुशासन आधारित कार्यों में स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। संभवतः यही कारण रहा है, जो बिहार की चौवालीस प्रतिशत जनता ने कुछ कमियों, दोषों, विवशताओं एवं समस्याओं के बाद भी राजग गठबंधन को शासन चलाने का निर्वाचनीय आदेश दिया है। राजग के पक्ष में खड़े हुए चौवालीस प्रतिशत मतदाताओं में नारीशक्ति अग्रणी है। पुरुष वर्ग अभी भी अनेक व्यक्तिगत किंतुओं-परंतुओं की उलझनों, जातिगत समीकरणों के दोषों तथा राजनीतिक कट्टरताओं के कारण अपने मत व्यर्थ कर रहा है।

नारियों से सीखें पुरुष मतदाता

यदि पुरुष वर्ग भी नारियों की भांति राजनीतिक सतर्कता, सजगता का ध्यान रखे और सुशासन व विकास के दृष्टिकोण के साथ जुड़कर मतदान यज्ञ में सम्मिलित हो, तो निश्चित रूप में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अधिक बड़े जनादेश की राजनीतिक शक्ति प्राप्त हो। इसी कारण से, बिहार ही नहीं, पूरे भारत में मतदाता पुनरीक्षण अभियान को अधिक सक्रियता एवं गहनता से संचालित किए जाने की अति आवश्यकता है। यदि भारतीय मतदाताओं की समुचित सूची बन जाती है तो डंके की चोट पर पारदर्शी एवं त्रुटिहीन मतदान होगा। हजारों की संख्या में पंजीकृत राजनीतिक दल घटकर कुछ सौ अंक तक सीमित हो जाएंगे। ऐसा होने पर चुनाव आयोग पर भी अधिक राजनीतिक दलों की गणना कर उनसे संबंधित आंकड़े एकत्रित करने का भार भी नहीं होगा। बिहार चुनाव जीतने के लिए केंद्र से लेकर बिहार प्रदेश तक राजद की जो भी चुनावी योजनाएं रही हों, वे तो जीत का कारण हैं ही, किंतु मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम ने भी प्रादेशिक चुनाव प्रक्रिया को अपेक्षित मानकों के अनुरूप संपन्न कराने में व्यापक भूमिका निभाई है। न्यायोचित एवं लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव संपन्न होने पर संवेदनशील जनता के मतानुसार शासन की नियुक्ति हुई है। मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम आरंभ होने के बाद बिहार प्रदेश प्रथम था, जहां इस कार्यक्रम की प्रथम चुनावी प्रतिक्रिया सामने आई है, और जो प्रतिक्रिया लोकतंत्र के मानकों के अनुरूप श्रेष्ठ ढंग से प्रकट हुई है।

विश्वास पर खरी उतरे सरकार

वैसे प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल को विधानसभा में विपक्ष के प्रमुख दल के रूप में विराजने योग्य जनादेश तो नहीं मिला है, किंतु अपने मत प्रतिशत को लेकर दल के नेता अतिशयोक्तिपूर्ण वक्तव्य अवश्य देंगे। केंद्र से लेकर बिहार तक शासन का कार्यभार संभालने वाले शासनिक-प्रशासनिक तंत्र को इनके नकारात्मक वक्तव्यों से ध्यान हटाकर तथा इनके संभावित राजनीतिक षड्यंत्रों पर पैनी दृष्टि रखकर केवल और केवल जनादेश के अनुसार चहुंदिश प्रादेशिक विकास कार्यों पर राजनीतिक-प्रशासनिक शक्ति लगानी होगी। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पुनः सत्तारूढ़ होने पर अब इसके प्रमुख घटक दलों भाजपा, जदयू और लोजपा के सामने प्रदेश की जनता के हित में अपने चुनावी संकल्पों, घोषणाओं एवं योजनाओं के अनुसार अनथक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। बिहार की जनता ने भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड तथा लोक जनशक्ति पार्टी की जनसेवा पर केंद्रित राजनीतिक दिशादृष्टि को विशाल जनादेश देकर उस पर विश्वास स्थापित किया है। अब इस विश्वास पर शत-प्रतिशत खरा उतरकर बिहार की विकास यात्रा को क्रांतिकारी ढंग से बढ़ाए जाने की अत्यंत आवश्यकता है।

बिहार में उड़े 'गरदे' के गूढ़ार्थ

सियासत

डॉ. घनश्याम बादल

वरिष्ठ स्तंभकार

इस विधानसभा चुनाव में बिहार ने सारे पूर्वानुमानों को झुठलाते हुए नीतीश कुमार और भाजपा नीत एनडीए को प्रचंड जीत दिलवाते हुए राजनीति का एक नया मिथ रच बड़ा संदेश दिया है। यह संदेश बहुत साफ है कि यदि आप सरकार में रहकर सचमुच जनकल्याण के कार्य आगे बढ़ाते हैं तो फिर गलतियों के बावजूद जनता आपको सर आंखों पर बिठाती है। हालांकि पहले दौर के मतदान के बाद ही सर्वेक्षण एजेंसियों ने राजग की बढ़त की भविष्यवाणी कर दी थी और दूसरे दौर के बंपर मतदान के बाद ज़्यादातर एजेंसियां एनडीए को 130 से 160 सीटें दे रही थी, हालांकि तब सर्वेक्षण एजेंसियों के परिणामों पर उंगलियां भी उठाई जा रही थीं लेकिन वास्तविक परिणाम ने जिस तरह राष्ट्रीय जनता दल और सहयोगी दलों के महागठबंधन का सफाया किया है, वह हैरतअंगेज है। राहुल-तेजस्वी की जोड़ी, एसआईआर और वोट चोरी के साथ-साथ हर घर को नौकरी, माई बहन मान योजना और रैलियों में उमड़ रही भीड़ तथा तेजस्वी एवं राहुल की हुंकार से माहौल भरमा रहा था कि इस बार एनडीए को बहुमत प्राप्त करना आसान नहीं होगा लेकिन बिहारियों के मन को समझना विशेषज्ञों के भी बस से बाहर की बात रही और अंततः एनडीए प्रचंड बहुत के साथ फिर सत्ता में आ गया है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) ने न सिर्फ सत्ता बरकरार रखी, बल्कि प्रचंड बहुमत के साथ राजनीति-मंच पर नये समीकरण भी गढ़े हैं। इस जीत के पीछे कई कारण हैं। रणनीतिक संयोजन, जातिगत एवं क्षेत्रीय समीकरणों को पहचानना व उसका सही इस्तेमाल करना तथा विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों का प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ, नीतीश कुमार और उनके सहयोगियों ने जमकर लाभ उठाया। इसी पृष्ठभूमि में प्रशांत किशोर और राहुल गांधी की रणनीतिक विफलता राजग के लिए सफलता का आधार बनी है। यदि चुनाव से पहले की स्थितियों पर नजर डालें तो पहले से ही एनडीए लीड ले चुका था। उसने प्रत्याशियों की पहले घोषणा की जबकि महागठबंधन के नेता आपस में लड़ते रहे। टकराव तो राजग में भी दिखाई दिया लेकिन सुगठित चुनाव प्रचार, जनता के मन तक पहुंचना, सरकार की उपलब्धियां, शाह-मोदी तथा नीतीश की तिकड़ी के चमत्कार और लालू यादव के जंगल राज की यादों को ताजा करने की कुशल रणनीति ने एनडीए के चमत्कार को नमस्कार करवा दिया। एनडीए इस चुनाव में विकास-विचारधारा को मुद्दा बनाकर, "डबल इंजन सरकार" और सुशासन एजेंडे के साथ मैदान में उतरा था और विपक्ष के एमवाई (मुसलमान + यादव) के मुकाबले अपने एमवाई (महिला+युवा) की प्रस्तुति ने इस गठबंधन को व्यापक समर्थन दिया। इसके विपरीत, महागठबंधन ने जातिगत वोट बैंक विशेष रूप से मुस्लिम-यादव और नौकरियों-मुद्दों पर जोर दिया लेकिन यह रणनीति काम नहीं आई। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने "गाँव-गाँव, मुद्दा-मुद्दा" की पहल की और नौकरियों-माइग्रेशन जैसे विषय उठाये, लेकिन उसका असर सीमित रहा। राहुल गांधी की ओर से "वोट चोरी" व एसआईआर में गड़बड़ी जैसे आरोप लगाए गए, उनकी रेलियों में भीड़ तो उमड़ी लेकिन 'वोट चोर गद्दी छोड़' की अपील जनादेश में बदल नहीं पाई। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा निर्णायक रहे हैं। इस बार एनडीए ने पिछड़ी अति पिछड़ी व अन्य पिछड़ी जातियों, दलितों, ओबीसी-गैर-यादवों के हर वर्ग में सेंध लगाने में सफलता प्राप्त की और हर वर्ग से वोट मिलने की वजह से ही इतना प्रचंड बहुमत मिलना संभव हो पाया। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार अति पिछड़ी एवं पिछड़ी जातियों के करीब 58 % वोट एनडीए को मिले। वहीं, महागठबंधन की अपने परंपरागत मुस्लिम यादव वोट बैंक पर अत्यधिक निर्भरता और अन्य समूहों के जुड़ पाने की विफलता से राजनीतिक रूप से भारी नुकसान हुआ और वह पहले जितनी सीटें भी प्राप्त नहीं कर पाया। महागठबंधन की सफलता में एक बड़ा कारण वहां कांग्रेस का जमीनी संगठन न रहना भी रहा । साथ ही, दो साल तक तेजस्वी का नीतीश कुमार के साथ उपमुख्यमंत्री के रूप में काम करना और फिर सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाना भी भारी पड़ा। मिथिलांचल, मगध, शिवहर-सीमांचल आदि में एनडीए. को संतुलित आधार मिला। विरोधी गठबंधन मुख्य रूप से एक-दो क्षेत्रीय और जातिगत धड़ों तक सीमित रहा, जिससे उनकी व्यापक पहुंच ढीली पड़ गई। इस जीत में नीतीश कुमार का 'सुशासन बाबू' का ब्रांड भी महत्वपूर्ण रहा। उनका दल जनता दल यूनाइटेड 80% जीत दर के साथ इस बार पहले से लगभग दुगानी सीटों पर जीता तो भारतीय जनता पार्टी ने 90% का स्ट्राइक रेट पाया।

रणनीतिक संयोजन, जातिगत एवं क्षेत्रीय समीकरणों को पहचानना व उसका सही इस्तेमाल करना तथा विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों का प्रधानमंत्री मोदी, शाह, योगी, नीतीश ने लाभ उठाया

परिणामों में महागठबंधन को लगा बड़ा झटका

विस चुनाव

सुरेश हिन्दुस्तानी

स्वतंत्र पत्रकार

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए हुई मतगणना के बाद प्रदेश की राजनीतिक तसवीर स्पष्ट दिखाई देने लगी है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की स्पष्ट बहुमत की सरकार बन रही है। इसके निहितार्थ एकदम स्पष्ट हैं कि बिहार के मतदाताओं ने भाजपा के साथ नीतीश को फिर से बिहार के मुख्यमंत्री बनाने पर अपनी मुहर लगा दी है। दूसरी ओर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व में बनाए गए महागठबंधन को बहुत बड़ा झटका लगा है। इसमें सबसे बड़ी बात यह भी है कि कांग्रेस और राजद का गठबंधन अपनी पिछली स्थिति को बरकरार रखने में भी असफल रहा है। पिछले चुनाव में राजद बहुमत की संख्या से कुछ ही दूर रहा, लेकिन इस बार यह संख्या बहुत कम होती दिखाई दे रही है। कांग्रेस का साथ इस बार भी राजद का कुछ भी भला नहीं कर सका, उलटे अपनी राजनीतिक जमीन को संकुचित कर बैठे। कांग्रेस की स्थिति तो इससे भी ज्यादा दयनीय हो चुकी है, वह दहाई की संख्या में आने के लिए भी तरस रही है। इनका वोट चोरी का आरोप भी मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सका। आरोप लगाने मात्र से कोई अपराधी नहीं बन जाता, उसके लिए समय पर प्रमाण भी देना होता है। कांग्रेस द्वारा वोट चोरी का आरोप लगाते हुए यह दावा किया गया कि हरियाणा विधानसभा के चुनाव में ब्राजील की एक मॉडल ने 22 बार वोट डाला। इसके विपरीत मॉडल लारिसा नेरी का कहना था कि वे भारत कभी गई ही नहीं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब वे भारत आई ही नहीं, तब कांग्रेस का यह आरोप केवल एक नैरेटिव स्थापित करने जैसा ही माना गया। राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं पर इस प्रकार का असत्य आरोप लगाना निश्चित ही लोकतंत्र के लिए घातक ही है। कांग्रेस ने अपनी स्थिति स्वयं ही कमजोर की है। क्षेत्रीय दलों के सामने समर्पण करने के बाद भी कांग्रेस अपने को बहुत बड़ा दल मानती है और वैसा ही व्यवहार भी करती है। जबकि राजद ने कांग्रेस को ज्यादा भाव नहीं दिया। राष्ट्रीय जनता दल की हार के पीछे एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि बिहार में फिर से यादव राज की संभावना से मतदाता नाराज हुआ, इसके जानने के बाद भी तेजस्वी ने सहयोगी दलों की आवाज को अनसुना करते हुए विधानसभा के चुनाव में राजद की ओर से 52 प्रत्याशियों को मैदान में उतार दिया। इससे अन्य मतदाता इनकी ओर उतना नहीं आ सका, जितनी उम्मीद की जा रही थी। इसको भाजपा के राजनीतिक हथियार के रूप में उपयोग किया, जो भाजपा के लिए लाभदायक साबित हुआ। बिहार के मतदाताओं ने प्रदेश की जो राजनीतिक तस्वीर बनाई है, वह चुनाव बाद किए गए सर्वेक्षण को सही साबित कर रहे हैं।

कांग्रेस का साथ इस बार भी राजद का कुछ भी भला नहीं कर सका, उलटे अपनी राजनीतिक जमीन को संकुचित कर बैठे।

बिहार का जनादेश लाया बदलाव का नया संदेश

रणनीति

प्रभुनाथ शुक्ल

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार चुनाव की तस्वीर साफ हो चली है। एनडीए गठबंधन एक बार फिर बिहार में स्थिर सरकार देने को तैयार है। जबकि विपक्ष की चुनावी रणनीति पूरी तरह फिसल गई है। विपक्ष ने बिहार में जंगलराज की बात को भले प्रचारित किया, लेकिन जनता ने भाजपा और जनतादल (यू) नीतीश और मोदी की जोड़ी पर भरोसा जताया। बिहार के लोगों ने सुशासन बाबू को दिल से लिया।

एनडीए गठबंधन ने पिछले चुनाव का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जबकि प्रमुख विपक्षी दल आरजेडी और महागठबंधन पूरी तरह पराजित हुआ है। तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाली आरजेडी का प्रदर्शन पिछली बार से भी घटिया रहा है। विपक्ष जहां चुनावी माहौल सिर्फ हवा में बनाता रहा वहीं भाजपा जमीनी स्तर पर उतरकर वहां अपनी स्थिति मजबूत किया है। दूसरी तरफ एनडीए लगातार सत्ता में बनी रही जिसका उसे फायदा मिला है। कांग्रेस जैसे बड़े राष्ट्रीय दल से भी कई गुना अच्छा प्रदर्शन लोजपा चिराग पासवान की पार्टी ने किया है। बिहार का चुनाव राजनीति के लिए साफ संदेश है। बिहार का चुनाव परिणाम किसी राजनीतिक दल की हार और जीत का परिणाम नहीं, बल्कि जनता के जनादेश का परिणाम है। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को इस बात को समझना चाहिए कि सिर्फ हवा में आरोप लगाकर आप सत्ता नहीं हासिल कर सकते हैं। जनता विकास चाहती है, हवाई नारों पर वह विश्वास करने वाली नहीं है। बिहार की जनता ने कम से कम यह साफ संदेश दे दिया है। बिहार का जनादेश, बदलाव की दिशा में नया संदेश है। बिहार की जनता ने एनडीए के सुशासन पर अधिक भरोसा जताया है। बिहार में सच्चाई है कि वहां विकास हुआ है और लोगों को जंगलराज से राहत मिली। विपक्ष के लिए है चिंता और चिंतन का सवाल है। राहुल गांधी को अब जमीनी राजनीति करनी चाहिए। सिर्फ तालियां पिटवाने की राजनीति से उन्हें बाज आना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उन्होंने जितना निजी हमला किया, उसका परिणाम सकारात्मक होने के बजाय नकारात्मक आया। कांग्रेस अपनी जड़ और जमीन दोनों को खो दिया है। कांग्रेस और उसका नेतृत्व कब समझेगा यह विचारणीय बिंदु है। सिर्फ जुमले और नारों से आप जमीन नहीं बदल सकते हैं। जनता जमीन पर बदलाव देखना चाहती है। लालू यादव के कुशासन और जंगल राज की तस्वीर आज उसके जेहन में चस्पा हैं, जिसकी वजह से तेजस्वी यादव को लोगों ने नकार दिया है। दूसरी वजह लालू यादव के पारिवारिक झगड़ों के साथ महागठबंधन में रणनीति की कमी और आंतरिक बिखराव इसका सबसे बड़ा कारण है। बिहार में नीतीश और मोदी की जोड़ी ने सिर्फ नारे नहीं लगाए, जमीन पर काम भी किया। इससे बिहार की जनता को सीधा फायदा मिला है, राजनीतिक दलों के लिए बिहार चुनाव बड़ा संदेश है। इन परिणामों ने यह साबित किया कि है यहां की राजनीति अब सिर्फ जात-पात और संप्रदाय तक सीमित नहीं रही, बल्कि विकास, पर आधारित है। महिला मतदाता ने निर्णायक भूमिका निभाई है। दो चरणों में मतदान हुआ जिसमें दूसरे चरण में 69 फीसदी तक मतदाताओं की हिस्सेदारी इस बात का संकेत है कि बिहार की जनता सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी देना चाहती है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछली बार की तुलना में समाज के उन वर्गों ने मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा बढ़ाया है जिनके मतों पर दल लंबे समय से निर्भर थे। इस बढ़ी भागीदारी का मतलब साफ है, नेताओं को अब जवाबदेही भी ढंग से दिखानी होगी। एनडीए ने न सिर्फ बहुमत पार किया, बल्कि बहुत मामलों में महागठबंधन को पीछे छोड़ा। इस बढ़त के पीछे कई कारक हैं। नीतीश कुमार की महिला मतदाता और अत्यंत पिछड़ा वर्ग फॉर्मूला माना जा रहा है जिनमें एनडीए ने अच्छी पकड़ बनाई है। मुस्लिम बहुल सीटों में एनडीए को पारंपरिक अनुमान से बेहतर नतीजे मिले, खासतौर पर जब बहुत लोग मान रहे थे कि यह हिस्से विरोधी गुट का सहज आधार होंगे। एनडीए ने जनता के बीच जाकर अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाई जबकि विपक्ष के पास ऐसा कुछ नहीं था।

राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को इस बात को समझना चाहिए कि सिर्फ हवा में आरोप लगाकर आप सत्ता नहीं हासिल कर सकते हैं।

चुनाव परिणामों में भावनाओं पर नीति की जीत

जनादेश

अजीत लाड़

स्वतंत्र पत्रकार

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का जनादेश भारतीय राजनीति की गहरी हलचलों को उजागर करता है। यह नतीजा मात्र सत्ता परिवर्तन का गणित नहीं; यह मतदाता की विकसित समझ, सामाजिक-आर्थिक आकांक्षाओं और राजनीतिक नेतृत्व के प्रति विश्वास का विस्तृत परीक्षण भी है। कांग्रेस, आरजेडी और अन्य विपक्षी दल जिस "एकता" को ऐतिहासिक पलटवार के रूप में प्रस्तुत कर रहे थे, वह मतदाता की कसौटी पर टिक ही नहीं पाया। यह पराजय किसी आकस्मिक घटना का परिणाम नहीं, बल्कि कई वर्षों से संचित संगठनात्मक कमियों, भूथर रणनीतियों और अधूरे नेतृत्व का प्रतिफल है। चुनावी अभियान की शुरुआत में महागठबंधन ने परिवर्तन की तेज़ हवा का दावा किया।

राजनीतिक नारों, आक्रामक विज्ञापनों और डिजिटल प्रचार की चमकदार प्रस्तुतियों से जनता का मन जीतने का प्रयास हुआ। फिर भी मतदाता की वास्तविक अपेक्षाएं सतही उत्तेजनाओं से आगे बढ़ चुकी थीं। बिहार का युवा अब अवसर चाहता है, महिलाएं आर्थिक स्वतंत्रता का मार्ग खोज रही हैं, और ग्रामीण मतदाता ऐसी सरकार को प्राथमिकता देता है जो रोज़मर्रा की समस्याओं को हल करने की क्षमता दिखा सके। महागठबंधन इन व्यापक अपेक्षाओं को समझ ही नहीं पाया। उसके दावों में भावनाएं तो प्रबल थीं, पर भविष्य के लिए ठोस संरचना का अभाव रहा। नेतृत्व भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आया। तेजस्वी यादव को युवा राजनीति का प्रतीक बताने की कोशिश हुई, फिर भी बिहार जैसे जटिल राजनीतिक भूगोल वाले राज्य में अनुभव, प्रशासनिक दृष्टि और कठोर निर्णय क्षमता की आवश्यकता होती है। जनता वही नेतृत्व चुनती है जिसके पास दिशा हो, स्पष्टता हो और दीर्घकालिक सोचना आता हो। कांग्रेस की स्थिति इससे भी अधिक विस्मयकारी रही, न संगठन में सक्रियता, न स्थानीय स्तर पर उपस्थिति, न ही कोई ऐसा चेहरा जो मतदाता में भरोसा पैदा कर सके।

इस शून्य ने महागठबंधन को एकजुट मोर्चे के रूप में कम और विखंडित समूह के रूप में अधिक प्रस्तुत किया। भाजपा ने इस चुनाव में जिस सबसे महत्वपूर्ण तत्व पर ध्यान केंद्रित किया, वह था समावेशी विकास का भरोसा। "सबका साथ–सबका विकास" केवल नारा नहीं रहा; यह उन योजनाओं का आधार बना, जिन्होंने समाज के अलग-अलग वर्गों को प्रत्यक्ष लाभ दिया। विशेष रूप से महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास बिहार में परिवर्तन की धुरी बन गया। स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण उद्यमिता, शिक्षा में सुधार, सुरक्षा की विश्वसनीयता और घर की चारदीवारी से बाहर आर्थिक सहभागिता, इन सभी ने महिलाओं को पहली बार यह अनुभव कराया कि राजनीति उनके जीवन को वास्तविक रूप से बदल सकती है। भाजपा ने इस परिवर्तन को समझकर अपनी रणनीति तय की।

महागठबंधन इस उभरती शक्ति को केवल भावनात्मकता के सहारे प्रभावित करने की कोशिश करता रहा, जबकि मतदाता ठोस परिणामों की तुलना करता चला गया। बिहार में लंबे समय तक जाति समीकरण चुनावी भविष्यवाणी का सरल सूत्र माने जाते थे। इस चुनाव ने उस पुराने ढांचे को पूरी तरह अप्रासंगिक साबित किया। मतदाता अब केवल पहचान के आधार पर मतदान नहीं करता; वह विकास के अवसरों, सरकारी सेवाओं की उपलब्धता और स्थिर प्रशासन को प्राथमिकता देता है। भाजपा की नीतियों और कार्यशैली ने यह विश्वास जगाया कि राज्य के विकास का पहिया तेज़ गति से घूम सकता है। सड़क, बिजली, गैस, सिंचाई, उद्यमिता और शिक्षा के क्षेत्र में जो विस्तार हुआ, उसने मतदाता के मन में यह धारणा स्थापित की कि विकास की निरंतरता उसी राजनीतिक इकाई से संभव है जिसने इन आधारभूत संरचनाओं को मजबूत किया। विपक्ष की सबसे बड़ी भूल यह रही कि उसने सोशल मीडिया की चमक को वास्तविक जनभावनाओं का प्रतिनिधि मान लिया। डिजिटल अभियानों में ऊर्जा भले ही दिखी, पर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बूथ स्तर पर उनकी उपस्थिति कमजोर रही। चुनाव प्रचार में रीलें और ट्रेंड उत्साह पैदा करते हैं, परंतु मतदान का निर्णय तभी बनता है जब मतदाता को यह भरोसा हो कि उसका जीवन सुरक्षित, स्थिर और प्रगतिशील दिशा में आगे बढ़ रहा है। महागठबंधन इस भरोसे की नींव तैयार करने में असफल रहा। इस चुनाव के पीछे जो वास्तविक मनोदशा रही, वह एक वाक्य में स्पष्ट होती है। जनता विरोध नहीं, विकल्प चाहती है। ऐसा विकल्प जो केवल व्यवस्था की आलोचना न करे, बल्कि बेहतर व्यवस्था का भरोसेमंद मार्ग प्रस्तुत करे। एनडीए यह विश्वास दिलाने में सफल रहा कि शासन क्षमता, नीति की दृढ़ता और समाज के हर वर्ग से जुड़ने की शक्ति उसके पास है। विपक्ष केवल सरकार-विरोध का मंच बनकर रह गया, उसकी अपनी कोई ऐसी योजना सामने नहीं आई जो मतदाता को प्रेरित कर सके। बिहार का यह जनादेश पूरे देश के लिए एक संकेत देता है। मतदाता अब भावनात्मक राजनीति के युग से आगे निकल चुका है। राष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में उभरती नई सामाजिक चेतना विकास, आत्मनिर्भरता और स्थिर शासन को प्राथमिकता देती है।

मतदाता अब भावनात्मक राजनीति के युग से आगे निकल चुका है। राष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में उभरती नई सामाजिक चेतना विकास, आत्मनिर्भरता और स्थिर शासन को प्राथमिकता देती है।

'आई एम कलाम' ने भारत और विदेशों में 20 से भी ज्यादा जीते पुरस्कार

बच्चों पर बनीं इन फिल्मों ने जीते राष्ट्रीय पुरस्कार, एक पर सलमान ने लगाया था दांव

मुंबई। बाल दिवस के मौके पर बच्चों की दुनिया, उनकी मासूमियत और सपनों को खूबसूरती से दिखाने वाली कई हिंदी फिल्मों की याद ताजा हो जाती है। ऐसी कई फिल्मों ने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता, बल्कि अपनी भावनात्मक कहानियों और मजबूत संदेशों के लिए बड़े-बड़े पुरस्कार भी जीते। आइए जानें उन फिल्मों के बारे में, जिन्होंने बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी अपना मुरीद बना लिया, वहीं इनमें काम करने वाले छोटे उस्ताद भी पर्दे पर छा गए।

'चिल्लर पार्टी'

साल 2011 में आई 'चिल्लर पार्टी' ने कम बजट में भी बड़ा कमाल कर दिखाया था। करीब 60 लाख रुपये में बनी इस फिल्म ने 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर सबको चौंका दिया। इस फिल्म ने अपनी दमदार कहानी और शानदार अभिनय के दम पर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी जीता। विकास बहल और नितेश तिवारी इसके निर्देशक तो सलमान खान निर्माता थे। नेटफ्लिक्स पर मौजूद इस फिल्म में इरफान खान और स्वरा भास्कर समेत कई कलाकार थे।

'आई एम कलाम'

उधर अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद फिल्म 'आई एम कलाम' ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन किया। ये कहानी है एक गरीब बच्चे 'छोटू' की, जो पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम से प्रेरित होकर अपनी जिंदगी बदलने का सपना देखता है। इसकी कहानी और हर्ष मायर के दमदार अभिनय ने इसे बेहद खास बना दिया। इसकी असली उपलब्धि रही पुरस्कारों की लंबी सूची। इस फिल्म ने भारत और विदेशों में 20 से भी ज्यादा पुरस्कार जीते।

'तारे जमीन पर'

बच्चे जब एक्टिंग के अपने सफर पर निकलते हैं तो फिल्म इंडस्ट्री के समंदर से कई शानदार फिल्में मोती के रूप में निकलती हैं। बच्चों पर ऐसी कई बेहतरीन फिल्में बन चुकी हैं। इस सूची में 'तारे जमीन पर' का नाम भी शामिल है। आमिर खान इस फिल्म के निर्माता-निर्देशक थे। ये फिल्म डिस्लेक्सिया से जूझ रहे एक 8 साल के बच्चे की कहानी बयां करती है। राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी इस फिल्म को आप यूट्यूब पर देख सकते हैं।

'इकबाल' और 'धनक'

'इकबाल' की कहानी एक ऐसे लड़के की है, जो सुन और बोल नहीं सकता, लेकिन उसके अंदर भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलने का बड़ा सपना है। फिल्म में श्रेयस तलपड़े ने मुख्य भूमिका निभाई थी। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुकी 'इकबाल' को आप जी 5 और यूट्यूब पर देख सकते हैं। उधर फिल्म 'धनक' में 2 भाई-बहनों के रिश्ते को खूबसूरती से दिखाया गया है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुकी 'धनक' नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम वीडियो पर है।

3 इडियट्स वाले मिमी दिखे पत्नी के साथ...

नई दिल्ली। आमिर खान की फिल्म '3 इडियट्स' भला किसने नहीं देखी होगी! 2009 में रिलीज इस फिल्म की कहानी ही नहीं, बल्कि किरदार भी लोगों को बहुत पसंद आए थे। यही वजह है कि फिल्म सुपर-डुपर हिट साबित हुई थी। फिल्म में एक किरदार 'मिलीमीटर' का था, जिसे अभिनेता राहुल कुमार ने निभाया था। सोशल मीडिया पर राहुल का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्हें तुर्की की पत्नी के साथ देखा जा सकता है। वीडियो में उन्हें पहचानना मुश्किल है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में अभिनेता राहुल को अपनी तुर्की पत्नी के साथ दिल्ली में देखा गया। वहां मौजूद एक फोटोग्राफर ने दोनों की तस्वीर ली। नाम पूछे जाने पर अभिनेता बोले, मैं राहुल हूं, वह मेरी पत्नी केंजिबान दोगान हैं, और वह तुर्की से हैं।

माधवन की फिल्मों को देखने का करेगा मन

मुंबई। आर माधवन जब भी पर्दे पर आते हैं तो अपने अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। किरदार जैसा भी हो, अभिनेता उसमें इस कदर उतरते हैं कि आप उनसे नजरें नहीं हटा सकेंगे। फिलहाल माधवन फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह अजय देवगन के ससुर बने हैं। उनका यह किरदार बेहद दिलचस्प है। खैर हम आपको माधवन की ऐसी ही दमदार फिल्में बताएंगे, जिन्हें आप ओटीटी पर देख सकते हैं। माधवन ने बॉलीवुड में फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' के साथ डेब्यू किया था। अभिनेता का जुनूनी किरदार इस फिल्म में देखने को मिलता है। कहानी ऐसी है, जो आपके दिल में बस जाएगी। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है। फिल्म 'आप जैसा कोई' इसी साल जुलाई, 2025 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

भूत पुलिस 2 से कटा सैफ व अर्जुन का पत्ता

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और अर्जुन कपूर की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत पुलिस' 2021 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस और यामी गौतम भी अहम किरदार में थीं। दर्शकों ने फिल्म को ठीक-ठाक प्रतिक्रिया दी थी। खबर है कि निर्माता इस फिल्म की दूसरी किस्त लाने की तैयारी कर रहे हैं, जिसने लोगों का उत्साह बढ़ा दिया है। हालांकि, दिलचस्प बात ये है कि दूसरी किस्त से पुराने चेहरों को बाहर कर दिया गया है। बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि निर्माता 'भूत पुलिस' की दूसरी किस्त पर चुपचाप काम कर रहे हैं। फिल्म की कहानी लिखी जा रही है, साथ ही नई कास्टिंग की प्रक्रिया चल रही है।

'वेलकम टू द जंगल' में येदा अन्ना के किरदार में लौटेंगे

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम' को दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला था। 2015 में जॉन अब्राहम 'वेलकम बैक' के साथ आए। यह फिल्म भी ठीक-ठाक साबित हुई। अब फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त 'वेलकम टू द जंगल' की बारी है, जिसका इंतजार लंबे समय से किया जा रहा है। फिल्म के निर्देशक अहमद खान ने हालिया बातचीत में तीसरी किस्त के बारे में बात की है। यही नहीं उन्होंने फिल्म में सुनील शेट्टी के किरदार पर दिलचस्प खुलासा किया।

पुराने किरदार में वापसी करेंगे सुनील : पिंकविला के साथ बातचीत में अहमद ने 'वेलकम टू द जंगल' से सुनील के किरदार पर बात की और बताया कि वो 'येदा अन्ना' के

रूप में वापसी करेंगे। जिन लोगों को नहीं पता उन्हें बता दें कि फिल्म 'आवारा पागल दीवाना' में अभिनेता ने इस किरदार को निभाया था।उन्होंने कहा, सुनील, 'आवारा पागल दीवाना' से लिया गया येदा अन्ना का किरदार निभा रहे हैं, इसलिए वो थोड़े अलग अंदाज में येदा अन्ना का किरदार निभा रहे हैं।

तीन बड़े गानों में दिखेंगे सुनील: अहमद ने बताया कि येदा अन्ना के रूप में सुनील की अक्षय और अरशद वारसी के साथ दिलचस्प नोंक-झोंक है, जो रोमांच और मस्ती बढ़ाएगी। उनके मुताबिक इन तीनों के साथ मिलकर फिल्म का मजा भी बढ़ जाता है। उन्होंने आगे कहा, सुनील के पास 3 गाने हैं। मैंने उन्हें उनके जवानी के दिनों में नचाया था। अब मैं उन्हें फिर से नचा रहा हूं और यही उनकी सबसे अच्छी बात है। वह बूढ़े होने से इनकार करते हैं।

'बिग बॉस 19' से निकलते ही बसीर अली के हाथ लगा नया प्रोजेक्ट

मुंबई। एकता कपूर के शो 'कुंडली भाग्य' से अभिनय की शुरुआत करने वाली बसीर अली के हाथ नया प्रोजेक्ट लगा है। इस खबर ने उनके प्रशंसकों का उत्साह सांतवें आसमान पर पहुंचा दिया है। दिलचस्प बात यह है कि इस आगामी प्रोजेक्ट में उनके साथ मशहूर टीवी अभिनेत्री ईशा मालवीय नजर आएंगी, जो 'बिग बॉस 17' का हिस्सा भी रह चुकी हैं। बसीर जब से 'बिग बॉस 19' से बाहर आए हैं, उनके प्रशंसकों को उनके नए प्रोजेक्ट का इंतजार था। रिपोर्ट के मुताबिक, बसीर और ईशा को कथित तौर पर एक म्यूजिक वीडियो के लिए साथ लाया गया है।

'अखंड 2' में नंदमुरी बालकृष्ण का अवतार चौंका देगा

मुंबई। तेलुगू सिनेमा के अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म 'अखंड 2' काफी समय से चर्चा में है। फिल्म की पहली किस्त 'अखंड' को लोगों ने खूब पसंद किया था। अब नजरें दूसरी किस्त पर हैं। लोगों के उत्साह को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने 'अखंड 2' का पहला गाना 'द थांडवम' जारी कर दिया है। अभिनेता नंदमुरी पर फिल्माए 'द थांडवम' के बोल शंकर महादेवन ने लिखे हैं। इसे आवाज कैलाश खेर और कल्याण चक्रवर्ती ने दी है। शक्ति और विनाश से भरपूर 'द थांडवम' में नंदमुरी, भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आए हैं। उनका अवतार रोंगटे खड़े कर देने वाला है। इसे जारी करते हुए निर्माताओं ने लिखा, 'एक दिव्य गर्जना जो परम शक्ति को जागृत करती है #अखंड2 का #दथांडवमगीत अभी रिलीज हुआ है। बता दें कि फिल्म 'अखंड 2' अगले महीने 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

'बिग बॉस 19': बेघर होने पर भड़के मृदुल इस प्रतियोगी को बताया शो का विजेता

मुंबई। सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के फिनाले में सिर्फ 3 हफ्ते बचे हैं। अभिषेक बजाज के बाद मृदुल तिवारी को बीच हफ्ते शो से बाहर का रास्ता दिखाया गया। इस चौंकाने वाले कदम से न सिर्फ उनके चाहने वाले, बल्कि खुद मृदुल भी भड़क गए हैं। हालिया बातचीत में यूट्यूबर ने निर्माताओं के अनुचित फैसले पर सवाल उठाया, और प्रशंसकों के समर्थन को याद किया। इसके अलावा उन्होंने बताया कि वह किसे विजेता बनते देखना चाहेंगे। मृदुल ने निष्कासन को बताया मजाक : बातचीत में मृदुल ने कहा, ये एक मजाक जैसा लगा।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

वर्ष 2025-26 के लिए

एससी छात्रों हेतु मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना
के अंतर्गत उच्चतर शैक्षिक अध्ययन हेतु

अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने की घोषणा करता है।

पात्रता	कार्य क्षेत्र	छात्रवृत्ति
☑ माता-पिता/ अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख रूपए से अधिक नहीं होनी चाहिए ☑ मान्यता प्राप्त संस्थानों / विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों / विद्यालयों में पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्र	☑ कक्षा 11 एवं उसके बाद वाले सभी मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम ☑ लाभार्थियों का चयन राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाएगा ☑ सबसे गरीब परिवारों के आवेदको को प्राथमिकता	☑ पूर्ण अप्रतिदेय शुल्क (ट्यूशन शुल्क सहित) ☑ प्रतिवर्ष 2500/- रूपए से लेकर 13500/- रूपए का अकादमिक भत्ता ☑ दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10% अतिरिक्त भत्ता

☑ छात्र के पास वैध मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर (यूआईडी), आधार से जुड़ा बैंक खाता, आय प्रमाण-पत्र, पिछले वर्ष की मार्कशीट तथा जाति प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

☑ योजना के दिशा-निर्देश तथा विस्तृत पात्रता मानदंड नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध हैं।
https://socialjustice.gov.in/schemes /25

योजना के दिशा-निर्देशों के लिए QR कोड स्कैन करें

CBC 38101/11/0034/2526

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 16 नवंबर 2025

विशेष: अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 19 नवंबर

पुरुषों को परिवार का पालक, कमाने वाला और हर दबाव सहन कर लेने वाला लौह मनुष्य समझा जाता है। सदियों से चली आ रही यह मान्यता आज भी बरकरार है। इस वजह से वे अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का सामना करने को विवश हैं। ऐसे में जरूरत है कि न केवल समाज बल्कि स्वयं पुरुष भी इन दबावों से मुक्त होने का प्रयास करें।

दबावों-अपेक्षाओं-चुनौतियों से
विवश दुनिया भर के पुरुष

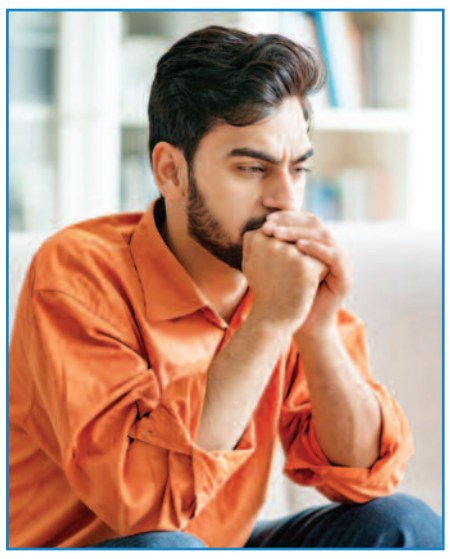

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग 4.14 अरब पुरुषों की आबादी है, जो विश्व आबादी की लगभग 50.27 फीसदी है। दुनिया के हर समाज में चाहे वो अफ्रीकन कबीलाई समाज हो, चाहे यूरोप का आधुनिक समाज हो, चाहे भारत और चीन जैसे पारंपरिक सभ्यताओं वाला समाज हो या अमेरिका का अत्याधुनिक बाजारू वर्चस्व वाला समाज हो। सभी समाजों में पुरुषों की मजबूती का मिथ सदियों से व्याप्त है। इस कारण आज के इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुष वर्ग अनेक मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। दरअसल, दुनिया के हर समाज में चाहे पूरब हो या पश्चिम, पुरुषों को लेकर यह मिथ बहुत गहरे तक मौजूद है कि वे मजबूती, भावनात्मक निरपेक्षता के धनी होते हैं यानी पुरुष होने का मतलब हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी भावनाओं पर पूरा नियंत्रण रखने वाला होता है। सच्चाई यह है कि इस मान्यता की वजह से पुरुष अनेक दबावों और परेशानियों के साथ जीने के लिए मजबूर होते जा रहे हैं।

बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं

पुरुष हर हाल में मजबूत बने रहते हैं, कभी भावनाओं में नहीं बहते। इस मिथ पर खरे उतरने के लिए दुनिया के 70 फीसदी से ज्यादा पुरुष अपनी समस्याएं, खासकर शारीरिक समस्याएं किसी और को बताते ही नहीं हैं। इस वजह से उनमें शारीरिक समस्याएं बढ़ती हैं। दुनिया भर के स्वास्थ्य आंकड़े बताते हैं कि अपने स्वास्थ्य के चेकअप को लेकर पुरुष बेहद लापरवाह होते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा हार्ट अटैक पुरुषों को होता है और माना जाता है कि करीब 50 फीसदी पुरुषों को पहले से पता होता है कि वो इसकी चपेट में हैं, लेकिन इसका जिक्र कभी नहीं करते। वास्तव में इन मिथों ने पुरुषों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को आज तक के इतिहास में सबसे खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। आज भी ज्यादातर पुरुष स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण चेकअप कराने से कन्नी काट जाते हैं। यही कारण है कि पुरुषों की ज्यादातर गंभीर बीमारियां समय रहते पकड़ में नहीं आतीं और यह आंकड़ा तो दुनिया में हर कोई जानता है कि हर देश में पुरुष महिलाओं के मुकाबले कम से कम 7-8 साल कम जीते हैं।

नहीं करते भावनाएं अभिव्यक्त

हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुषों से वैसी ही भावनात्मक उम्मीदें की जाती हैं, जैसे मध्ययुग में की जाती थीं कि वे अपनी परेशानियों का रोना नहीं रोएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया के करीब 60 फीसदी से ज्यादा पुरुष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध विच्छेद का दंश झेलते हैं। क्योंकि वे अपनी भावनाओं और निर्भरताओं का सामाजिक रूप से प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में फंस जाने के बाद न केवल वे अपने दोस्त खो देते हैं बल्कि पारिवारिक अलगाव की सजा भी पुरुषों को ही मिलती है।

नहीं दिखना चाहते इमोशनली वीक

आज जब एआई, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भरमार है, तब भी यह देखना चिंताजनक है कि ज्यादातर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अकसर छिपे रहते हैं। उदाहरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों द्वारा किए गए आत्महत्या के प्रयास, महिलाओं की तुलना में बहुत ज्यादा होते हैं। मगर हैरानी की बात यह है कि करीब 40 फीसदी आत्महत्या करने वाले या आत्महत्या की कोशिश करने वाले पुरुष इस बात का बिना खुलासा किए यह कदम उठा लेते हैं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? दरअसल, पुरुषों की यह समस्या है कि वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते, प्राचीन काल से आज तक यह स्थिति जैसे की तैसे ही बनी हुई हैं। आज भी पुरुषों को उसी नजरिए से देखा जाता है, उनसे वही अपेक्षा की जाती है। विडंबना यह है कि हर पुरुष खुद को भी उसी मिथक की नजर से देखता है। इसीलिए दुनिया का हर पुरुष भावनात्मक रूप से कमजोर होने के बाद भी इस बात से डरता है कि उसे दूसरा कोई कमजोर न समझे।

कम नहीं वर्क-इकोनॉमिकल प्रेशर

इस डिजिटल युग में समस्या सिर्फ भावनात्मक नहीं है। इस दौर की एक बड़ी समस्या यह भी है कि काम-काज की डिजिटल संस्कृति ने पुरुषों का लाइफ बैलेंस बिल्कुल बिगाड़कर रख दिया है। पिछली एक सदी से बराबरी के नारों के बीच भी दुनिया के हर समाज में आज भी पुरुषों से उम्मीद यही की जाती है कि घर में कमाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। सोशल मीडिया द्वारा भले पुरुषों की अनेक काल्पनिक छवियां प्रस्तुत की जाती हों, लेकिन विश्व के श्रम पर नजर रखने वाले संगठन बताते हैं कि अभी भी जीडीपी ओ रि एं टे ड तकरीबन 70 फीसदी काम दुनिया के पुरुष ही करते हैं और आज जबकि ज्यादातर मामलों में मशीन पुरुषों से बेहतर है, अब भी पुरुष इस दबाव में जीते हैं कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं या नहीं। कहीं मैं दूसरे से पीछे तो नहीं रह जाऊंगा। इस वजह से वे ओवर वर्कप्रेशर में रहते हैं।

समाज-स्वयं पुरुष बदलें नजरिया

विश्व पुरुष दिवस के अवसर पर जरूरत है कि पुरुषों की स्वास्थ्य जागरूकता और विशेषकर उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर खुलकर बोलने और स्वीकार करने का माहौल बने। पुरुषों को बदलती तकनीकी और सामाजिक जीवन में नई वास्तविकताओं को स्वीकार करना चाहिए। इस बात की भी जरूरत है कि पुरुषों को ज्यादा से ज्यादा संवाद मंच और मानसिक स्वास्थ्य चेकअप प्लेटफॉर्म पर लाया जाए। उन्हें परिवार का साथ और संबल मिले। पुरुष स्वयं को आयरन मैन न समझें। अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। तभी वे स्वस्थ-खुशहाल जीवन जी पाएंगे। *

भारतीय पुरुषों की चुनौतियां

इस एआई और ग्लोबलाइजेशन के दौर में भारत में पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा महिलाओं के मुकाबले करीब 08 साल कम है। सिर्फ उम्र के मामले में ही नहीं, पैदा होने के बाद सर्वाइव करने के मामले में भी पुरुष महिलाओं से पीछे हैं तथा हर साल बीमारियों से मरने वाले में पुरुषों और महिलाओं में 12 से 14 फीसदी का फर्क है। 2021 के रिपोर्ट में दर्ज नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक देश में 72.5 फीसदी आत्महत्याएं पुरुषों द्वारा की जाती हैं। 40 फीसदी पुरुष इस दौर में भी अपनी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को परिवार से छिपाते हैं और 2017 के एक आंकड़े के मुताबिक अलग-अलग रेंडम स्वास्थ्य पड़ताल में पाया गया था कि करीब 1.97 करोड़ पुरुष किसी न किसी तरह की मानसिक समस्या से ग्रस्त थे।

सवाल है आखिर इस खुलेपन के दौर में भी पुरुष खुद को लेकर इस तरह के बंद के शिकार क्यों हैं? तो विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में पुरुषों पर आज भी वो पारंपरिक अपेक्षाएं बनी हुई हैं जो कृषि युग से उन पर रही हैं। मसलन आज भी पुरुष को परिवार का पालक, कमाने वाला और दबाव सहन कर लेने वाला लौह पुरुष समझा जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस डिजिटल मीडिया और प्रतिस्पर्धा के युग में पुरुष उपेक्षा का शिकार हो गए हैं और इस दौर में उनकी मानसिक असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण रोजगार पर लटकती एआई की तलवार है।

नई सदी के पहले दशक यानी 2010 के बाद जन्मी पीढ़ी (जनरेशन अल्फा), बेशुमार तकनीकी सुविधाओं, कई चुनौतियों और अनेक दुविधाओं के साथ बड़ी हो रही है। ऐसे में उनका सहज, सही दिशा में विकास हो इसके लिए उन्हें थामने, संभालने और संबल देने की भी जरूरत है।

जनरेशन अल्फा मन-जीवन को थामने-संबल देने की दरकार

{ लाइफस्टाइल / डॉ. मोनिका शर्मा }

समय बदलने के साथ पीढ़ियां बदलती हैं और पीढ़ियों के साथ जमाने के रंग भी बदल जाते हैं। हर नई जनरेशन, पुरानी जनरेशन की तुलना में नए रंग-ढंग को जीती ही है। समय के साथ बच्चों की जीवनशैली से जुड़ा हर बदलाव सहज स्वीकार्य नहीं होता। इसे समझना और एक संतुलन साधना जरूरी है। हाल के वर्षों में अल्फा जनरेशन की जीवनशैली से जुड़े बदलाव बेहद विचारणीय हो चले हैं। तकनीक की दस्तक ने परिवर्तन की गति ना सिर्फ कई गुना बढ़ा दी है बल्कि बहुत से नए पहलू भी जोड़ दिए है। ऐसे में जनरेशन अल्फा को संभालने के लिए पैरेंट्स को सजग रहने की जरूरत है।

क्या है जनरेशन अल्फा: वर्ष 2010 से 2024 के बीच जन्मी पीढ़ी को जनरेशन अल्फा कहा जाता है। डिजिटल संसार में आंखें खोलने वाली यह पीढ़ी जनरेशन जेड की अगली पीढ़ी है। गौरतलब है कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जनरेशन जेड कहा जाता है। अल्फा पीढ़ी, ग्लोबल माइंडेड और आजाद खयाल है। साथ ही जेन अल्फा की सीखने-समझने की क्षमता और अंदाज दोनों ही अलग हैं। इस पीढ़ी को जन्म के समय से ही तकनीक ने घेरा हुआ है। डिजिटल दुनिया में कुशल नेविगेटर कही जाने वाली यह पीढ़ी, जागरूक और इनोवेटिव विचारों की धनी भी है। अपने अधिकारों को लेकर सजग है। अच्छी एडॉप्टिबिलिटी रखती है।

तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरी: जनरेशन अल्फा को एक डिजिटल नेटिव माना जाता है। जन्म से ही कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट और दूसरे डिजिटल डिवाइसेस इनके जीवन का हिस्सा रहे हैं। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में बड़ी हो रही अल्फा जनरेशन के मन और जीवन को थामने के लिए टेक्निकल गैजेट्स के सीधे इस्तेमाल की सीख देना आवश्यक है। लंबा समय स्क्रीन के सामने बिता रही अल्फा जनरेशन को डील करने के लिए पैरेंट्स इन्हें सामाजिक जीवन से जोड़ें। डिजिटल दुनिया में रील्स, पोस्ट्स, मीम्स देखते रहने वाली अल्फा पीढ़ी को अपने असली रिश्तों-नातों से मिलवाएं। पर्व-त्योहारों पर परंपरागत जीवन का पाठ पढ़ाएं। तकनीक को सहूलियत के बजाय लत न बनने दें। क्लिक भर में हर काम हो जाने के आदी न होने दें। खुद अपने काम करने दें। चिंतनीय है कि तकनीकी जाल में उलझे ये बच्चे, कई मोर्चों पर दिशाहीनता का शिकार भी हो जाते हैं। यही वजह है कि इस हाइटेक पीढ़ी को डील करने के लिए कुछ मामलों में असीम धैर्य की भी दरकार है, तो कई बातों को लेकर स्पष्ट गाइडलाइंस बनाना भी जरूरी हैं। बड़ों का साथ और स्नेह, जेन अल्फा को भी सहज जीवन से जोड़े रखेगा।

नियमित संवाद जरूरी: चैट-जीपीटी से सलाह लेने वाली इस जनरेशन से हर समस्या को लेकर नियमित संवाद किया जाना चाहिए। साथ ही इन बच्चों को सेल्फ कंट्रोल सिखाना भी बहुत जरूरी है। अनुशासित जीवनशैली न केवल स्मार्ट स्क्रीन से दूर रखेगी बल्कि जीवन को वास्तविक धरातल पर जीना भी सिखाएगी। इन बच्चों को स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल से पूरी तरह दूर नहीं रखा जा सकता। मानसिक रूप से मजबूत और सजग पीढ़ी पर किसी भी तरह का दबाव डालने के बजाय हर मामले में कोई बेहतर ऑप्शन सुझाएं। रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें। इंडोर गेम्स हों या दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज, पैरेंट्स इस टेक सेवी पीढ़ी को सार्थक व्यस्तता का माहौल दें।

भावनात्मक मोर्चे पर डटें: बात चाहे असल और आभासी व्यक्तित्व का फर्क समझाने की हो या सामाजिक-पारिवारिक जीवन से जोड़ने की, पैरेंट्स अल्फा पीढ़ी को इमोशनल फ्रंट पर अवश्य थामें। एडिटेड फोटोज, फॉलोअर्स और वर्चुअल स्टारडम की आभासी दुनिया में खोए बच्चों का मन समझने का प्रयास करना जरूरी है। सोशल लाइफ से लगभग दूर हो चुकी अल्फा पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मेल-जोल के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रही है। गुस्सा, चिड़चिड़ापन और याददाश्त कम होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में इन बच्चों को स्क्रीन स्क्रॉलिंग के बजाय साथ बैठकर बात करने का महत्व समझाएं। वर्चुअल संसार में गुम होकर अकेलेपन और अवसाद के घेरे में आने से बचाने के लिए सॉफ्ट स्किल्स सिखाने पर फोकस करें। व्यावहारिक मोर्चे पर स्क्रीन स्क्रॉलिंग ने इन्हें जरूरत और इच्छा का अंतर समझने का माहौल ही नहीं दिया। अभिभावक इनकी मनचाही चीजें उपलब्ध करवाने और हर मांग पूरी करने से भी बचें। इस पीढ़ी के बच्चों के पास हर तरह की सूचनाएं और जानकारियां भी पहुंच रही हैं। ऐसे में अभिभावक उनके सवालों पर ध्यान दें। डांटने-डपटने और चुप रहने की हिदायत देने के बजाय मन से बच्चों के विचार सुनकर ही उनको सपोर्ट किया जा सकता है। पैरेंट्स तकनीक से भरपूर वातावरण में परवरिश पाती अल्फा जनरेशन में, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव का भाव जगाएं। मशीनों के बीच पलती इस पीढ़ी के मन की संवेदनाओं को बचाना, आज पैरेंट्स की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। *

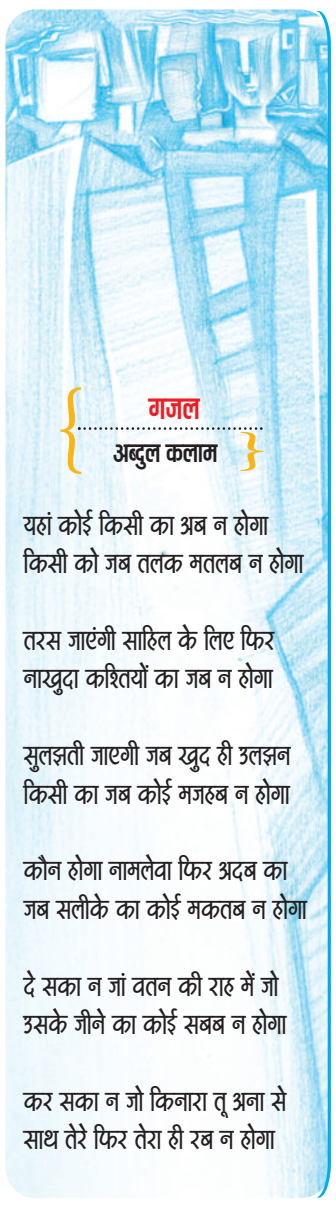

{ गजल / अब्दुल कलाम }

यहां कोई किसी का अब न होगा
किसी को जब तलक मतलब न होगा

तरस जाएंगी साहिल के लिए फिर
नाखुदा कश्तियों का जब न होगा

सुलझती जाएगी जब खुद ही उलझन
किसी का जब कोई मजहब न होगा

कौन होगा नामलेवा फिर अदब का
जब सलीके का कोई मकतब न होगा

दे सका न जां वतन की राह में जो
उसके जीने का कोई सबब न होगा

कर सका न जो किनारा तू अना से
साथ तेरे फिर तेरा ही रब न होगा

रौब जमाती मूंछें!

{ व्यंग्य / डॉ. प्रेमचंद द्वितीय }

अभी एक रोज सुबह-सुबह पार्क में टहलते समय मित्रों के संग मूंछों पर बहस चली तो हर कोई अपनी मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों के पुराण पर चर्चा करने लगा। वकील साहब मथुरा जी अपनी सीनियर सिटीजन वाली करीने से कटी सफेद मूंछों पर हाथ फेरते हुए बोले, 'मैंने जब से मूंछों को बढ़ाया फिर रख-रखाव बेहतर तरीके से करने लगा, तो हर कोई मेरी मूंछों को देखकर मूंछों के बारे में चर्चा करने लगा। हर कोई कहने लगा है कि अब हमें मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी की जगह मूंछें हों तो मथुरा लाल वकील साहब जैसी कहना पड़ेगा। इस पर मैं फूला नहीं समाता और मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों को और सम्मान देने लगा हूं।' कुछ पल गर्वीली मुस्कान बिखेरने के बाद वह पुनः बोले, 'जब से मैंने मूंछें बढ़ाईं, उनको सहेजा तो बहस के मुद्दों के दौरान उस पर हाथ फेरते रहने से कई क्लाइंट के मुकदमे जीत लिए। कोर्ट में हर कोई मुझको देखने के पहले मेरी मूंछें देखता। जब-जब नए क्लाइंट आते तो कहते मेरे वकील साहब तो मूंछों वाले हैं! जिनको देखकर ही सामने वालों के मुकदमे की मूंछें नीची हो जाती हैं।'

इस पर सुनील भैया बोले, 'हमारे गांव में भी जब भी मान-सम्मान की बात होती है, लोग कहते हैं मूंछ का सवाल है। फिल्म में तो मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी बात प्रचलन में आई। लेकिन हर गांव में मूंछों पर ताव देने वाले मिलते हैं। गांव के एक बुजुर्ग तो मूंछों पर ताव देने के कारण ताऊजी कहलाने लगे हैं।'

इस पर बात-बात में मूंछों पर ताव देने वाले रमन सिंह बोले, 'अरे मूंछें आन-बान और शान होती हैं। मूंछें कोई भी रख ले, लेकिन उन्हें मेंटेन करना आसान नहीं होता है। मूंछें भी फर्क और फख्र वाली होती हैं। अमीर सरमाएदार की मूंछें मर्दानगी, स्वाभिमान, वीरता, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और अधिकार को प्रकट करने वाली मानी जाती हैं। इसीलिए छोटे, गरीब आदमी पहले तो मूंछें रख ही नहीं सकता और यदि कोई रखता भी है तो इसलिए कि वक्त जरूरत पड़ने पर मूंछें नीचे करके जान की अमान पा जाए।'

इस पर रामनिवास जी बोले, 'आपको पता नहीं जब कोई अपना रौब अपनी वाणी, कार्यशाली से नहीं जमा पाता है तो उसकी मूंछें रौब जमा देती हैं। अरे, अच्छे से अच्छा पहलवान क्यों ना हो, अखाड़े में उतरने से पहले मूंछ पर ताव जरूर देता है, फिर दांव खेलता है। मूंछें व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज भी होती हैं। ताव देने वाली मूंछें, डाई के जरिए सफेद से काली की गई मूंछें, खड़ी-आड़ी मूंछें, लंबी मूंछें, लकीरों वाली मूंछें, होंठों के ऊपर जेलर टाइप आदि-आदि तरह की मूंछों से व्यक्ति की पर्सनालिटी का पता चलता है।' इस पर ज्ञान बघारने कमल जी बोले, 'मूंछों को सहलाने से, हाथ फेरने से दिमाग में तरह-तरह की नई सोच और आइडिया आते हैं। मूंछें समस्या को हल भी करती हैं तो कई स्थान पर प्रॉब्लम भी क्रिएट करती हैं। मूंछें व्यक्ति की पहचान होती हैं। मूंछों की प्रकृति आकार के आधार पर लोगों को जाना जाता है। कुछ मूंछमुंडे भी होते हैं, जिन्हें अपनी पहचान किसी अन्य तरीके से बनानी पड़ती है और इसके लिए काफी जतन करने पड़ते हैं।' जब मूंछों पर इतनी बहस चल रही थी तो प्रोफेसर साहब बोले, 'मूंछों का आकार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाता है तो कई बार मूंछों पर ताव देना भारी भी पड़ जाता है और मूंछों पर ताव देने वाले का दांव खाली चला जाता है। मूंछ कटे को नाक कटा भी लोग मानते हैं, लेकिन हकीकत में मूंछें मर्दों का श्रृंगार होती हैं, रौबदार, पानीदार, बट और बल वाली मूंछों से लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते हैं।' मूंछों पर चली बहस से ही मॉर्निंग वॉक का जब समय खत्म होने वाला था, तब रामनिवास जी बोले, 'मूंछों के भी भाव होते हैं, मूंछ और ताव का गठजोड़ होता है। बगैर मूंछों के ताव के मुकाबले कोई ताव, ताव नहीं होता है, लेकिन जब अपमान का घूंट पीना पड़ता है तो मूंछें नीचे हुई मानी जाती हैं। जब खाने-पीने की चीजों में मूंछें डूबने लगती हैं तो उसे आलसी और अजीबो-गरीब माना जाता है। ऐंठने वाली मूंछें जब तनी हुई रहती हैं तब पूरा फेस हर मोचें को फेस करने के लिए तैयार रहता है।' वे आगे बोले, 'कटी मूंछें, तनी मूंछे, राजसी मूंछ, फनी मूंछ, झुकी मूंछ, फुकी मूंछ, फेक मूंछ भांति-भांति के मूंछों पर किसी शायर ने कहा है, हमारी मूंछ का आलम यह है कि ताव हम देते हैं, घाव दुनिया पर पड़ता है। इसलिए मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी वरना न हों।' *

भाई से बड़ा

{ लघुकथा / गोविंद भारद्वाज }

आज गोपाल की आंखें नम थीं। उसके साथ जो हुआ, कभी वह सोच भी नहीं सकता था। छोटे भाई साजन को अपनी ससुराल जाना था। वहां कोई धार्मिक अनुष्ठान था। निमंत्रण पत्र गोपाल के पास भी आया था। साजन के पास बड़ी गाड़ी थी। गोपाल ने उससे पूछा, 'साजन तुझे ससुराल जाना है न शाम को?'

'हां भैया, जाना है।' साजन ने जवाब दिया। गोपाल ने कहा, 'साजन मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' 'यह तो बहुत अच्छी बात है। आपको जरूर ले चलूंगा।' साजन ने भरोसा दिया।

गोपाल ने जाने की पूरी तैयारी कर ली। बस इंतजार था साजन के बुलाने का। गोपाल ने अपने बड़े बेटे से कहा, 'अरे बेटा, देखकर तो आ, तेरा चाचा मुझे लेने क्यों नहीं आया? समय तो हो चुका है।'

'जी पिताजी।' कहकर बेटा चाचा के घर चला गया। वहां से लौटकर बताया, 'पिताजी, चाचा जी तो निकल गए, घर पर ताला लगा हुआ है और गाड़ी भी नहीं है वहां।' गोपाल का मन भारी हो गया। उसने तुरंत फोन किया, 'साजन कहां है तू?'

'भैया मैं तो निकल गया ससुराल के लिए।' साजन ने जवाब दिया। 'मुझे तो तेरे साथ चलना था और तूने हामी भी भरी थी।' गोपाल बोला। 'हां भैया...पर बात ऐसी थी कि...।' वह बोलता-बोलता रुक गया। 'कैसी बात थी भाई?' गोपाल ने पूछा। 'गाड़ी में एक सीट आगे की खाली थी, लेकिन मुझे ओरियो को ले जाना पड़ा।' साजन हकलाते हुए बोला। 'ओरियो...ये ओरियो कौन है?' गोपाल ने आश्चर्य से पूछा। 'भैया, ओरियो मेरे डॉगी का नाम है।' साजन ने बताया।

'क्या डॉगी को बैठाने के लिए तूने बड़े भाई को छोड़ दिया... भाई से बड़ा तेरा डॉगी हो गया।' कहकर गोपाल ने तुरंत फोन काट दिया। *

पुस्तक: शोर एवं अन्य कविताएं (कविता संग्रह) रचनाकार: मनोज मोहन, मूल्य:200 रु, प्रकाशक: सेतु प्रकाशन, नोएडा

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

चुप्पियों का शोर

कई वर्षों से साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय मनोज मोहन का पहला कविता संग्रह 'शोर एवं अन्य कविताएं' हाल में ही छपकर आया है। मनोज अपनी कविताओं में कम शब्द खर्च करके बड़ी और गहरी बात कहने में यकीन करते हैं। यही वजह है कि संग्रह की अधिकांश कविताएं छोटी हैं लेकिन उनमें हमारे समय, समाज के विद्रूप और मनुष्यता के समक्ष उपस्थित संकटों को साफ तौर पर लक्षित किया जा सकता है। *'मैं चाहता हूं होना/सामान्य व्यक्ति/जिसे सहज जीवन मिले।'* (सामान्य व्यक्ति) और *'चलो हम एक किताब बनाएं/जहां तुम दिखो खुश-खुश/मैं रहूं उदास-उदास।'* (चलो हम एक किताब बनाएं) जैसी पंक्तियां अपनी साधारणता में भी असाधारण भावार्थ प्रकट करती हैं। ये कविताएं हमें वैचारिकता का एक नया प्रस्थान बिंदु प्रदान करती हैं। कुछ कविताओं को घर, तुम और महामारी खंडों में भी संकलित किया गया है। *

तरकश

-संजय के. दीक्षित

नारी शक्ति और कलेक्टरों की परीक्षा

छत्तीसगढ़ सरकार ने खजाने का करीब 10 हजार करोड़ रुपए बिचैलिये और भ्रष्ट तंत्र की जेब में जाने के खिलाफ कमर कस लिया है। इसके लिए फूड सिकरेट्री रीना बाबा कंगाले और मार्कफेड एमडी किरण कौशल की जोड़ी इस बार मुस्तैद हैं। कलेक्टरों को भी बार-बार फरमान जा रहा है। चीफ सिकरेट्री विकास शील खुद सिकरेट्री फूड रह चुके हैं, वे लगातार मॉनटरिंग कर रहे। जाहिर है, धान खरीदी अगर अबकी 120 लाख मीट्रिक टन पर रुक गया तो भ्रष्टाचार पर बड़ी चोट होगी ही, आर्थिक मोर्चे पर इस सरकार की सबसे बड़ी कामयाबी होगी। क्योंकि, सरकारी खजाने की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। आज की तारीख में मार्कफेड पर 38 हजार करोड़ का लोन है और पिछले सीजन में ओवर परचेजिंग से 8 हजार करोड़ की चपत लग चुकी है। दरअसल, दिक्कत किसान और धान से नहीं, दिक्कत धान की रिसाइकिलिंग और राईस माफियाओं के खेल से है। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का ग्राफ इस तेजी से बढ़ रहा कि अच्छे-अच्छे कृषि वैज्ञानिक हैरान हैं। 2002-03 में मात्र 18 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी। 20 साल में यह नौ गुना बढ़ गई। जबकि, खेती का रकबा तेजी से कम हो रहा है। ये कहना भी कुतर्क होगा कि रेट बढ़ने से धान ज्यादा बोए जा रहे हैं। आखिर पहले भी सिर्फ धान बोए जाते थे...और कोई फसल लगाए नहीं जाते थे कि उसे बंद कर अब धान बोया जा रहा। जाहिर है, 2024-25 में सारे रिकार्ड तोड़ते हुए धान खरीदी 149 लाख मीट्रिक टन पर पहुंच गई। जबकि, जानकारों का कहना है कि छत्तीसगढ़ में वास्तविक धान 100 से 110 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा नहीं होना चाहिए। याने बिचैलियों और अधिकारियों की मिलीभगत से की जाने वाली रिसाइकिलिंग, पटवारियों की कृपा से कागजों में पैदावार लेना और दूसरे प्रदेशों से आने वाले अवैध धानों को रोक दिया जाए तो सीधे-सीधे 30 से 35 लाख मीट्रिक टन की फर्जी खरीदी रुक जाएगी। यह करीब 10 हजार करोड़ रुपए का होता है, जिसे राईस माफिया, राईस मिलर्स, अफसर और पॉलिटिशियन हजम कर जाते हैं। निश्चित तौर पर फर्जी धान खरीदी रोकने में दोनों महिला अधिकारियों के साथ कलेक्टरों की परीक्षा होगी। जो कलेक्टर जितना ज्यादा सक्रिय होकर कार्रवाई करेगा, उस जिले में कम फर्जी खरीदी होगी।

नितिन डिप्टी सीएम!

छत्तीसगढ़ के प्रभारी नितिन नबीन बिहार के बांकीपुर सीट से रिकार्ड मतों से चुनाव जीत गए हैं। 50 हजार से अधिक वोटों से चुनाव जीतने वाले आठ नेताओं के क्लब में उनका भी नाम है। पटना जिले के इस सीट से वे लगातार पांचवी बार चुने गए हैं। उससे पहले उनके पिता नवीन किशोर सिनहा 1995 से विधायक थे। उनके निधन के बाद उपचुनाव में पार्टी ने 2006 में नितिन को टिकिट दिया और उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। 2020 के चुनाव में उन्होंने फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिनहा के बेटे को बड़े मतों के अंतर से पराजित किया था। बहरहाल, नितिन की लोकप्रियता बिहार में तो है ही, अपने राजनीतिक कौशल से शीर्ष नेतृत्व का ध्यान भी खींचा है। छत्तीसगढ़ में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान लोगों ने उनका काम देखा। सूबे का शायद ही कोई ब्लॉक होगा, जहां वे नहीं गए। चुनाव का कंप्लीट मैदानी कमान उन्होंने अपने हाथ में ले ली थी, और पूरा छत्तीसगढ़ छान मारा। इसका उन्हें ईनाम भी मिला। ओम माथुर की जगह उन्हें प्रमोट कर सह प्रभारी से प्रभारी बनाया गया। पिछले साल नीतीश कुमार ने बीजेपी के साथ सरकार बनाई तो उसमें उन्हें कैबिनेट मंत्री का दायित्व मिला। और अब...बिहार में एनडीए की सुनामी के बाद उन्हें डिप्टी सीएम बनाने की अटकलें तेज हो गई है। फार्मूला यह है कि नीतीश मुख्यमंत्री बनेंगे तो जनरल और एससी से दो उप मुख्यमंत्री बन सकते हैं। सामान्य वर्ग में नितिन नबीन से बेहतर कोई नाम नहीं हो सकता, वहीं अनुसूचित जाति से लोक जनशक्ति पार्टी से कोई एक डिप्टी सीएम बनेगा। नितिन नबीन अगर बिहार के उप मुख्यमंत्री बने तो फिर उनके पास छत्तीसगढ़ के लिए टाईम नहीं बचेगा। ऐसे में, हो सकता है कि छत्तीसगढ़ में किसी और नेता को प्रभारी नियुक्त किया जाए।

बांकीपुर में छत्तीसगढ़

चूकि नितिन नबीन छत्तीसगढ़ के प्रभारी हैं, सो स्वाभाविक तौर पर उनके प्रचार के लिए छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में नेताओं, मंत्रियों, विधायकों की फौज बांकीपुर पहुंची थी। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला 10 दिन तक लगातार वहां कैंप किए तो पार्टी के स्टेट प्रेसिडेंट किरण सिंहदेव, डिप्टी सीएमद्वय अरुण साव, विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चैधरी, विधायक गोमती साय, मोतीलाल साहू, राम गर्ग, राजीव अग्रवाल, राजा पाण्डेय, नीलू शर्मा समेत दो दर्जन से अधिक नेताओं ने वहां प्रचार किया। खासकर, कलेक्टर-टू-मंत्री के नाम से ओपी ने वहां खूब शमां बांधा।

पवन साय को अहम जिम्मेदारी

छत्तीसगढ़ बीजेपी के प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय को पश्चिम बंगाल की जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि, यह टेम्पोरेरी दायित्व है मगर सुनने में आ रहा...पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए उन्हें वहां की पूर्णकालिक जिम्मेदारी दी जा सकती है। पवन साय संघ के काफी कर्मठ चेहरा रहे हैं। इसीलिए उन्हें छत्तीसगढ़ बीजेपी का संगठन मंत्री बनाया गया था। उन्होंने अपना काम भी दिखाया। उधर, वेस्ट बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव में काफी पसीना बहाने के बाद बीजेपी सत्ता तक नहीं पहुंच पाई। किन्तु इस बार बीजेपी और संघ की कोर टीम दो साल पहले से काम प्रारंभ कर दिया है। आरएसएस के टॉप फाइव में शामिल रामदत्त चक्रधर के पास इस समय पश्चिम बंगाल का प्रभार है। रामदत्त भी छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। और अगर पवन साय गए तो वे छत्तीसगढ़ के दूसरे शख्सियत होंगे, जिन्हें पश्चिम बंगाल में अहम जिम्मेदारी मिलेगी।

ब्यूरोक्रेसी और वक्त

छत्तीसगढ़ की ब्यूरोक्रेसी में एक वक्त वो भी था, जब मुख्यमंत्री ने एक जनवरी 2025 को मंत्रालय में मीटिंग लेकर अफसरों की टाईमिंग ठीक न होने को लेकर स्पष्ट रूप से इशारा किया था। उसके बाद कुछ हद तक मंत्रालय आने-जाने का टाईम सुधरा। लेकिन बायोमेट्रिक अटेंडेंस के लिए कोई तैयार नहीं हुआ। अलबत्ता, सवाल उठाया गया...आईएएस लाईन लगाकर थंब इंप्रेशन कैसे लगाएगा। तत्पश्चात जीएडी ने मोबाइल में ऐप्प अपलोड करने का विकल्प दिया, उसमें मंत्रालय के भीतर आते ही अपने आप अटेंडेंस लग जाता। मगर इसके लिए भी कोई टस-से-मस नहीं हुआ। मगर अब एक दिसंबर से सचिवालय का एक नंबर गेट, जहां से अफसर प्रवेश करते हैं, वहां के लिए बायोमेट्रिक मंगा लिया गया है। दो-चार दिन में उसका ट्रॉयल प्रारंभ हो जाएगा। दरअसल, चीफ सिकरेट्री विकास शील ने ज्वाईन करते ही साफ कह दिया था कि दिल्ली की तरह मंत्रालय में भी बायोमेट्रिक लगाया जाए। दिल्ली में मुख्य सचिव के समकक्ष भारत सरकार के सचिव से लेकर सेक्शन ऑफिसर और बाबू तक थंब लगाते हैं, फिर भीतर जाते हैं। खैर, छत्तीसगढ़ के नौकरशाहों ने वक्त को भांप लिया है। वैसे भी ब्यूरोक्रेट वक्त को भांपने और उसके हिसाब से आस्था और निष्ठा बदलने में माहिर होते हैं।

अफसरशाही को संरक्षण

जाहिर सी बात है, सरकार पॉलिसी और प्लान बनाती है और उसका क्रियान्वयन अफसरशाही करती है। यह भी सत्य है कि अफसरशाही तभी अपना सर्वस्व दांव पर लगाती है, जब उसे सत्ता प्रतिष्ठान से संरक्षण मिले। मध्यप्रदेश के दौर में अर्जुन सिंह और दिग्विजय सिंह के दौर में ये देखा गया और छत्तीसगढ़ बनने के बाद अजीत जोगी तथा रमन सिंह के समय भी ऐसा हुआ। अफसरशाही में ऐसा नहीं कि सभी भ्रष्ट और निकम्मा हो। सभी कैडर में 10 से 15 परसेंट अफसर साफ-सुथरी छबि के होते हैं तो 25 से 30 परसेंट बैलेंस। यही अफसर किसी भी सरकार के बैक बोन्स होते हैं। 10 से 15 परसेंट वाले आक्रमक बैटिंग करते हैं और 25 से 30 परसेंट पिच पर टिके होते हैं। कई बार अच्छा करने के बावजूद मानवीय चूक हो जाती है। ऐसे में, उनका इंटेंशन अगर गलत नहीं हो तो सरकारों आंख मूंदना पड़ता है। हालांकि, एक कलेक्टर के मामले में राज्य सरकार ने भी ये किया है। मगर इसका वैसा मैसेज नहीं गया, जैसा कि होना चाहिए...ब्यूरोक्रेसी के फारवर्ड प्लेयर अभी भी उस तरह के अश्वस्त नहीं हैं, जैसा कि होना चाहिए। वरना, रिजल्ट कम-से-कम 30 परसेंट और ज्यादा दिखता। दरअसल, परसेप्शन बन गया है, कुछ हुआ तो कौन बचाएगा, इसलिए उतना ही खेलो, जिसमें विकेट बचा रहे। पिछली कांग्रेस सरकार में यही हुआ, जिसका उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। और अभी भी हालत बहुत ज्यादा नहीं बदला है। याद होगा, सरकार बनने के कुछ महीने बाद एक नेत्री के पति के अवैध रेत परिवहन पर शिकंजा कसने पर एक आईएएस एसडीएम लक्ष्मण तिवारी को सूरजपुर से हटाकर 900 किलोमीटर दूर सुकमा भेज दिया गया था। इससे आहत होकर वे अपना कैडर ट्रांसफर करा बिहार चले गए। इससे नौकरशाही अभी उबरी नहीं है। उपर से सोशल मीडिया पर सत्ताधारी पार्टी से जुड़े लोग लगातार हमलावर हैं। यहां तक कि सीएम सचिवालय को भी नहीं बख्शा जा रहा और सत्ता, संगठन में बैठे लोग मौन हैं। ऐसे में, कोई अफसर जोखिम लेकर कैसे काम करेगा? सवाल गंभीर है। सत्ता और संगठन को इसे नोटिस में लेना चाहिए।

प्रभारी मंत्री, सचिव का औचित्य

मध्यप्रदेश से अलग होने के बाद छत्तीसगढ़ में चार-पांच साल प्रभारी मंत्री और प्रभारी सचिवों का सिस्टम चला मगर उसके बाद अब यह नाम के लिए बच गया है। न किसी मंत्री को अपने प्रभार वाले जिले से मतलब होता, और न ही प्रभारी सचिवों को अपने जिले का जायजा से कोई वास्ता। मध्यप्रदेश के दौर में दो-तीन महीने में एक बार प्रभारी मंत्री अपने जिलों का दौरा कर लेते थे। दिग्विजय सिंह ने जिला सरकार बनाया था, उसमें प्रभारी मंत्रियों की मौजूदगी अनिवार्य होती थी। तब फ्लाइट भी नहीं थी। मंत्री अमरकंटक, महानदी या फिर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से रातभर का सफर कर छत्तीसगढ़ आते थे। और अब...? छत्तीसगढ़ में अनेक ऐसे जिले हैं, जहां कई-कई महीने से प्रभारी मंत्रियों ने झांकने की जरूरत नहीं समझी। मंत्री या तो रायपुर में रहते हैं या फिर सीधे अपने विधानसभा भागते हैं...मानो प्रदेश के मंत्री नहीं, अपने विधानसभा क्षेत्र के मंत्री हो गए हों। प्रभारी सचिवों का हाल तो और खराब है। पिछले दो दशक से हर सरकार और मुख्यमंत्री के तरफ से फरमान जारी होता है...प्रभारी सचिव अपने जिलों में रात्रि विश्राम करेंगे, मीटिंग लेंगे। मगर इसमें खानापूर्ति के अलावा कुछ नहीं होता। मुख्यमंत्री या किसी वीआईपी का दौरा हुआ तो सचिव की इच्छा हुई तो जाएंगे वरना वो भी नहीं।

प्रभारी सचिवों का जुगाड़

सरकार सचिवों की उपलब्धता की दृष्टि से प्रभारी सचिवों की नियुक्ति करती है मगर इसमें भी बड़ा जुगाड़ चलता है। अधिकांश सीनियर या जोर-जुगाड़ वाले आईएएस रायपुर के आसपास के जिले ले लेते हैं, ताकि रात रुकने की जरूरत ना पड़े...साल में घूमने-घामने का मन हुआ तो एकाध बार चक्कर लगाकर शाम तक रायपुर लौट जाएं। मगर प्रशासनिक रिफार्म के क्रम में राज्य सरकार प्रभारी सचिवों की लिस्ट बनाने में थोड़ी सख्त हुई है। इस बार जो लिस्ट जारी होगी, वह शायद जुगाड़ वाली न हो। सरकार चाहती है कि जनता से सीधे जुड़े विभागों के सचिवों को सरगुजा और बस्तर जैसे जिलों का दायित्व दिया जाए, ताकि आने-जाने के दौरान रास्ते में पड़ने वाले जिलों पर भी उनकी नजर रहे। चलिये, ये अच्छा प्रयास है।

मोदी ड्रेस

छत्तीसगढ़ के पॉलिटिशियन के लिए खुशी की बात है कि मोदीजी का ड्रेस डिजाइन करने वाली टेक्सटाइल कंपनी जेड ब्लू छत्तीसगढ़ में इंवेस्ट करने के इच्छुक है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गुजरात दौरे में कंपनी के प्रोप्राइटर ने उनसे मुलाकात की। चलिये, अच्छी बात है पीएम नरेंद्र मोदी के स्टाईल का कुर्ता, पायजामा और जैकेट अब छत्तीसगढ़ में बनेगा और यहां के नेताओं के लिए सुलभ होगा।

सीआईसी की ऐसी नियुक्ति

बिलासपुर हाई कोर्ट ने मुख्य सूचना आयुक्त, सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के खिलाफ लगी याचिका को खारिज कर इस रास्ते की बड़ी बाधा दूर कर दी है। याने किसी भी दिन अब सलेक्शन कमेटी की मीटिंग होगी और सीआईसी, आईसी की नियुक्ति हो जाएगी। बहरहाल, इस घटना से 2017 में हुए सीआईसी की नियुक्ति का प्रसंग याद आ गया। रिटायर आईएएस एमके राउत को सीआईसी बनाना था। सरकार ने फैसला ले लिया था मगर राज्यपाल बलरामदास टंडन इलाज के सिलसिले में दिल्ली में थे। उनसे नोटिफाई कराने फ्लाइट से एक मुलाजिम को दिल्ली भेजा गया और उनके हस्ताक्षर होने के अगले दिन रविवार का दिन था। कोई जोर-जुगाड़ या सिफारिश लगाए, उससे पहले सरकार ने 11 बजे नियुक्ति का आदेश निकाल दिया था। राज्यपाल दिल्ली से लौटे तो बात शपथ की आई। राजभवन ने कहा, इतना जल्दी कैसे संभव होगा। सबको सूचित करना होगा। इस दौरान राउत तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को थैंक्स बोलने पहुंचे। उन्होंने पूछा...ज्वाईन कर लिए। राउत बोले...सर अभी शपथ नहीं हुआ है। क्यों? राउत ने वास्तविकता बताई। इस पर रमन सिंह पास में खड़े ओएसडी से बोले, राजभवन फोन लगाओ। और अगले दिन का टाईम शपथ के लिए मुकर्रर हो गया। बहरहाल, सब कुछ ठीक रहा तो अमिताभ जैन अगले हफ्ते किसी दिन शपथ ग्रहण कर लेंगे।

अंत में दो सवाल आपसे

1. बिजली विनियामक आयोग के चेयरमैन अपाइंटमेंट की प्रक्रिया शुरू होने में सिस्टम कोई हड़बड़ी क्यों नहीं दिखा रहा?

2. क्या ये सही है कि महिला मित्र को तीन करोड़ का बंगला गिफ्ट करने वाले मंत्रीजी पार्टी के हिट लिस्ट में सबसे उपर हैं?

जैकेट के शेष

बंगला फ्री था, पर ....

करनी पड़ती है। हैरानी की बात ये है कि पिछले 10 साल से इन हजारों सरकारी बंगलों से निगम ने फूटी कौड़ी तक नहीं ली। 2016-17 में नगर निगम द्वारा शहरभर में कराए गए जीआईएस सर्वे के दौरान यह बात सामने आई। तब पता चला यहां तो दिया तले अंधेरा वाली स्थिति बनी है। सूत्रों के मुताबिक 2010 से पहले नगर निगम में राजस्व वसूली का मेनुवल सिस्टम चलता था, उस दौरान इन सरकारी बंगलों में जल शुल्क, समेकित कर की वसूली होती थी या नहीं, इसका रिकार्ड भी निगम के अलग-अलग जोन में सुरक्षित नहीं है। नगर निगम के राजस्व महकमे के अफसरों के मुताबिक 10 जोन में से 3 जोन ऐसे हैं, जहां सरकारी आवास विशिष्ट जनों के लिए बनाकर आवंटित किए गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा सरकारी बंगला जोन 4 में 1100 हैं। इसी तरह जोन 2 में देवेंद्र नगर स्थित आफिसर कालोनी हैं, जहां पर 140 सरकारी क्वाटर्स स्थित हैं। नगर निगम जोन 3 कमिश्नरी क्षेत्र में सरकारी आवास की संख्या 1345 है, जिसमें लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, उद्योग भवन के अलावा शंकर नगर क्षेत्र स्थित विधाधक और मंत्रियों के बंगले तक शामिल हैं।

मंत्री, विधायक और ....

डिमांड नोट भेज रहे है, संबंधित को करना होगा भुगतान शहर के सरकारी बंगलों पर यूजर चार्ज, सामान्य जलकर सहित समेकित कर की बकाया राशि का भुगतान करने राजस्व विभाग के तरफ से नगर निगम द्वारा डिमांड नोट भेज रहे हैं। उस अवधि में जिनके नाम बंगला आवंटित रहा उनसे बकाया कर की वसूली नियम अनुसार होगी। -विश्दीप आयुक्त, नगर निगम रायपुर।

पहले दिन प्रदेश ....

सतर्क ऐप और कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर जैसी व्यवस्थाएं मजबूत की गई हैं। आज भोर की सुनहरी किरणों के साथ छत्तीसगढ़ की धरती पर फिर शुरुआत हुई है छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की। यह धान खरीदी किसान भाइयों की मेहनत और सरकार पर उनके विश्वास का उत्सव है। उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने बिलासपुर जिले के सेंदरी धान खरीदी केंद्र में खरीदी की शुरुआत की, वहीं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के महाराजपुर धान खरीदी केंद्र में धान खरीदी का शुभारंभ किया। इसी प्रकार, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने सूरजपुर जिले के चंद्रपुर धान खरीदी केंद्र में विधि-विधान के साथ खरीदी प्रारंभ की और किसानों का फूल-मालाओं से अभिनंदन किया। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने बलरामपुर जिले के डौरा-कोचली धान खरीदी केंद्र में पहुँचकर किसानों का आत्मीय स्वागत करते हुए खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत की।

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर जिले के पल्ली धान खरीदी केंद्र में पूजा-अर्चना कर खरीदी अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया। इसी क्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कांकेर जिले के मालगांव धान खरीदी केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन और किसानों द्वारा लाए गए धान की पारंपरिक रीति से पूजा-अर्चना कर खरीदी का आरंभ किया। कौशल विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने महासमुंद जिले के झालखमरिया धान खरीदी केंद्र में धान खरीदी की औपचारिक शुरुआत की।

सोसाइटियों में पूजा....

कहीं पूजा पाठ के बाद समिति की साफ सफाई की गई। कहीं किसानों का इंतजार होता रहा। **जान लीजिए जांजगीर-चांपा के हाल** : पहले दिन ही अकलतरा क्षेत्र के तिलाई केंद्र से धान खरीदी की बोहनी भी हो गई। समिति प्रबंधक और कम्प्यूटर ऑपरेटर की हड़ताल को देखते हुए जिला प्रशासन ने केंद्रों में व्यवस्था बनाते हुए कृषि विभाग के साथ ही पंचायत विभाग और अन्य विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई। सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष के साथ मिलकर इन कर्मचारियों को धान खरीदी के निर्देश दिए गए। कर्मचारी अपने नियत उपार्जन केंद्रों में पहुंच गए। जिले में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए 1 लाख 23 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। वहीं धान खरीदी के लिए 129 उपार्जन केंद्र बनाए गए है। इन केंद्रों में दो दिन पहले तक कोई तैयारी नहीं हो सकी थी। ऐसे में सेवा सहकारी समिति के अध्यक्षों के सहयोग से केंद्र प्रभारी के रूप में ड्यूटी लगने वाले अधिकारी- कर्मचारी व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटे रहे।

अंबिकापुर नमनाकला समिति में हुई बोहनी : धान खरीदी के पहले दिन समर्थन मूल्य पर खरीदी की शुरुआत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित नमनाकला से हुई। कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र पहुंचकर किसान अनंत मंडल को फूल-माला पहनाकर स्वागत किया और किसानों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर धान खरीदी महापर्व का शुभारंभ किया। किसान अनंत मंडल के धान का रकबा 78 क्विंटल है और उन्होंने पहले दिन 20 क्विंटल का टोकन कटवाया। गौरतलब है कि जिले में इस वर्ष 55,937 पंजीकृत किसान और लगभग 58,219 हेक्टेयर में धान का रकबा है। इसके लिए 54 धान उपार्जन केंद्र संचालित किए गए हैं।

रायपुर के यह ....

मशीन एवं धान रखने के लिए बनाए गए चबूतरों को भी पेंट किया गया था। यहां बैठे कुछ लोगों ने बताया कि गांव की सरपंच सहित कुछ लोग सुबह पूजा करने पहुंचे थे, लेकिन सभी पूजा करने के बाद चले गए।

जान लीजिए जांजगीर-चांपा के हाल : पहले दिन ही अकलतरा क्षेत्र के तिलाई केंद्र से धान खरीदी की बोहनी भी हो गई। समिति प्रबंधक और कम्प्यूटर ऑपरेटर की हड़ताल को देखते हुए जिला प्रशासन ने केंद्रों में व्यवस्था बनाते हुए कृषि विभाग के साथ ही पंचायत विभाग और अन्य विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई। सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष के साथ मिलकर इन कर्मचारियों को धान खरीदी के निर्देश दिए गए। कर्मचारी अपने नियत उपार्जन केंद्रों में पहुंच गए। जिले में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए 1 लाख 23 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। वहीं धान खरीदी के लिए 129 उपार्जन केंद्र बनाए गए है। इन केंद्रों में दो दिन पहले तक कोई तैयारी नहीं हो सकी थी। ऐसे में सेवा सहकारी समिति के अध्यक्षों के सहयोग से केंद्र प्रभारी के रूप में ड्यूटी लगने वाले अधिकारी- कर्मचारी व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटे रहे।

राजनांदगांव में बोहनी....

और खरीदी प्रभारी नियुक्त कर दिया था। आज सुबह से ही शहर के ढाबा और शहर के समीप गठुला धान खरीदी केन्द्रों में अपने टोकन के अनुसार किसान पहुंचे। जहां उपस्थित स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा किसानों को माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया । आज सुबह लगभग 11 बजे धान खरीदी केन्द्रों में इलेक्ट्रॉनिक तराजू की विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। वहीं तराजू पर माल्यार्पण करते हुए तिलक किया गया । इसके बाद श्रीफल अर्पित कर धान विक्रय करने आये किसानों का मुंह मीठा कराया गया और छत्तीसगढ़ महतारी की जयघोष के साथ धान खरीदी की शुरुआत की गई ।

0 व्यवस्था से संतुष्ट दिखे किसान : अपने धान की उपज बेचने शहर के ढाबा सोसायटी पहुंचे किसानों ने कहा कि उन्होंने पहले ही ऑनलाईन टोकन ले लिया था और आज पहले दिन अपने धान का विक्रय करने पहुंचे हैं । किसान नारायण दास साहू और किसान भोजराज देवांगन ने कहा कि खरीदी के लिए फिलहाल बनाई गई वैकल्पिक व्यवस्था ठीक है ।

दुर्ग जिले के 35 ....

की वैकल्पिक व्यवस्था के चलते 35 समितियों में 116 किसानों से 6678 क्विंटल धान खरीदी जा सकी। **उपार्जन केंद्र उतई** : इस उपार्जन केंद्र में केवल एक किसान धान बेचने पहुंचा। उमरपोटी निवासी नीराबाई के खाते से उनके परिजन ट्रैक्टर में धान लेकर आए थे। 177 बोरा धान इस किसान ने बेचा। यहां प्रशासन ने खाद्य और सहकारिता विभाग से एक-एक महिला कर्मचारियों को भेजा है। विपणन संघ से दो आपरेटर भी यहां थे। हाल यह था कि ये लोग अनुभवी नहीं होने की वजह से पोर्टल में धान खरीदी का इंट्री करने मशक्कत करते दिखे।

उपार्जन केंद्र बोरीगारका : इस उपार्जन केंद्र में भी एक किसान का धान खरीदी की जा सकी। यहां पाउवारा के किसान विजय डोमन साहू मिले। यहां 146 बोरा धान ट्रैक्टर में लेकर आए थे। तौल और नमी की जांच के बाद इस किसान की धान खरीदी की गई। विपणन संघ से एक आपरेटर की व्यवस्था की गई है। लोकल महिलाओं की मदद से धान का स्टेक तैयार किया गया। वैकल्पिक व्यवस्था के बीच,समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू

राशिफल

मेष
नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष
वाणी में सौम्यता रहेगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन
आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु कार्यक्षेत्र में सचेत रहें। विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क
मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु कार्यक्षेत्र में सचेत रहें। विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह
आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है।

कन्या
धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी, परन्तु स्थान परिवर्तन की सम्भावना भी बन रही है।

तुला
सन्तान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा लाभप्रद रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। खर्चों की अधिकता से परेशान रहेंगे।

वृश्चिक
नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति के लिए प्रयासरत रहें। क्रोध से बचें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु
स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय वृद्धि होगी। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन की प्राप्ति होगी।

मकर
कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। शैक्षिक कार्यों के प्रति सचेत रहें।

कुंभ
कारोबार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। किसी सम्पत्ति से धन प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयत रहें।

मीन
कारोबार के लिए यात्रा लाभप्रद रहेगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। परिवार से दूर जा सकते हैं।

नाबालिग भी ले सकते हैं अग्रिम जमानत

कोलकाता। कोलकाता हाईकोर्ट ने जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 तहत नाबालिगों को अग्रिम जमानत का अधिकार दिया। कोलकाता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अब किसी भी अपराध में आरोपी नाबालिग (जुवेनाइल) भी एंटीसिपेटरी बेल के लिए आवेदन कर सकेंगे। इससे पहले सिर्फ बालिग आरोपियों को ही गिरफ्तारी से पहले जमानत लेने का हक था। तीन जजों की डिवीजन बेंच ने कहा कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट तब लागू होता है जब नाबालिग पकड़ा जाता है और उसे जुवेनाइल बोर्ड के सामने पेश किया जाता है। लेकिन अग्रिम जमानत तो गिरफ्तारी से पहले का अधिकार है, ताकि किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता सुरक्षित रहे।

अपने तरह का पहला फैसला

यह फैसला जस्टिस जय सेनगुप्ता, जस्टिस तीर्थंकर घोष और जस्टिस बिवास पटनायक की बेंच ने दिया। देश के किसी भी हाईकोर्ट की तरफ से सुनाया गया इस तरह का यह पहला फैसला है। यह मामला उन चार नाबालिगों की याचिका से शुरू हुआ, जिन्हें 2021 में पश्चिम बंगाल के रघुनाथगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों में गिरफ्तारी का डर था। मुद्दा यह था कि क्या जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, 2015 उन्हें अग्रिम जमानत (धारा 438) का अधिकार देता है या नहीं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

-:: मैन्युअल पद्धति निविदा सूचना ::-

क्रमांक/1377/लो.क.वि./निविदा आमंत्रण/2025 कुम्हारी, दिनांक 14/11/2025

नगर पालिका परिषद कुम्हारी हेतु निम्नानुसार कार्यों हेतु एकीकृत पंजीयक ठेकेदारों से निविदा फार्म A में एस.ओ.आर लोक निर्माण विभाग प्रचलित दर अनुसूची 01.01.2015 भवन एवं सड़क 01.01.2025 एस.ओ.आर के आधार में कम या अधिक दर पर केवल स्पीड पोस्ट/ पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है ।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि - 27/11/2025 सायं 5.00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र हेतु क्रय की अंतिम तिथि - 28/11/2025 सायं 5.00 बजे तक
3. निविदा प्रस्तुत किये जाने की अंतिम तिथि - 05/12/2025 सायं 4.00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि - 08/12/2025 प्रातः 11.00 बजे से

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)
1	नगर पालिका परिषद कुम्हारी क्षेत्रांतर्गत विभिन्न कार्य (कुल 12 कार्य)	45.75

नियम एवं शर्तें :- उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट में uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कुम्हारी

पेज एक के शेष

पैसा बचाने के लिए एमबीबीएस की जगह ...

विधा के डाक्टरों की नियुक्ति के लिए अस्पताल को मोटी फीस देनी पड़ती है, जबकि कामचलाऊ, झोलाछाप या आयुर्वेद के चिकित्सा अधिकारी कम खर्च में मिल जाते हैं। शहर में कार्रवाई के शिकार हुए ज्यादातर अस्पताल इन्हीं डाक्टरों के भरोसे अपना काम चला रहे थे। कुछ अस्पतालों ने रजिस्टर में जितने मरीजों को भर्ती दिखाया गया था, वार्डों में उतने थे नहीं, यानी ओपीडी के मरीजों को भी आईपीडी का बताकर इलाज किया गया था। मिली शिकायतों के आधार पर विभागीय टीम ने अस्पतालों में मरीजों को दी जाने वाली सुविधा का निरीक्षण किया, जिसमें कमियां मिलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई।

00 बलौदाबाजार के दो अस्पताल निलंबित : अस्पतालों की गुणवत्ता, सुरक्षा और नियमानुसार उपचार सुनिश्चित करने में अनियमितता पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए बलौदाबाजार जिले में संचालित आरोग्यम हॉस्पिटल सिमगा एवं ओमकार हॉस्पिटल बलौदाबाजार की जांच कराई गई, जिसमें गंभीर अनियमितताएं पाए जाने के आरोप में 3-3 माह के लिए निलंबित कर दिया गया है। इसके पूर्व महासमुंद जिले के महानदी हॉस्पिटल महासमुन्द, सेवा भवन हॉस्पिटल ग्राम जगदीशपुर पिथौरा एवं अंबिका हॉस्पिटल ग्राम खरखरी सरायपाली को योजना से बाहर किया गया था। धमतरी में नंदा हास्पिटल पर मरीज से पैसे लेने की वजह से गाज गिरी थी।

00 रायपुर के बड़े अस्पताल भी निशाने पर: आयुष्मान योजना की गड़बड़ी में छोटे ही नहीं, बड़े हास्पिटल भी शामिल हैं। शहर के दो बड़े प्रतिष्ठित अस्पतालों के खिलाफ भी हितग्राहियों से अतिरिक्त राशि लेने की शिकायत है। स्थानीय जांच टीम द्वारा उनके खिलाफ भी कार्रवाई की सिफारिश की गई थी। राज्य स्तर पर मामला विचाराधीन है। आठ महीने पहले इसी तरह की गड़बड़ी के मामले रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर के 23 अस्पतालों को योजना से निलंबित किया गया था। इनमें से कुछ अस्पताल सजा भुगतकर लौट चुके हैं, वहीं कुछ अस्पतालों की निलंबन अवधि पूरी नहीं हुई है।

छत्तीसगढ़ शासन जनजातीय ...

को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर पूरे राष्ट्र में जनजातीय नायकों के सम्मान की एक ऐतिहासिक परंपरा स्थापित की। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय के बिरसा मुंडा ने 19वीं सदी के अंत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और स्थानीय शोषकों के खिलाफ एक अभूतपूर्व क्रांति का सूत्रपात किया था, जिसे इतिहास में उलगुलान के नाम से जाना जाता है। बहुत कम उम्र में ही उन्होंने अंग्रेजों द्वारा आदिवासियों के पारंपरिक खुंटकट्टी (सामुदायिक स्वामित्व) भूमि अधिकारों को छीनने और अत्यधिक लगान थोपने का विरोध प्रारंभ कर दिया था। बिरसा एक महान समाज सुधारक भी थे। उनके प्रयासों से जनजातीय समाज में एकता, स्वाभिमान और आत्म-सम्मान की अद्भुत चेतना जागृत हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इसी संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ जनजातीय समुदाय के उत्थान की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

सूरत में गरजे प्रधानमंत्री...

में वृद्धि की है और खेल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए काम कर रही है। अपने संबोधन से पहले, प्रधानमंत्री ने 9,700 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न बुनियादी ढांचा और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मोदी ने कहा, हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासियों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। लेकिन कांग्रेस ने अपने 60 साल के शासनकाल में आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ दिया।

करणी सेना अध्यक्ष के खिलाफ टीआई ...

पुलिस ने बीएनएस की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। **करणी सेना के अध्यक्ष ने पुलिस वालों को कहा डूब मरो** : शेखावत ने अपने फेसबुक लाइव में कहा कि वीरेंद्र तोमर एक व्यापारी था। उसने लोगों को जरूरत पड़ने पर पैसे दिए। उन पैसों को वापस मांगा। वह व्यापारी था इसी तरह लाखों लोग फाइनेंस का काम करते हैं, लेकिन प्रशासन ने नेताओं के दबाव में आकर उस पर निर्दयता से कार्रवाई की। वीरेंद्र तोमर को तपती धूप में नंगे पैर हथकड़ियों में जकड़कर ले जाया गया। उसकी तबीयत बिगड़ी है, वह रोड पर गिर जाता है, तो कुछ पुलिसकर्मी उस पर पैर रखकर खड़े करने की कोशिश करते हैं। ऐसे पुलिसवाले डूब मरो। पुलिस न्याय और अधिकार दिलाने का काम करती है, लेकिन आप लोग एक निहत्थे व्यक्ति पर पिछले कई महीनों से अत्याचार कर रहे हो।

लालू की बेटी रोहिणी ने परिवार..

सहयोगियों में से एक माने जाते हैं। रमीज को तेजस्वी का पुराना मित्र बताया जाता है, जो उत्तर प्रदेश के एक राजनीतिक परिवार से संबंधित हैं। रोहिणी की पोस्ट से यह स्पष्ट नहीं हो सका कि संजय यादव और रमीज ने उनसे किस बारे में ऐसा कहा था। दोनों से इस संबंध में कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हो सकी। कुछ वर्ष पहले पिता लालू प्रसाद को अपना गुर्दा दान करने के कारण चर्चा में आई रोहिणी ने पिछले वर्ष सारण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। यह भी अटकलें थीं कि वह तेज प्रताप यादव के पार्टी से निष्कासन से 'नाखुश' थीं, हालांकि विधानसभा चुनाव के दौरान वह तेजस्वी यादव के लिए प्रचार करती दिखीं।

न्यायालय श्रीमान तहसीलदार भखारा, जिला धमतरी (छ.ग.)

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि यह कि आवेदक गौकरण लहरे पिता पदुम उम्र 70 वर्ष जाति सतनामी निवासी ग्राम मड़ेली तहसील भखारा जिला धमतरी का निवासी है। आवेदक की पिता/माता पुनम जिसका मृत्यु दिनांक 20/08/2009 को हुई है तथा आवेदक अज्ञानतावश जन्म/मृत्यु की सूचना कोतवाली पंजी में दर्ज नहीं करवा पाया था जिस संबंध में जन्म/मृत्यु प्रमाण हेतु न्यायालय श्रीमान तहसीलदार भखारा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था या समूह या ग्रामवासी को आपत्ति हो तो दिनांक 17/11/2025 तक न्यायालय श्रीमान तहसीलदार भखारा के समक्ष अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है तथा म्याद की समाप्ति पश्चात दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/11/2025 को न्यायालयीन पद मुद्रा द्वारा जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
भखारा

कार्यालय नगर पंचायत दाढ़ी, जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

Email ID- nagarpanchayatdadhi@gmail .com

क्र. / 261 / लो.नि.वि./ न.पं. / 2025 दाढ़ी, दिनांक 14.11.2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

Main Portal : http//eproc.cgstate.gov.in

नगर पंचायत दाढ़ी में छ.ग. CG PWD Building & Road SOR 2015, CG PHED SOR 2020 CG PWD Electrical SOR 2015 & Non SOR आयटम में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से फार्म F में नीचे उल्लेखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	समयावधि
01	179569	Design, Construction, Testing, Commissioning and setting up of Material Recovery Facility (MRF) & Compost Plant in Municipal Areas of Dadhi, Chhattisgarh	53.72	01.12.2025	06 Month including rainy season

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा शर्तें धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल Main Portal : http//eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट से डाउनलोड की जा सकती है। विभागीय वेबसाईट http//uad.cg.gov.in में भी देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत दाढ़ी
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6049

बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली-6048 का हल

सूडोकु नवताल - 6059

कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		5			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
							5	2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6058 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

अनजाने और अनचाहे खर्च को रोकना होगा, मिडिल क्लास को नहीं रहेगी टेंशन

सैलरी मिलने के कुछ दिन बाद ही पर्स हो जाता है खाली, ये टिप्स आएंगे काम

उदाहरण से समझें : रिया 90,000 रुपये महीना कमाती हैं। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती हैं। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

महीने की शुरुआत में जब फोन पर सैलरी अकाउंट में क्रेडिट होने का मैसेज आता है तो काफी खुशी होती है। लेकिन यह खुशी कुछ दिनों तक ही रहती है। 15-20 दिन गुजरने के बाद आर्थिक तंगी के हालात शुरू हो जाते हैं। ऐसा काफी लोगों के साथ होता है। मिडिल क्लास के साथ तो लगभग हर महीने यही स्थिति रहती है। 15-20 दिन बीतने के बाद चिंता सताने लगती है कि आखिर सैलरी का पैसा कहां खर्च हो गया? एक्सपर्ट ने कुछ सुझाव दिए हैं जिसमें इसका कारण और समाधान भी बताया है गया है। एक्सपर्ट के अनुसार हमसे कुछ अनजाने और अनचाहे खर्च ऐसे हो जाते हैं जिनके कारण धीरे-धीरे सैलरी का पैसा खर्च होना शुरू हो जाता है। हालात कई बार ऐसे आ जाते हैं कि सैलरी मिलने के 20 दिन बाद ही बटुआ खाली हो जाता है। समस्या यह नहीं है कि आप कितना कमाते हैं, बल्कि यह है कि आप उस पैसे को कैसे मैनेज करते हैं।

कहां गया सारा पैसा?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक 'आपकी सैलरी अभी-अभी क्रेडिट हुई है। वो खुशी वाला अलर्ट देखकर मुस्कान आ जाती है, है ना? लेकिन 20 दिन बाद आपका यूपीआई बैलेंस आपको सोचने पर मजबूर कर देता है- सारा पैसा कहां गया? यह कहानी कई मिडिल क्लास भारतीयों की है।'

आपकी लाइफ कैसी होगी यह आपके कमाने पर निर्भर नहीं होता है, बल्कि यह निर्भर करता है कि आप बचाते कितना है। उन्होंने लिखा है, 'आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि दौलत सिर्फ कमाई से नहीं, बल्कि मैनेजमेंट और लगातार कोशिशों से बनती है।

उदाहरण से समझें गणित

अपनी बात को समझाने के लिए हम एक उदाहरण का सहारा लेते हैं। एक लड़की रिया जो एक कंसल्टेंट हैं और 90,000 रुपये महीना कमाती हैं। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती हैं। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है। छोटे-छोटे फैसले चुपके से बड़ी दौलत बन जाते हैं।

आखिर क्यों 'गायब' हो जाती है सैलरी

सैलरी गायब होने के पीछे असली वजह अनकॉन्शियस स्पेंडिंग यानी ऐसे खर्च है जो अनजाने में होता है। कई बार ऐसे छोटे खर्चे होते हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता। उनके मुताबिक हमारा दिमाग बड़े खर्चे पहचान लेता है लेकिन छोटे खर्चे जैसे- रोजाना का खर्च, सब्सक्रिप्शन, अचानक कुछ खरीदना आदि खर्च का पता ही नहीं चलता। इस कारण हर महीने 25 से 40 हजार रुपये चुपके से खर्च हो जाते हैं। यही कारण है कि सैलरी आने के बाद महीना खत्म होने से पहले ही बटुआ खाली हो जाता है।

ये हैं काम के टिप्स

ऐसे अनचाहे खर्च को रोकने और पैसे पर कंट्रोल के लिए 4 टिप्स हैं। अपनी सैलरी की तरह हर महीने बचत को ऑटोमेटिक कर लें। इसके लिए किसी मुश्किल अकाउंट की जरूरत नहीं है। **बस 4 आसान पॉकेट बना लें।**

ये इस प्रकार हैं :

1. सैलरी हब : यह आपका मुख्य इनकम अकाउंट है। यानी आपकी सैलरी इसी अकाउंट में आती है।
2. सेफ्टी नेट : इसमें इमरजेंसी फंड और लक्ष्य-आधारित बचत के लिए पैसा रखें। यह रकम 60:40 के रेश्यो में होनी चाहिए।
3. ग्रोथ इंजन : यह अकाउंट सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) और ऑटोमेटेड इन्वेस्टमेंट के लिए है।
4. डेली एक्सपेंसेसः यह अकाउंट यूपीआई और बिल पेमेंट के लिए है। यह आपकी सेविंग से अलग होगा।

टाइमिंग का रखें ध्यान

ऊपर बताए चार पॉकेट में पैसा समय पर इन्वेस्ट कर दें। यहां टाइमिंग बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोगों की सैलरी महीने की आखिरी तारीख (30 या 31) या 1 तारीख को आ जाती है। ऐसे में हर महीने की 2 तारीख को ऑटोमेटिक ट्रांसफर सेट करें। महीने के बीच में खर्चों की समीक्षा करें और 25 तारीख तक अगले महीने की तैयारी कर लें।

ये तीन मंत्र काम के

पैसा कमाना एक स्किल है। पैसा बचाना एक आर्ट है और पैसे को कंपाउंड करना (ब्याज पर ब्याज कमाना) साइंस है। इन तीनों में महारत हासिल करें। ऐसे में फाइनेंशियल फ्रीडम अपने आप मिल जाएगी। पैसे का सही प्रयोग ही हमें जल्दी अमीर बना सकता है।

रायपुर में सहेली ज्वेलर्स ने पूरे किए सफलता के 3 वर्ष, धूमधाम से मनाया एनिवर्सरी समारोह

तीन वर्षों में 5 लाख से अधिक छत्तीसगढ़ी परिवारों का विश्वास जीता : डायरेक्टर सुनील जैन

रायपुर। सच्ची शुद्धता, उचित सलाह और सर्वोत्तम कीमतों के भरोसे के लिए पहचाने जाने वाले सहेली ज्वेलर्स ने रायपुर में अपनी स्थापना के 3 वर्ष पूरे होने पर शनिवार को भव्य समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी रहे, जिन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद गणेश आरती और केक काटकर जश्न की शुरुआत की गई। इस अवसर पर शोरूम के डायरेक्टर्स सुनील जैन सुमीत जैन और पवन जैन सहित सम्माननीय ग्राहक और स्टाफ मौजूद थे। इस अवसर पर सहेली ज्वेलर्स के डायरेक्टर सुनील जैन ने बताया कि रायपुर शोरूम ने मात्र तीन वर्षों में 5 लाख से अधिक छत्तीसगढ़ी परिवारों का विश्वास जीता है। उन्होंने कहा, इस खुशी को बड़े उत्सव का रूप देने के लिए हमने अब तक का सबसे बड़ा ऑफर प्रस्तुत किया है। हर ग्राहक को प्रति 10 ग्राम पर 7 से 10 हजार रुपए तक का फायदा मिलेगा।

स्पेशल वेडिंग कलेक्शन की लॉन्चिंग

शादी के सीजन को ध्यान में रखते हुए सहेली ज्वेलर्स में स्पेशल वेडिंग कलेक्शन भी पेश किया गया है, जिसमें पारंपरिक से लेकर आधुनिक डिजाइनों की ब्राइडल सेट, पोलकी-ज्वेलरी, लाइटवेट के गोल्ड और डायमंड कलेक्शन की विस्तृत रेंज उपलब्ध है।

ग्राहकों के भरोसे से आगे बढ़ता सफर

रायपुर के सदरबाजार स्थित सहेली ज्वेलर्स ने तीन वर्षों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और उचित मूल्य के साथ एक मजबूत पहचान बनाई है। एनिवर्सरी के अवसर पर शुरू हुए इन ऑफर्स का उद्देश्य ग्राहकों के विश्वास का आभार व्यक्त करना और उन्हें बेहतरीन खरीदारी अनुभव प्रदान करना है।

एनिवर्सरी पर धमाकेदार ऑफर

एनिवर्सरी के अवसर पर सहेली ज्वेलर्स ने दो विशेष ऑफर शुरू किए हैं। पहला, 16 नवंबर का 1-दिवसीय मेगा ऑफर, जिसमें 22 कैरेट गोल्ड, डायमंड और पोलकी ज्वेलरी पर केवल 3% और 4% मेकिंग चार्ज रखा गया है। यह ऑफर सिर्फ एक दिन के लिए मान्य रहेगा। दूसरा, 'शानदार सात दिन' विशेष ऑफर, जो 16 से 23 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान 22 कैरेट गोल्ड, डायमंड और पोलकी ज्वेलरी पर मेकिंग चार्ज पर फ्लैट 50% ऑफ और किसी भी ज्वेलर्स के पुराने सोने पर 100% एक्सचेंज की सुविधा दी गई है, जो ग्राहकों के लिए एक स्वर्णिम अवसर साबित होने वाला है। यह सभी ऑफर्स रायपुर शोरूम में मान्य रहेंगी।

अपोलो हॉस्पिटल में हार्ट का अत्याधुनिक तकनीक से इलाज

रायपुर। अपोलो हॉस्पिटल हैदराबाद के प्रसिद्ध हार्ट सर्जन डॉ. नागेश ने अपने रायपुर प्रवास के दौरान मिनीमल इनवेसिव तकनीक और रोबोटिक असिस्टेड कार्डियक सर्जरी की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. नागेश हर महीने के तीसरे शनिवार को अपोलो हॉस्पिटल रायपुर में भी मरीजों से मिलते हैं। इस दौरान डॉ. नागेश ने बताया कि मिनीमल इनवेसिव तकनीक में साइड

से छोटा चीरा लगाकर पसलियों के बीच से ऑपरेशन किया जाता है। इस प्रक्रिया में हड्डी नहीं काटी जाती, जिससे ऑपरेशन अधिक सुरक्षित होता है और मरीज की रिकवरी जल्दी होती है। इसके अलावा, रोबोटिक असिस्टेड कार्डियक सर्जरी में 3डी इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे सर्जरी में सटीकता बढ़ती है और जोखिम कम होता है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट
ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc. Nursing	2 Years
Paramedical Course	**Duration**
Lab tech, OT tech, X-Ray tech,Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	**Duration**
D Pharmacy	2 Years

क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 150 सीटों का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु
7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु
9201641200, 9201631200, 9201622400

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 13000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3, वेतन योग्यतानुसार (आवास फ्री) संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, FF-6 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर, 7747000019, 7747000016, 7746000016. (RO-348)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। संपर्कः- खेतान इंटरप्राइजेस, खेतान गेराज बिल्डिंग, वीडियो वर्ल्ड के पास, मौदहापारा रायपुर (RO-464)

सप्लायर/सेल्समैन

आवश्यकता है- टू व्हीलर में, किराना दुकानों में मॉल सप्लाई करने हेतु (रायपुर स्थित एजेंसी में) सप्लायर एवं सेल्स मैन की आवश्यकता है। संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 9993588599. (RO-365)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- डागा पेट्रोल पंप फाफाडीह चौक स्टेशन रोड, रायपुर मो. नं.- 8109135400, 9179380728. (RO-564)

सफाई कर्मचारी

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्ति : चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा. नशेड़ी संपर्क न करें- मो. 7225888800.(RO-6974)

अकाउंटेंट/नर्स

आवश्यकता है- अकाउंटेंट (पार्ट टाइम), ओटी टेक्नीशियन, नर्स GNM कैलाश कान्ता हॉस्पिटल मिलने का समय दोपहर 12 से 02 ओवर ब्रिज के नीचे जोरा चौक रायपुर 9300734153, 07712994153.(Ro-565)

फैब्रिकेटर/इंजीनियर

आवश्यकता है- नंदनी नगर नजदीक बाफना पेट्रोल पंप स्टील फैब्रिकेशन प्लांट/फैक्ट्री हेतु , फ़िटअप फैब्रिकेटर 5, क्वालिटी इंजीनियर-5 , डॉक्यूमेंटेशन और प्लानिंग इंजीनियर-5 , हाइड्रा ड्राइवर-4 , -4 , प्राडक्शन सुपरवाइजर -5, फीमेल ऑफिसस्टाफ -4, मेंटनेंसफ़ीटर 2, इलेक्ट्रीशियन टेक्नीशियन -2, 5 ठेकेदार 10-50 आदमी वाले , कैंटीन सुविधा , (रहना फ्री) 9131534571, 7898223491, 9711115583 (आरो न.- 4116)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सेल्समैन

आवश्यकता है- सेल्समैन चाहिए हमें अपने तेल और अगरबत्ती उत्पादों की सेल्स मार्केटिंग हेतु मेहनती, अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है जिन्हें एफएमसीजी में 2वर्ष का एक्सपीरियंस होना चाहिए । हमारे साथ जुड़कर अपने करियर को आगे बढ़ाना चाहते है। केवल इंटरेस्टेड लोग ही संपर्क करेः- Email- granthagarbatti581@gmail.com, मो.- 77730-90555, 88396-00176.(आरो 689)

एजेंसी

Agency- Expression of Interest UNICEF, Raipur Office is looking for professional agency to develop 20 short videos (2–4 minutes each), the videos will be showcasing diverse complementary food recipes. Shooting of videos will be maximum at 2 districts of each division of state (Raipur, Durg, Bastar, Sarguja and Bilaspur) The interested agency can confirm their interest at raipur.consultants@unicef.org by 20 November 2025. Further to which UNICEF will invite interested agencies for pre-bid meeting on 24 November at UNICEF, State Office for Chhattisgarh, 503 – Civil Lines, Raipur - 492001. For any clarification, please contact Ms. Kirti Kaushik – (M) 8435800799.(RO-6571)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ड्रायवर

आवश्यकता है- ट्रक लोकल चलाने के लिए ड्राइवरों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें:- 9109191899, 94252-13622.(Ro-6570)

कुक/घरेलु कार्य

आवश्यकता है- खाना बनाने एवं घरेलू कार्य करने हेतु ईमानदार लड़की/ महिला की आवश्यकता है । रहने खाने की सुविधा फ्री , वेतन योग्यतानुसार , परित्यक्ता ,विधवा, बेसहारा को प्राथमिकता । संपर्क करें- 88393-04037, 74890-17986(आरो न.- 4117)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, स्नातक पास लड़कों की अवसकता है जो शहर से बाहर काम कर सके वेतन- 12000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री, ट्रेनिंग बाद 15,000 से 20000 महीने। संपर्क करें- 9893079683, 9109413530.(Ro-514)

फाइनेंसर पार्टनर

पार्टनर चाहिए- साढ़े छः करोड़ के प्रोजेक्ट के लिए एक फाइनेंसर पार्टनर चाहिए मंथली इनकम 20 लाख रुपए संपर्क करें 74005-56967.(आरो नं.-1696)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - महालक्ष्मी फाइनेंस कंपनी समस्त प्रकार की लोन कृषि, बिजनेस, समूह लोन, पर्सनल, लेबर कार्ड, डेयरी फार्म, होम लोन आधारकार्ड पर (50000–30 लाख तक) (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्कः- 8349203168.(RO-368)

क्लासीफाईड

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

वधु चाहिए
गुजराती 44/ 5'-11'' स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु उच्च जाति बंधन नहीं
सम्पर्क करें-
9827114645
9131139179
(मैरिज ब्यूरो क्षमा)

परिचय सम्मेलन

पंजीयन क्र. 1582/1969
म.प्र. राजपूत समाज
8वां अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 14 दिसंबर 2025
योग्य व उत्तम जीवनसाथी चयन हेतु आज ही हमारी वेबसाइड पर पंजीयन करायें।
पंजीयन हेतु अंतिम तिथि रविवार, 07 दिसंबर 2025
Email:- mprajputsamaj1582@gmail.com

वर चाहिए

वर चाहिए- 62/5,4''/M.A, B.Ed ,Govt.Teacher रिटायर्ड -65000/- पेंसन विडो डिवोर्सी घर जमाई स्वीकार - 7083617207 (1223)

हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन प्रकाशित किया जायेगा।

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - शंकर नगर अवंती विहार बीच में गीतांजलि नगर में मकान , नया रायपुर चम्पारण रोड कठिया पर 2 एकड़ जमीन डायवर्टेड, अविनाश गार्डन सिटी विधानसभा रोड में 1200 Sqf. प्लॉट बेचना है। संपर्क करें व्हाट्सएप्प 6399166000. (RO-6568)

प्लॉट बेचना है - मंदिर हसौद से लगे ग्राम नकटा में बस्ती से लगा हुआ 54'x30'' कुल 1620 वर्गफीट का आवासीय प्लाट बेचना है। संपर्क मोबाइल- 7489536788. (RO-7236)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

मकान

मकान बेचना है- दो मंजिला मकान लगभग 800 वर्गफीट ईदगाह भाटा गली नंबर 13 विवेकानंद आश्रम के पीछे (एवं एक छोटा सा दुकान भी है) रायपुर संपर्क करें:- 7869898305, 9109118782.(RO-6561)

Home Buildup भवन निर्माण

भवन निर्माण- सिविल निर्माण परामर्श, पर्यवेक्षण, बिलिंग, अनुमान, परीक्षण एवं बिलिंग ऑडिट कार्य के लिए 28 वर्षों के अनुभव वाले सिविल इंजीनियर से सम्पर्क करें- 7587483116, 877773579 Email- ssm2502bridge@gmail(RO-39171)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

सब कुछ है यहां
पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

इसे जरूर पढ़िये और समझिये

आप सभी जानते है कि एच.आई.वी. (H.I.V.) रोग का कोई ईलाज नहीं है क्योंकि यह वायरस रोग है किसी भी प्रकार के वायरस को मारने की दवा आज तक नहीं बना है इसलिए कि वायरस की (बॉडी) शरीर होता ही नहीं इसलिए किसी भी प्रकार की दवा इसे मार नहीं सकता इसलिए यह जानलेवा है यदि बैक्टिरिया (जीवाणु) जन्य रोग है तभी यह ऐन्टिबायोटिक दवा से मारा जा सकता है अतः यह वायरस की बीमारी जिस किसी के शरीर में है उसका शरीर ही इसे नष्ट कर सकता है इसे ही इम्यूनोथेरिपी कहते है वह केवल आयुर्वेद के रस रसायन में ही संभव है कई लोग रोग मुक्त हो चुके हैं। क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गोनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें।

ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नहीं है, ये खुरापाती नीम हकीमों से सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्नुनो थैरिपी पर आधारित केवल रस-रसायन में ही हैं।

सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
मो.- 94255-55659
96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

कम कीमत में रॉयल्स में शामिल जडेजा, सीएसके में सैमसन की एंट्री, शमी समेत 8 खिलाड़ी ट्रेड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रवींद्र जडेजा और संजू सैमसन की आईपीएल 2026 रिटेंशन की डेडलाइन से पहले अदला-बदली हो गई है। लंबे समय तक चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे जडेजा आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वहीं सैमसन अब चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में नजर आएंगे।

सैमसन अब चेन्नई सुपर किंग्स में

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान और भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन अब अपनी मौजूदा 18 करोड़ रुपए की फीस पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रतिनिधित्व करेंगे। लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक सैमसन ने 177 आईपीएल मैच खेले हैं। सीएसके उनके करियर की तीसरी फ्रैंचाइज होगी। 2013 में आईपीएल में डेब्यू करने के बाद से उन्होंने दो सीजन 2016 और 2017 को छोड़कर सभी सीजन में आरआर का प्रतिनिधित्व किया है। वह दो सीजन दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले।

संजू सैमसन 18 करोड़ में अब चेन्नई के लिए खेलेंगे

14 करोड़ की फीस में खेलेंगे जडेजा

सीएसके के लिए 12 सीजन खेल चुके जडेजा लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने 250 से ज़्यादा मैच खेले हैं। ट्रेड में उनकी फ़ीस 18 करोड़ रुपए से घटकर 14 करोड़ रुपए हो गई है।

लखनऊ के लिए खेलेंगे शमी

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सनराइजर्स हैदराबाद से सफल ट्रेड के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलेंगे। आईपीएल 2025 सीजन से पहले हैदराबाद ने उन्हें 10 करोड़ रुपए में खरीदा था और वह अपनी मौजूदा फीस पर एलएसजी में शामिल हुए।

अर्जुन एलएसजी टीम में

ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर मुंबई इंडियंस से सफल ट्रांसफर के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का प्रतिनिधित्व करेंगे। अर्जुन अपनी मौजूदा 30 लाख रुपए की फीस पर एलएसजी में शामिल हुए। 2021 की आईपीएल नीलामी में मुंबई इंडियंस की ओर से पहली बार चुने गए थे, उन्होंने 2023 में फ्रैंचाइज के लिए अपना आईपीएल डेब्यू किया था।

नीतीश राणा दिल्ली में शामिल

बाएं हाथ के बल्लेबाज नितीश राणा अब राजस्थान रॉयल्स से हुए ट्रेड के बाद दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह अपनी मौजूदा 4.2 करोड़ रुपए की फीस के साथ ही खेलेंगे। राणा ने 100 से ज़्यादा मैच खेले हैं। उन्होंने 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी की थी।

फरेरा की राजस्थान में वापसी

ऑलराउंडर डोनोवन फरेरा दिल्ली कैपिटल्स से हुए सफल ट्रेड के बाद अपनी पहली फ्रेंचाइज, राजस्थान रॉयल्स में वापसी करेंगे। ट्रांसफर समझौते के अनुसार उनकी फीस 75 लाख रुपए से बढ़ाकर एक करोड़ रुपए कर दी गई है।

मिनी नीलामी से पहले टीमों के पास पर्स

- चेन्नई सुपर किंग्स (43.40 करोड़ रुपए)
- मुंबई इंडियंस (2.75 करोड़)
- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (16.40 करोड़)
- कोलकाता नाइट राइडर्स (64.30 करोड़)
- सनराइजर्स हैदराबाद (25.50 करोड़)
- गुजरात टाइटंस (12.90 करोड़)
- राजस्थान रॉयल्स (16.05 करोड़)
- दिल्ली कैपिटल्स (21.80 करोड़)
- लखनऊ सुपर जाइंट्स (22.95 करोड़)
- पंजाब किंग्स (11.50 करोड़)

मयंक मार्कंडेय की मुंबई इंडियंस में वापसी

लेग स्पिनर मयंक मार्कंडेय कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से सफल ट्रेड के बाद अपनी पूर्व फ्रेंचाइज मुंबई इंडियंस (एमआई) में वापसी करेंगे। वह 30 लाख रुपए की अपनी मौजूदा फीस पर मुंबई में शामिल हुए। मार्कंडेय ने अपना आईपीएल करियर एमआई के साथ शुरू किया था और 2018, 2019 और 2022 में इस फ्रेंचाइज का प्रतिनिधित्व किया था।

सैम करन राजस्थान में शामिल

इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन अपनी मौजूदा लीग फीस 2.4 करोड़ रुपए पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से राजस्थान रॉयल्स (आरआर) में शामिल हुए. 27 साल के इस खिलाड़ी ने 64 आईपीएल मैच खेले हैं और राजस्थान रॉयल्स उनकी तीसरी फ्रैंचाइज होगी.

खबर संक्षेप

एएफसी क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में विलियम्स

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में जन्मे फॉरवर्ड रयान विलियम्स को 18 नवंबर को ढाका में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 क्वालीफायर के अंतिम दौर के ग्रुप सी मैच के लिए 23 सदस्यीय भारतीय फुटबॉल टीम में शामिल किया गया है। विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिकता हासिल की है। भारतीय टीम छह नवंबर से बेंगलुरु में अभ्यास कर रही थी। टीम शनिवार को ढाका के लिए रवाना हो गई। फॉरवर्ड विलियम्स टीम के साथ बांग्लादेश गये है लेकिन मैच के दिन टीम में उनका शामिल होना फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया से अनापत्ति प्रमाण पत्र और उसके बाद फीफा और एएफसी से अनुमोदन प्राप्त करने पर निर्भर है।

लक्ष्य सेन जापान मास्टर्स में हारकर बाहर

कुमामोतो। भारतीय शटलर लक्ष्य सेन का 475,000 डॉलर इनामी कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में विजय अभियान शनिवार को सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोतो से तीन गेम में हार के साथ खत्म हो गया।

सातवीं वरीयता प्राप्त सेन छठी वरीयता प्राप्त निशिमोतो से 77 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 21-14, 12-21 से हार गए। सेन का अपने इस प्रतिद्वंदी के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा था लेकिन अंतिम गेम में गलतियों के कारण वह इसको बेहतर करने में नाकाम रहे। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन सेन ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरते हुए निर्णायक गेम तक का सफर तय किया, लेकिन तीसरे गेम में वह पूरी तरह से लय में नहीं दिखे। यह मुकाबला दो बराबरी के खिलाड़ियों के बीच था लेकिन जापानी खिलाड़ी ने दर्शकों के अपार समर्थन के बीच धैर्य बनाए रखा और आखिर में फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को 8 विकेट से हराया

रावलपिंडी। बाबर आजम के दो साल से अधिक समय में लगाए गए पहले अंतरराष्ट्रीय शतक की बदौलत पाकिस्तान ने दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। बाबर के 119 गेंदों पर नाबाद 102 रन की मदद से पाकिस्तान ने 48.2 ओवर में दो विकेट पर 289 रन बनाकर जीत हासिल की। श्रीलंका ने इससे पहले आठ विकेट पर 288 रन बनाए थे। उसके शीर्ष सात बल्लेबाजों में से छह अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। बाबर ने खेले गए मैच से पहले सभी प्रारुपों में 83 पारियों में कोई अंतरराष्ट्रीय शतक नहीं लगाया था।

कोलकाता टेस्ट दूसरा दिन: भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर रखा पलड़ा भारी

ईडन गार्डंस में विकेटों की पतझड़ एक दिन में 16 बल्लेबाज आउट

भारतीय टीम पहली पारी में केवल 189 रन पर सिमटी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

ईडन गार्डंस का विकेट लगातार दूसरे दिन बल्लेबाजों के लिए कब्रगाह साबित हुआ और दिन भर में 16 विकेट गिरे, जिसमें भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर अपना पलड़ा भारी रखकर पहला टेस्ट मैच तीन दिन के अंदर जीतने की संभावना बढ़ा दी। लेकिन भारत को किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए क्योंकि विकेट से स्पिनरों को मदद मिल रही है और इस पर 150 रन का लक्ष्य भी चुनौती पूर्ण हो सकता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय टीम पहली पारी में केवल 189 रन पर आउट हो गई और इस दौरान उसके बल्लेबाजों को साइमन हार्मर और केशव महाराज की स्पिन जोड़ी के सामने संघर्ष करना पड़ा।

भारत को पहली पारी में 30 रन की मामूली बढ़त

भारत ने पहली पारी में 30 रन की मामूली बढ़त हासिल की लेकिन परिस्थितियों को देखकर यह महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल का चोटिल होना चिंता का विषय है क्योंकि पहली पारी में रिटायर्ड हर्ट होने के बाद वह दोबारा बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतरे। पहली पारी में 159 रन पर आउट होने वाले दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 93 रन बनाए हैं और वह भारत से 63 रन आगे है। कप्तान तेम्बा बावुमा 78 गेंद पर 29 रन बनाकर एक छोर संभाले हुए हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े कोर्बिन बॉश एक रन बनाया है।

जडेजा की बलखाती गेंदों का चला जादू

जडेजा की बलखाती गेंदों का जादू चला और उन्होंने लगातार चार विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम (04) का विकेट लेने के बाद वियान मुल्डर (11), टोनी डि जार्जी (02) और ट्रिस्टन स्टब्स (05) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की वापसी की संभावनाओं को करारा झटका दिया। जडेजा ने अब तक 29 रन देकर चार, कुलदीप यादव ने 12 रन देकर दो और अक्षर पटेल ने 30 रन देकर एक विकेट लिया है। भारत की पारी एक तरह से नौ विकेट पर समाप्त हुई क्योंकि कप्तान शुभमन गिल स्लॉग स्वीप के दौरान गर्दन में ऐंठन के कारण चोटिल हो गए और बल्लेबाजी के लिए वापस नहीं लौटे।

हार्मर ने 30 रन देकर चार विकेट चटकाए

हार्मर ने क्लब हाउस छोर से लगातार 14.2 ओवर गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर चार विकेट चटकाए, जिससे धीमी और खुरदरी पिचों पर रविचंद्रन अश्विन के प्रभाव की यादें ताजा हो गईं। उन्होंने भारत के बाएं हाथ के छह बल्लेबाजों को लगातार निशाना बनाया और उनमें से तीन बल्लेबाजों वाशिंगटन सुंदर (29), रवींद्र जडेजा (27) और अक्षर पटेल (16) को आउट किया।

ऑलराउंडरों के विशिष्ट क्लब में जडेजा

ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 4 हजार रन पूरे किए और खेल के सबसे लंबे प्रारुप में 4 हजार टेस्ट रन और कम से कम 300 विकेट लेने वाले ऑलराउंडरों के एक विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया। जडेजा ने कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की।

पंत ने छक्के लगाने में सहवाग को पछाड़ा

रैंक	खिलाड़ी	छक्के	टेस्ट
1	ऋषभ पंत	92	48
2	वीरेंद्र सहवाग	90	103
3	रोहित शर्मा	88	67
4	रवींद्र जडेजा	80	88
5	महेंद्र सिंह धोनी	78	90
6	सचिन तेंदुलकर	69	200
7	कपिल देव	61	131
8	सौरव गांगुली	57	113
9	शुभमन गिल	46	40
10	यशस्वी जायसवाल	43	27

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी 159/10

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
जयसवाल बो यानसन	12	27	3	0
राहुल का मारक्रम बो महाराज	39	119	4	1
सुंदर का मारक्रम बो हार्मर	29	82	2	1
गिल रिटायर्ड हर्ट	04	03	1	0
पंत का वेरेने बो बॉश	27	24	2	2
जडेजा पगबाधा हार्मर	27	45	3	0
जुरेल का एवं बो हार्मर	14	14	3	0
अक्षर का यानसन बो हार्मर	16	45	2	0
यादव का वेरेने बो यानसन	01	08	0	0
सिराज बो यानसन	01	09	0	0
बुमराह नाबाद	01	03	0	0
अतिरिक्त 18, कुल योग : 62.2 ओवर में 189/10 रन				
गेंदबाजी: यानसन 15-4-35-3, मुल्डर 5-1-15-0, महाराज 16-1-66-1, बॉश 11-4-32-1, हार्मर 15.2-4-30-4				
दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
रिकेलटन पगबाधा कुलदीप	11	23	1	0
मारक्रम का जुरेल बो जडेजा	04	23	0	0
मुल्डर का पंत बो जडेजा	11	30	0	1
बावुमा खेल रहे है	29	78	3	0
जॉर्जी का जुरेल बो जडेजा	02	02	0	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा	05	18	0	0
काइल वेरेने बो अक्षर	09	16	1	0
यानसन का राहुल बो कुलदीप	13	16	0	1
कोर्बिन बॉश खेल रहे है	01	04	0	0
अतिरिक्त: 08, कुल योग: 35 ओवर में 93/7 रन				
गेंदबाजी: बुमराह 6-1-14-0, अक्षर 11-0-30-1, कुलदीप 5-1-12-1, जडेजा 13-3-29-4				

अस्पताल में भर्ती हुए शुभमन मैच में खेलना मुश्किल

कोलकाता। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस बीच भारत को बीच मैच में उस समय तगड़ा झटका लगा, जब कप्तान शुभमन गिल गर्दन में ऐंठन होने की वजह से रिटायर्ड हर्ट होकर वापस पवेलियन लौट गए थे। मैदान पर उन्हें देखने के लिए तुरंत फिजियो भी मैदान पर आए थे। रिपोर्ट के मुताबिक कप्तान शुभमन गिल का अब पहले टेस्ट मैच में खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। क्योंकि पहली पारी के दूसरे दिन रिटायर्ड हर्ट होने के कुछ घंटों बाद ही उन्हें गर्दन में दर्द के साथ स्ट्रेचर पर एम्बुलेंस में ले जाया गया और अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। शनिवार को बाद में स्थिति और भी चिंताजनक लग रही थी जब उन्हें गर्दन में सर्वाइकल कॉलर लगाकर मैदान से बाहर ले जाते देखा गया, जिससे चोट की गंभीरता को लेकर और चिंता बढ़ गई। बीसीसीआई ने बताया कि शुभमन गिल की गर्दन में ऐंठन है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। उनकी प्रगति के आधार पर उनके खेलने पर फैसला लिया जाएगा। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा कि हमें यह पता लगाना होगा कि गर्दन में अकड़न कैसे हुई। शायद रात में ठीक से नींद न आने की वजह से ऐसा हो सकता है। हम इसे ज्यादा काम के बोझ की वजह से मान सकते हैं। शुभमन गिल इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज के बाद लगातार भारत के लिए सभी फॉर्मेट में क्रिकेट खेल रहे हैं।

फुटबॉल

विश्व कप में क्रोएशिया की जगह पक्की, फरो आइलैंड्स को हराया

एजेंसी ▶▶| लंदन

क्रोएशिया ने फरो आइलैंड्स को 3-1 से हराकर अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में जगह पक्की कर ली, जबकि नीदरलैंड पोलैंड के साथ ड्रॉ खेलकर क्वालीफिकेशन के करीब पहुंच गया। क्रोएशिया को विश्व कप में जगह बनाने के लिए इस मैच में जीत की दरकार थी लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। फरो आइलैंड्स की तरफ से डेविड टूरी ने गोल किया। क्रोएशिया ने हालांकि जल्द ही वापसी की। उसके लिए 23वें मिनट में जोस्को ग्वार्डिओल ने बराबरी का गोल दागा। दो साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करते हुए पेटार मूसा ने जोसिप स्टानिसिक की मदद से हाफटाइम के बाद क्रोएशिया को 2-1 से आगे कर दिया। उसकी तरफ से तीसरा गोल निकोला व्लासिक ने किया। नीदरलैंड ने वारसॉ में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पोलैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला और ग्रुप जी में सीधे प्रवेश की तरफ बड़ा कदम बढ़ाया। नीदरलैंड अभी अपने ग्रुप में शीर्ष पर है। इस बीच ग्रुप ए में निक वोल्टेमाडे के दो गोल की मदद से जर्मनी ने लक्जमबर्ग पर 2-0 की

एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में अलियासिमे की एंट्री

तूरिन। फेलिक्स ऑगर अलियासिमे ने दो बार के चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। कनाडा के आठवीं वरीयता प्राप्त ऑगर अलियासिमे ने 6-4, 7-6 (4) से जीत हासिल की और ब्योर्न बोर्ग ग्रुप से यानिक सिनर के साथ अंतिम चार में प्रवेश किया। इससे पहले सिनर ने बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 (3) से हराकर राउंड-रॉबिन में अपने सभी मैच जीते। सिनर का अगला मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर से होगा। ऑगर अलियासिमे एक अन्य सेमीफाइनल में कार्लोस अल्काराज का सामना करेंगे।

एटीपी फाइनल्सः सिनर की मिनौर पर 13वीं जीत

तुरिन। इटली के यानिस सिनर ने एटीपी फाइनल्स के अंतिम चार मैच में एलेक्स डी मिनौर को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी को सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हराकर दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबले में 13वीं जीत दर्ज की। सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में घरेलू कोर्ट पर सिनर के सामने खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्काराज और फेलिक्स ऑगर-एलियासेम के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता की चुनौती होगी। सिनर और अल्काराज पिछले तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में भिड़ चुके हैं। अल्काराज ने फ्रेंच ओपन का खिताब जीता जबकि सिनर ने विंबलडन में अल्काराज को शिकस्त दी। अल्काराज ने हालांकि यूएस ओपन में जीत के साथ सिनर के खिलाफ अपना दबदबा मजबूत किया।

एमसीए ने स्मृति को किया पुरस्कृत

भेंट किए 50 लाख

मुंबई। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) ने भारतीय टीम की उप-कप्तान और कलात्मक सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को भारतीय महिला टीम को विश्व चैंपियन बनाने के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 50 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया। मंधाना ने विश्व कप में 54.25 की प्रभावशाली औसत से 434 रन बनाए थे। वह सबसे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर थी। मंधाना ने कहा, 'मैंने महाराष्ट्र के लिए आयु-वर्ग क्रिकेट खेलकर अपनी क्रिकेट यात्रा शुरू की और अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है।' उन्होंने कहा, 'हमारी विश्व कप जीत टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और टीम वर्क का परिणाम था। मैं इस सम्मान के लिए एमसीए अध्यक्ष रोहित पवार और सभी पदाधिकारियों का आभारी हूं।' भारतीय उपकप्तान ने कहा, 'एमसीए महिला क्रिकेटरों के लिए असाधारण काम कर रहा है और हाल ही में शुरू हुई महाराष्ट्र महिला प्रीमियर लीग और उसके बाद सीनियर महिला टी 20 ट्रॉफी में राज्य टीम की जीत इस प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'

राइजिंग स्टार्स एशिया कप में आज भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत

पाक से हाथ न मिलाने की नीति पर कायम रहेगा भारत

एजेंसी ▶▶| दोहा

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रविवार को राइजिंग स्टार्स एशिया कप टी20 मैच में पाकिस्तान शाहीन्स के आक्रमण को स्तब्ध रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि जितेश शर्मा की अगुवाई वाली भारत ए टीम भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की हाथ नहीं मिलाने की नीति का पालन करेगी।

सितंबर में एशिया कप के दौरान भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। उस टूर्नामेंट में दूसरे विकेटकीपर और वर्तमान टूर्नामेंट में भारत ए के कप्तान जितेश से भी उम्मीद की जा रही है कि वह अपने सीनियर के नक्शेकदम पर चलते हुए पाकिस्तान शाहीन्स के कप्तान इरफान खान से न तो टॉस के समय और न ही मैच के बाद हाथ मिलाएंगे।

भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती दाएं हाथ के तेज गेंदबाज उबैद शाह से होगी, जो सीनियर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नसीम शाह के छोटे भाई हैं। भारतीय टीम में अधिकतर वह खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम में जितेश और रमनदीप सिंह ही दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जो सीनियर टीम की तरफ से अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। पाकिस्तान शाहीन्स के कप्तान इरफान ने नौ वनडे खेले हैं।

सूर्यवंशी पर होगी निगाहें

सबका ध्यान हालांकि 14 साल के सूर्यवंशी पर होगा, जिन्होंने आईपीएल में शतक लगाकर विश्व क्रिकेट में तहलका मचा दिया था। उन्होंने पिछले मैच में यूएई के खिलाफ 52 गेंदों पर 15 छक्कों की मदद से 144 रन की अविश्वसनीय पारी खेली और सीनियर अंतरराष्ट्रीय (ए टीम) क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बल्लेबाज बन गए। लेकिन भारत ए के मुख्य कोच सुनील जोशी अपने बल्लेबाजों को यह याद दिलाना चाहेंगे कि पाकिस्तान का आक्रमण यूएई की तुलना में बेहतर होगा।

Product by: A. Indian Mushroom Ayurved & Food Product

MushroomAD

Mushroom Soup Powder

हेल्थी बॉडी, कॉन्फिडेंस रेडी

लाखो ग्राहकों का विश्वास

सभी मेडिकल्स में उपलब्ध.

For more details call - 9373556677

MADE IN INDIA

भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला मशरूम उत्पाद

नया पैक

- भूख व वजन बढ़ाने में सहायक
- दुबलेपन को दुर करने में सहायक
- प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक
- गैस तथा एसिडीटी के लिए भी लाभदायक
- उर्जावान बनाने व कॉन्फिडेंस बढ़ाने में सहायक
- कमजोरी हटाने व नया खुन बनाने में सहायक

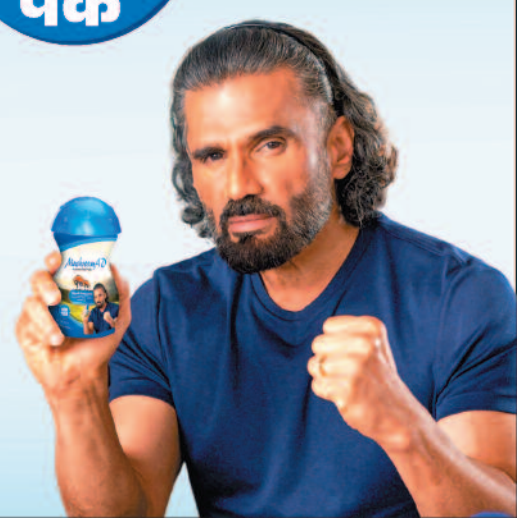

पलक झपकते छूमंतर, 896 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार

भारत की सबसे तेज रफ्तार ट्रेन का खिताब वंदे भारत एक्सप्रेस के नाम है। 180 प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार वाली वंदे भारत ट्रेन वास्तव में 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पटरी पर दौड़ रही है। वंदे भारत का क्रेज भारत में किसी से छिपा नहीं है, लेकिन आज जिस ट्रेन की बात हम करने जा रहे हैं, उसकी रफ्तार गोली से भी तेज है। इतनी तेज की पलक झपकते ही वो आंखों के सामने ओझल हो जाती है। दुनिया की सबसे तेज रफ्तार ट्रेन का खिताब इसके नाम पर है।

दुनिया की सबसे तेज रफ्तार ट्रेन

ट्रेनों की रफ्तार के मामले में चीन ने एक बार फिर से बाजी मार ली। चीन ने 'सीआर450' ट्रेन का सफल ट्रायल किया है। ट्रायल रन के साथ ही इसके नाम दुनिया की सबसे तेज रफ्तार ट्रेन का खिताब हो गया। चीन की 'सीआर450' ट्रेन दुनिया की सबसे हाई स्पीड ट्रेन है। सबसे तेज हाई-स्पीड ट्रेन की रफ्तार 896 किमी/घंटा की है।

कुछ जोखिम भी

रफ्तार तो ठीक, लेकिन इस ट्रेन से जुड़े कुछ जोखिम भी है। चाइना रेलवे एकेडमी के चीफ इंजीनियर झाओ होंगवेई ने के मुताबिक अगर मोटर वाइंडिंग के बीच शॉर्ट सर्किट होता है तो चुंबकीय क्षेत्र के कारण मोटर रुक नहीं पाता, जो ट्रेन को खतरे में डाल सकता है।

एशिया में मनाए जाने वाले विविध संस्कृतियों व भाषाओं के अनोखे रिवाज, जिनमें दिखती है प्राचीन सभ्यताओं की झलक

एशिया दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा आबादी वाला महाद्वीप है। यहां आपको विविध संस्कृतियां, भाषाएं, धर्म, सभ्यताएं देखने को मिल जाएंगी। जाहिर सी बात है कि इतने विशाल महाद्वीप में कुछ विचित्र रिवाज भी छिपे होंगे ही। आज हम ऐसी ही परंपराओं के बारे में बात करने वाले हैं, जो बेहद अजीब और हैरान करने वाली हैं। इन सभी रिवाजों के पीछे कोई न कोई सांस्कृतिक महत्व जरूर होता है।

शोगात्सु महोत्सव

नए साल पर जापान में एक विचित्र त्योहार मनाया जाता है, जिसे शोगात्सु महोत्सव कहते हैं। इसके दौरान लजीज पकवान बनाए जाते हैं और कई दिनों तक जश्न मनाया जाता है। हालांकि, इस पर्व की अजीब परंपरा यह है कि इस दिन जापानी लोग मौत को महसूस करने की कोशिश करते हैं। वे मरने की मानसिक तैयारी करते हैं और ताबूत में लेटने का अनुभव लेते हैं। साथ ही वे मौत से जुड़े पाठ भी पढ़ते हैं।

शरीर को छेदकर मनाया जाता है थाईपुसम त्यौहार

मलेशिया में मनाया जाने वाला थाईपुसम त्योहार आपको हैरत में डाल देगा। इस दिन लोग अपने शरीर को भालों, सुई और अन्य धातु की वस्तुओं से छेदते हैं। ऐसा करने का मकसद अपने गुनाहों की सजा भुगतना, भगवान को खुश करना और उनकी कृपा पाना है। थाईपुसम वाले दिन एक जुलुस भी निकाला जाता है, जो कुआलालंपुर में स्थित गुफाओं तक जाता है।

कनाडा के खिलाड़ी ने हाथों से ही खींची 1.19 लाख किलो की नाव

नई दिल्ली। कनाडा के वेस्ली "मूस" डेरविंस्की ने एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जो सुनकर ही आपको अनिश्वसनीय लगेगा। उन्होंने एक प्रतियोगिता में केवल अपने हाथों से लगभग 119 टन (1.19 लाख किलोग्राम) वजन की नाव को यात्रियों समेत ही 65 फीट तक खींचा। ऐसा करके वेस्ली ने अपना नाम गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज करा लिया है। कमाल की बात ये है कि वेस्ली का खुद का वजन केवल 145 किलोग्राम है और उनकी लंबाई 6 फुट 3 इंच है। वेस्ली मूस ने ये रिकॉर्ड अमेरिका के ओहियो राज्य के सैंडस्की शहर में हुई स्ट्रॉन्गमैन चैम्पियंस लीग में बनाया।

वेस्ली ने 1 मिनट 21 सेकंड में बनाया रिकॉर्ड

वेस्ली मूस ने सबसे आखिर में नाव को खींचा और जैसे ही वो आए दर्शक उत्साहित होकर चिल्लाने लगे। वेस्ली ने धीरे-धीरे अपने हाथों से पूरी दम लगाकर 119 टन की नाव को खींचना शुरू किया तो नाव में बैठे 130 से ज्यादा यात्री भी चीयर करके उनका उत्साह बढ़ाने लगे। जैसे-जैसे वेस्ली ने नाव को आगे खींचा, दर्शकों का उत्साह बढ़ता गया और उन्होंने कुल 1 मिनट 21 सेकंड में इसे 65 फीट तक खींचकर विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

17 साल की उम्र से प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे वेस्ली

वेस्ली पिछले 12 साल से स्ट्रांगमैन प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं और उन्होंने 17 साल की उम्र से ही इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। लेकिन हमेशा से स्ट्रॉन्गमैन चैम्पियंस लीग में शामिल होना उनका सपना था। वेस्ली इस प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार थे और उन्हें पूरा भरोसा था कि वो जीत जाएंगे। जीत के बाद उन्होंने अपनी पत्नी को उनका और उनके सपनों का साथ देने के लिए शुक्रिया अदा किया।

नागालैंड के इस शहर की दुकानों पर नहीं बैठते दुकानदार फिर भी कोई नहीं करता चोरी

नई दिल्ली। नागालैंड की हसीन वादियों के बीच एक खूबसूरत शहर बसा है, जिसका नाम फुत्सेरो है। यहां के मनमोहक नजारे और प्राकृतिक सुंदरता देखकर आपका दिल खुश हो जाएगा। इस शहर में आपको कुछ ऐसा देखने को मिलेगा, जो भारत में कम ही देखने को मिलता है। जी हां, यहां की दुकानों में सामान तो भरा रहता है, लेकिन उसे बेचने के लिए कोई दुकानदार नहीं बैठता। इसके बावजूद भी कोई चोरी नहीं करता और सभी दुकानें भरोसे पर चलती हैं।

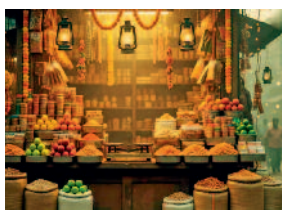

इस तरह चलती हैं ये दुकानें : इस शहर की दुकानों पर सामान रखा रहता है और उनके दाम लिखे रहते हैं। लोग अपनी जरूरत का सामान चुनकर ईमानदारी से उनके पैसे भरते हैं और उसे लेकर चले जाते हैं। कोई भी ऐसा कोई सामान नहीं उठाता, जिसके उसने पैसे न दिए हों। इतना ही नहीं, दुकानों पर रखे हुए पैसों को भी कोई चोरी नहीं करता। यहां के दुकानदारों का ग्राहकों पर विश्वास और ग्राहकों की ईमानदारी पूरे देश के लिए एक मिसाल बन रही है। इस शहर के नागरिक समाज कार्यकर्ता अंगा वेखोटालु ने बताया कि ये दुकानें करीब 15 साल पहले खुली थीं। उन्होंने कहा, इन दुकानों पर मुख्य खरीदार नागा और गैर-नागा लोग हैं। शहर के आस-पास के खेती न करने वाले लोग भी इन दुकानों से ही खरीदारी करते हैं।

महिला किसान चलाती हैं ज्यादातर दुकानें

फुत्सेरो में ऐसी करीब 20 दुकानें हैं, जिन्हें महिला किसान चलाती हैं। इनमें मौसमी फल, सब्जियां, अचार, जैम और जूस बेचे जाते हैं। ये सभी खाद्य पदार्थ स्थानीय खेतों से प्राप्त उपज से बने होते हैं। किसान सुबह से लेकर शाम तक दुकानें खुली रखते हैं और खेतों से घर लौटते समय पैसे उठा लेते हैं। इन दुकानों पर कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं रहता है और कोई सुरक्षा गार्ड भी नहीं खड़े रहते हैं।

कमर, जांघ, ऑर्म, वक्ष स्थल

शरीर के अन्य हिस्सों का वेजर द्वारा लाइपोसक्शन

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर

आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)

9827143060/8871003060

छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

Ajay Advt.

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल

हर मरीज की कहानी महत्वपूर्ण है – और हम इसे जीत की ओर ले जाते हैं।

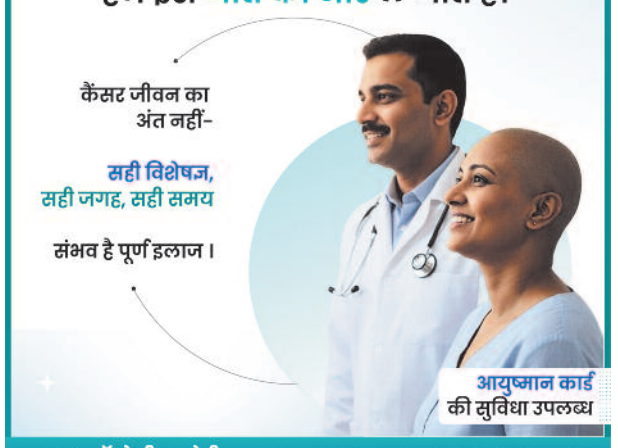

कैंसर जीवन का अंत नहीं-

सही विशेषज्ञ, सही जगह, सही समय

संभव है पूर्ण इलाज।

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 07714081010

CELEBRATED BY Dr. Ortho

LUV FILMS IN CINEMAS NOW

आपने दिया इस परिवार को ढेर सारा प्यार

ZEE NEWS · IANS · LOKMAT TIMES · PUNJAB KESARI · DNA · GLAMSHAM (NITIN) · BOLLYWOOD HUNGAMA · RJ DIVYA SOLGAMA · KOIMOI · DAINIK SAVERA · TV9 · ABP HINDI · MONEY CONTROL · PRABHAT KHABAR · HINDUSTAN TIMES · TIMES OF INDIA · INDIA TODAY · DAINIK BHASKAR · AAJ TAK · NAVBHARAT TIMES

GULSHAN KUMAR & T-SERIES PRESENT
A LUV FILMS PRODUCTION

LUV RANJAN'S De De Pyaar De 2

DIRECTED BY ANSHUL SHARMA

WRITTEN BY TARUN JAIN & LUV RANJAN

PRODUCED BY BHUSHAN KUMAR KRISHAN KUMAR PRODUCED BY LUV RANJAN ANKUR GARG

आज ही अपना टिकट बुक करे

bookmyshow | district BY ZOMATO

PVR INOX PICTURES

सुयश हॉस्पिटल

(NABH से मान्यता प्राप्त)

डायलिसीस

- सीआरएफ एवं एआरएफ के मरीजों की अत्याधुनिक फ्रेसिनियस की डायलिसीस मशीन द्वारा
- हिमोडायलिसीस
- पेरीटोनियल डायलिसीस
- सीएपीडी
- बच्चों की किडनी की बामारियों का ईलाज

24 Hours Helpline

9926386660

कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर

Ajay 9827144371

मित्तल हॉस्पिटल

रायपुर - भिलाई

कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार

आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध

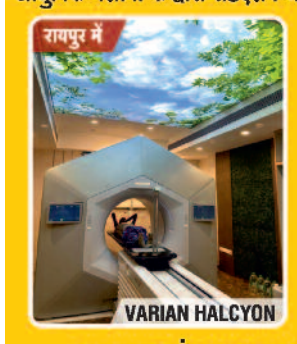

Deepak Ad./101

आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था

• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी

रायपुर
अवंति बाई चौक, पंडरी
9343079151, 91313 99570

भिलाई
टी.आई. मॉल के पास
7722880844, 0788-2294440

Sirf Ek कप चाय, कब्ज़ को Tata Bye-Bye

Dr. Juneja's पेट सफा

Laxative Green Tea

fssai

FSSAI NO. : 10924999000065

पेट सफा... तो हर रोग दफा

Buy Now : amazon | Flipkart | blinkit | 1mg | bigbasket | snapdeal | JioMart

अगर आपका पेट भी सुबह पूरी तरह से साफ नहीं होता तो इससे छुटकारा अब बिल्कुल आसान है, रात को सोते समय 'पेट सफा' Laxative Green Tea का सिर्फ एक कप पीना है, और सुबह आपका पेट होगा, एक झटके में बिल्कुल साफ और Fresh.

Good for Digestion

Helps Relieve Constipation

Contact For Dealership
85588 07777
dealership@divisa.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com